रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	33.9	27.0
जमशेदपुर	35.2	25.9
डालटनगंज	32.0	25.1

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

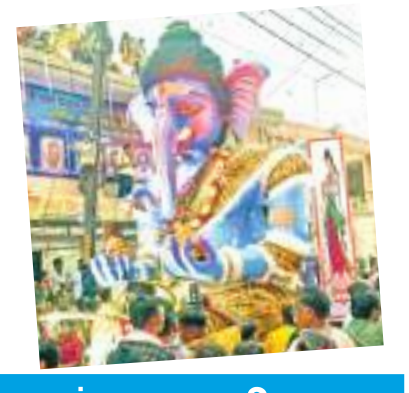

www.lagatar.in रांची, रविवार 08 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 151 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

2019 का वादा था **सभी PHC एवं CHC पर** **डॉक्टर नर्स-दवाइयां उपलब्ध कराने का** 2024 तक आप में से **किसी को** **मिला क्या?**

देश फिर शर्मसार

अब हुगली में ट्यूशन से लौट रही 9वीं की छात्रा का यौन शोषण

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर से रेप और हत्या के अभी एक महीना भी नहीं हुआ और इसी बीच कोलकाता से सटे हुगली के हरिपाल में छात्रा के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है. नौवीं कक्षा की स्टूडेंट जब ट्यूशन से लौट रही थी, तब वारदात को अंजाम दिया गया. स्थानीयों से सूचना के बाद पुलिस छात्रा को बचाने पहुंची. पुलिस को पीड़िता अर्धनग्न हालत मिली. छात्रा के परिजनों ने पुलिस को शिकायत दे दी है, जिसके बाद पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है. पुलिस के मुताबिक, अब तक की जांच में किसी भी संदिग्ध का पता नहीं चल सका है. बच्ची और उसके परिवार की निजता का सम्मान करने का अनुरोध है. अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

ब्रीफ खबरें

अब कारगिल युद्ध पर पाक का कबूलनामा

नयी दिल्ली। पाकिस्तान ने पहली बार कबूला है कि कारगिल युद्ध में वह शामिल था. शुक्रवार को रक्षा दिवस पर वहां के आर्मी चीफ असीम मुनीर ने कारगिल में पाक सेना के जवानों की मौत की बात स्वीकार की. मुनीर ने कहा कि चाहे वह 1948, 1965, 1971 हो या 1999 का कारगिल युद्ध, हजारों सैनिकों ने देश और इस्लाम के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है.

इंदौर-जबलपुर ट्रेन के 2 डिब्बे बेपटरी

जबलपुर। एमपी के जबलपुर रेलवे स्टेशन के पास शनिवार को एक बड़ा ट्रेन हादसा होने से टल गया. इंदौर-जबलपुर एक्सप्रेस ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतर गए. यात्रियों के हताहत होने की खबर नहीं है. ट्रेन स्टेशन के पास पहुंची, तभी उसके दो डिब्बे रेलवे स्टेशन से 150 मीटर की दूरी पर पटरी से उतर गए. ट्रेन की स्पीड कम होने की वजह से बड़ा हादसा होने से टल गया.

पूजा खेडकर आईएएस से की गईं बर्खास्त

नयी दिल्ली। केंद्र ने पूजा खेडकर को आईएएस से बर्खास्त कर दिया है. केंद्र सरकार ने 6 सितंबर के आदेश के तहत आईएएस नियम, 1954 के नियम 12 के तहत खेडकर को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है.

ईडी-सीबीआई व आईटी को अब जांच से पहले लेनी होगी राज्य सरकार की अनुमति

प्रमुख संवाददाता। रांची

सरकार ने जारी किया आदेश, मंत्रिमंडल सचिवालय ऐसे सभी मामलों की नोडल एजेंसी बना

अब गृह विभाग की जगह मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग केंद्रीय जांच एजेंसियों से जुड़े मामलों को देखेगा. डीएसपीई एक्ट की धारा पांच और छह के मामलों को छोड़ कर केंद्रीय जांच एजेंसियों से जुड़े सभी मामले देखने की जिम्मेवारी मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग को दे दी गई है. कैबिनेट सेक्रेटरी वंदना दादेल ने शनिवार को इसका आदेश जारी कर दिया है. जारी आदेश के मुताबिक सीबीआई, इनकम टैक्स सहित अन्य जांच एजेंसियों से जुड़े मामलों के लिए मंत्रिमंडल विभाग को नोडल डिपार्टमेंट बनाया गया है.

कार्यपालिका नियमावली में संशोधन को मिल चुकी मंजूरी : कैबिनेट की बैठक में राज्य की कार्यपालिका नियमावली 2000 में संशोधन की मंजूरी पहले ही मिल चुकी है. इसके तहत अब ईडी, सीबीआई समेत अन्य जांच एजेंसियों को झारखंड के किसी भी अफसर, एमएलए या मंत्री के खिलाफ जांच करने से पहले राज्य सरकार से अनुमति लेनी होगी.

केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई को नियंत्रित कर सकेंगे राज्य : अब झारखंड सरकार ने नियमावली में संशोधन कर मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग को इस संदर्भ में शक्ति प्रदान कर उसे कानूनी रूप दिया है. संशोधन इस लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि इसके जरिए सरकार ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई को कुछ हद तक नियंत्रित कर सकेगी. बताते चलें कि सीबीआई डीएसपीई एक्ट 1946 से नियंत्रित होती है. इस कानून की धारा पांच के अनुसार राज्य सरकार से संबंधित किसी मामले में जांच करने के लिए सीबीआई को राज्य सरकार की अनुमति प्राप्त करनी होगी.

कई राज्यों में सीबीआई की एंट्री पर प्रतिबंध : ईडी पीएमएलए एक्ट से नियंत्रित होती है. अब तक कई राज्यों ने सीबीआई की एंट्री पर अपने यहां प्रतिबंध लगा रखा है. अब तक जांच के लिए जिन राज्यों में लिखित अनुमति लेनी पड़ती थी, वहां विपक्षी पार्टियों की सरकार है. हालांकि, हाल ही में भाजपा शासित मध्य प्रदेश ने भी राज्य सरकार से जुड़े मामलों की जांच में सीबीआई को कार्रवाई से पहले राज्य सरकार की अनुमति लेना अनिवार्य किया है.

पाकिस्तान से बातचीत पर केंद्र ने रुख किया साफ

जब तक शांति नहीं, तब तक कोई संवाद नहीं : अमित शाह

एजेंसी। जम्मू

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को लेकर बड़ा बयान दिया है. शनिवार को उन्होंने साफ किया कि जब तक घाटी में शांति नहीं आती, तब तक पाकिस्तान से कोई संवाद नहीं होगा.

शाह की पाकिस्तान से बातचीत को लेकर ताजा टिप्पणी जम्मू कश्मीर में चुनावी जनसभा के दौरान आई है. केंद्र शासित प्रदेश की पहली चुनावी रैली में शाह ने कहा कि पहली बार भारत के संविधान तले यहां चुनाव हो रहा है. कोई ताकत जम्मू कश्मीर में स्वायत्तता की बात नहीं कर सकती है. गृह मंत्री बोले, बूथ हमारी सबसे बड़ी ताकत है और जब ये पूरी जोर से उतरते हैं तो अच्छे-अच्छे लोगों के पसीने छूटते हैं.

शाह ने लोगों से कहा कि यह संयोग है कि भाजपा की पहली चुनावी रैली गणेश चतुर्थी के दिन शुरू हो रही है. आगामी चुनाव ऐतिहासिक चुनाव है. देश की आजादी के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर के मतदाता तिरंगे के नीचे अपना वोट डालेंगे.

शहरी क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण के लिए हेमंत सरकार की **बड़ी पहल**

12000 बागवान मित्र की सरकार करेगी नियुक्ति

रवि भारती। रांची

वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य सरकार शहरी क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण के लिए माली की तलाश कर रही है. इस कड़ी राज्य सरकार ने 12,000 युवाओं को माली, बागवान मित्र, उद्यान मित्र का प्रशिक्षण देने का फैसला लिया है.

इसके तहत सरकार राज्य और भारत सरकार के चिन्हित संस्थानों या एग्रीकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त संस्थानों से 200 घंटे का सर्टिफिकेट कोर्स कराएगी. इसके तहत 25 दिनों तक माली का प्रशिक्षण दिया जाएगा. इस दौरान प्रति माली प्रति दिन 220 रुपए की दर से 30 दिनों का रुपए 6600 रुपए दिए जाएंगे. प्रति प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण का मूल्यांकन तथा प्रमाण-पत्र के लिए 1000 रुपए दिए जाएंगे. प्रति प्रशिक्षणार्थी परिवहन की प्रति-पूर्ति के लिए भी रुपए दिए जाएंगे. परिवहन पर प्रति माली 17,500 रुपए खर्च किए जाएंगे.

ऐसी होगी चयन प्रक्रिया : माली प्रशिक्षण के लिए इच्छुक युवाओं, जिनकी उम्र न्यूनतम 20 से 45 वर्ष के बीच हो, चयन किया जाएगा. 10वीं पास अथवा समकक्ष (प्रमाण पत्र), कृषि उद्यानिकी फसलों के क्षेत्र में अनुभव होना अनिवार्य है. ग्राम पंचायत, वार्ड सदस्य, मुखिया द्वारा अनुमोदित युवा कृषकों को भारत सरकार या राज्य सरकार के चिन्हित प्रतिष्ठित संस्थानों में 200 घंटा (25) दिनों का माली प्रशिक्षण एवं प्रमाण पत्र के लिए चयन किया जाएगा.

किन जिलों से होगा माली का चयन

जनजातीय क्षेत्रीय उपयोजना के तहत 13 जिलों रांची, खूंटी, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, लातेहार, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला, साहिबगंज, जामताड़ा, पाकुड़ एवं दुमका में युवाओं का चयन किया जाएगा. इन जिलों में प्रशिक्षण पर 63 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे. अन्य क्षेत्रीय उपयोजना के तहत ।। जिले हजारीबाग, रामगढ़, देवघर, गोड्डा, गिरिडीह, चतरा, कोडरमा, गढ़वा, धनबाद, पलामू एवं बोकारो में युवाओं का चयन किया जाएगा.

अवसर

- **माली बनने के लिए सरकार कराएगी 200 घंटे का सर्टिफिकेट कोर्स**
- **20 से 45 साल के युवाओं को मिलेगा मौका, मिलेगा रहने- खाने के लिए भत्ता**

उद्यान विकास योजना पर खर्च होंगे 129.25 करोड़ : राज्य सरकार वित्तीय वर्ष 2024-25 में उद्यान विकास योजना पर 129.25 करोड़ रुपए खर्च करेगी. इसके तहत बागवान-उद्यान मित्रों, कृषकों को 5 दिवसीय उद्यानिकी प्रशिक्षण दिया जाएगा. जिलों में उद्यानिकी फसलों के चहुंमुखी विकास के लिए पंचायत स्तर पर चयनित बागवान मित्रों, प्रखंड स्तर पर कार्यरत उद्यान मित्रों-कृषकों को उद्यानिकी फसलों की तकनीकी खेती के भी प्रशिक्षण दिए जाएंगे. इस प्रशिक्षण पर प्रति बागवान मित्र- उद्यान मित्र प्रतिदिन 336 रुपए दिए जाएंगे. प्रति व्यक्ति ठहरने और भोजन के लिए प्रतिदिन 220 रुपए दिए जाएंगे.

सहायक पुलिसकर्मियों ने सीएम का आभार जताया : सीएम हेमंत सोरेन से शनिवार को रांची स्थित सीएम आवास में राज्य के विभिन्न जिलों से आये सहायक पुलिसकर्मियों ने राज्य सरकार द्वारा कैबिनेट की बैठक में सेवा अवधि विस्तार एवं अन्य लाभ प्रदान किए जाने के निर्णय को लेकर उनका जताया आभार.

दो दिन के दौरे पर रांची पहुंचे **कोयला राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे,** बोले

झारखंड को देंगे रॉयल्टी

प्रमुख संवाददाता। रांची

केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार केंद्र सरकार झारखंड को उसके हिस्से की रॉयल्टी देगी. मंत्री दो दिन के झारखंड दौरे पर शनिवार को रांची पहुंचे. सीसीएल-सीएमपीडीआइ के अफसरों के साथ समीक्षा बैठक करने के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जिन समस्याओं का समाधान किया जाना है, उसमें कोताही बरती जा रही है. वहीं केंद्र स्तर की समस्याओं का समाधान तुरंत कर दिया जा रहा है. सीसीएल और सीएमपीडीआइ के कार्यों की समीक्षा के बारे में कहा कि खनन कार्य लक्ष्य के अनुरूप चल रहा है. पिछले दो महीने में बरसात के कारण उत्पादन प्रभावित हुआ. फिलहाल 90 फीसदी से अधिक उत्खनन का काम हो चुका है.

खनन कार्य में आ रही समस्या के लिए राज्य सरकार जिम्मेवार : केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री ने झारखंड में खनन कार्य में आ रही समस्याओं के लिए राज्य सरकार को जिम्मेवार ठहराया है. उन्होंने कहा कि फिलहाल केंद्र से राज्य सरकार को जो दिया जा रहा है और जो झारखंड सरकार को करना चाहिए, वह नहीं हो रहा है. उन्होंने किसानों की समस्याओं के समाधान का भी आश्वासन दिया.

झारखंड सरकार पर साधा निशाना : केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री ने झारखंड सरकार पर भी निशाना साधा और कहा कि यह सरकार सिर्फ लूटने में लगी है. अब यह ज्यादा दिन नहीं टिकेगी. जल्द ही झारखंड में विधानसभा चुनाव होने वाला है. इस सरकार को जनता सत्ता से बाहर कर देगी. उन्होंने कहा कि रैयतों की परेशानी जल्द ही दूर कर ली जाएगी.

रांची में मंत्री का जोरदार स्वागत : इससे पहले रांची आगमन पर बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में लोगों ने उनका स्वागत किया. मंत्री ने सबसे पहले बिरसा चौक स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. इसके बाद मंत्री ने सीसीएल के कार्य-कलापों का जायजा लिया. इसमें सीसीएल के सीएमडी नीलेंदु कुमार सिंह एवं निदेशकगण भी मौजूद थे. मंत्री ने सीसीएल के उत्पादन, प्रेषण एवं अन्य गतिविधियों की समीक्षा की तथा उचित दिशा निर्देश दिये. देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कोयले के उत्पादन एवं प्रेषण में और बढ़ोतरी करने के लिए कई दिशा-निर्देश भी दिए.

पिपरवार में सोलर प्लांट का उद्घाटन करने के बाद मंत्री का संबोधन.

मंत्री ने सीएमपीडीआई के कार्यों की समीक्षा की

कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने शनिवार को सीएमपीडीआई एवं सीसीएल की समीक्षा की. सीएमपीडीआई के समीक्षा के दौरान उन्हें सीएमपीडीआई के कार्य-कलापों की विस्तृत जानकारी दी गई. उन्हें बताया गया कि सीएमपीडीआई कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया के अतिरिक्त अन्य संस्थानों यथा हिन्दुस्तान कापर लिमिटेड, नाल्को, एनटीपीसी, एनएमडीसी, सेल इत्यादि को भी खनन एवं संबंधित कार्यों हेतु परामर्शी सेवाएं प्रदान करता है. मंत्री ने कोयला एवं खनन उद्योग के विकास में सीएमपीडीआई के योगदान की सराहना की एवं भविष्य में और बेहतर कार्य करने हेतु प्रेरित किया.

पिपरवार में सोलर पावर प्लांट का किया उद्घाटन

मंत्री ने बाद में सीसीएल के पिपरवार क्षेत्र का दौरा किया, जहां उन्होंने सीसीएल की महत्वाकांक्षी परियोजना-20 मेगावाट क्षमता के एक सोलर पावर प्लांट का उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित किया. इस सोलर पावर प्लांट के माध्यम से स्थानीय लोगों को भी बहुत लाभ मिलना है. इस दौरान मंत्री स्थानीय अधिकारियों एवं हितधारकों से भी मिले. उन्होंने हितधारकों के समुचित विकास के लिए कई दिशा निर्देश भी दिये.

मणिपुर में फिर हिंसा, 6 की मौत

चुराचांदपुर में उग्रवादियों के तीन बंकर तबाह, पूर्व सीएम के घर बमबाजी

एजेंसी। इंफाल

मणिपुर के जिरीबाग में सुरक्षा बलों ने संभाला मोर्चा.

मणिपुर एक बार फिर हिंसा की आग में झुलस रहा है. शुक्रवार से शुरू हुई हिंसा शनिवार को दूसरे दिन भी जारी है. बताया जा रहा है कि हिंसा के दौरान मैतेई समुदाय के एक बुजुर्ग की हत्या कर दी गई. इस घटना के जवाब में जिरीबाम जिले में पांच कुकी उग्रवादियों को मार दिया गया है.

हिंसा के बाद मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने शनिवार को इमरजेंसी कैबिनेट मीटिंग बुलाई. इस घटना में कई लोग घायल भी हुए हैं और मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है. इससे पहले मणिपुर के पहले सीएम मैरेम्बम कोइरेंग के घर पर उग्रवादियों ने रॉकेट हमला किया. इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और छह अन्य घायल हो गए थे. हमले के बाद पूर्व सीएम के घर पर कमांडो तैनात कर दिये गये. इसके जवाब में सुरक्षा बलों ने पड़ोसी जिले चुराचांदपुर में तीन बंकरों को तबाह कर दिया और सैन्य हेलीकॉप्टर की मदद से हवाई गश्त की गई.

इस बीच, मणिपुर अखंडता पर समन्वय समिति ने बढ़ते कुकी हमलों का आरोप लगाते हुए सार्वजनिक आपातकाल की घोषणा की है. समिति के प्रवक्ता खुरैजाम अथौबा ने कहा कि कुकी आक्रामकता दोगुनी हो गई है. पिछले कुछ दिनों में इंफाल पश्चिम में ड्रोन से बमबारी की कई घटनाएं हुई हैं. इनमें कई लोग मारे गए हैं और कई अन्य घायल हुए हैं. **-शेष पेज 7 पर**

टेक्नॉलजी टाइम मैगजीन की टॉप 100 लिस्ट बता रही अपना टाइम भी जल्दी ही आ रहा

इंडिया कुछ सालों में बनेगा एआई किंग, चिप का चैंपियन

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

टाइम मैगजीन में किन खास लोगों को मिली जगह

टाइम मैगजीन के 100 पॉवरफुल लोगों में अश्वनी वैष्णव, नंदन नीलेकणि के अलावा अभिनेता अनिल कपूर, माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च इंडिया की हेड कलिका बाली, अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई, ओपेन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन, माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के अलावा कई अन्य नाम भी शामिल है.

दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) की दुनिया का बड़ा खिलाड़ी होने के गुर सीख रहा है. देश के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव भारत के इस मिशन को मुमकिन बनाने के मिशन को लीड कर रहे हैं. पिछले साल भारत ने दुनिया को एआई सक्षम बनाने के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस पर ग्लोबल पार्टनरशिप की अध्यक्षता की.

भारत की अध्यक्षता में जुलाई मे ग्लोबल इंडिया एआई सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें दो हजार से ज्यादा एआई एक्सपर्ट्स ने शिरकत की. इसमें ओपन एआई और माक्रोसॉफ्ट समेत 20 देशों के सीनियर प्रतिनिधि भी थे. भारत सरकार ने उभरते एआई सेक्टर के लिए 1.2 बिलियन डॉलर आवंटित किए हैं. 'इंडियाएआई' मुहिम के जरिए भारत एआई की तरफ कदम बढ़ा रहा है. वैष्णव का मंत्रालय इस मुहिम को लीड कर रहा है. भारत को यकीन है कि वह अगले 5 सालों में सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाले टॉप 5 देशों में शुमार हो जाएगा, जो मॉडर्न एआई सिस्टम के लिए बेहद जरूरी है

ये शब्द दुनिया की प्रतिष्ठत टाइम मैगजीन की एआआई के चैंपियनों की लिस्ट ''टाइम100'' में शुमार केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव की तारीफ में लिखे गए हैं. दुनिया भारत को किस नजर से देखने लगी है, यह उसकी बानगी है. टाइम की लिस्ट और उसमें भारतीयों की तारीफ में लिखे गए शब्द बता रहे हैं कि एआई और चिप की दुनिया में इंडिया का टाइम आ रहा है. मैगजीन ने दुनिया में एआई फील्ड में 100 लोगों की लिस्ट जारी की है. इस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में प्रभाव डालने वाले बड़े चेहरों को शामिल किया गया है, जिसमें केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव भी शामिल हैं.

मैगजीन ने भारत की रणनीति को सराहा : मैगजीन ने भारत की एआई रणनीति में अश्वनी वैष्णव की भूमिका पर खास फोकस किया गया है. मैगजीन ने उसकी भमिका को हाईलाइट करते हुए लिखा, आशा है कि अश्वनी वैष्णव के नेतृत्व में भारत अगले 5 सालों में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग करने वाले टॉप-5 देशों में शामिल होगा. मैगजीन ने अभिनेता अनिल कपूर के बारे में लिखा, उन्होंने हाईकोर्ट में उनके जैसे दिखने के लिए एआई के इस्तेमाल पर जीत हासिल की. अनिल ने कहा था कि उन्हें को रक्षा का अधिकार है. फैसला भी अनिल कुमार के पक्ष में ही आया था.

झारखंड में घुसपैठियों के लिए गृह मंत्री जिम्मेवार

पूरे देश में गिर रहा भाजपा का ग्राफ : डी राजा

- झारखंड में मजबूत गठबंधन की जरूरत
- भाजपा को सत्ता में आने से रोकना ही हमारा लक्ष्य
- महंगाई, बेकारी, लाचारी होंगे भाकपा के चुनावी मुद्दे

प्रमुख संवाददाता । रांची

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव डी राजा ने कहा है कि पूरे देश में भाजपा का ग्राफ गिर रहा है. लोग पीएम नरेंद्र मोदी को नकार रहे हैं. 400 पार का नारा भी खोखला साबित हुआ. डी राजा शनिवार को अलबर्ट एक्का चौक स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि गुजरात और महाराष्ट्र में भी भाजपा हारने जा रही है. लगातार बीजेपी विपक्षी दलों पर हमलावर बनी हुई है.

महंगाई, बेकारी और भूखमरी भाजपा के एजेंडें में नहीं : डी राजा ने कहा कि महंगाई बेकारी भूखमरी भाजपा एजेंडे में नहीं है. झारखंड में चुनाव को देखते हुए बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला उठा रहा है. जबकि सबसे ज्यादा शासन करने वाली पार्टी भारतीय जनता पार्टी है. अगर देश में घुसपैठ हो रहा है तो उसके लिए देश के गृह मंत्री जिम्मेवार है. देश के गृह मंत्री सोए हुए हैं या घुसपैठियों से मिल गए हैं. कोई भी विदेशी घुसपैठ हो रहा है उसके लिए गृह मंत्री अमित शाह जिम्मेवार है.

हिंदू- मुस्लिम के नाम पर बांट रहे : भाजपा पर निशाना साधते हुए डी राजा ने कहा कि झारखंड में विधानसभा के चुनाव को देखते हुए हिंदू मुसलमान के नाम पर लोगों को बांटना शुरू कर दिया गया है, जबकि महंगाई, बेकारी बेरोजगारी, लाचारी, भाजपा के मुद्दे नहीं है. झारखंड में मजबूत महागठबंधन की जरूरत है. राज्य में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी गठबंधन के साथ मिलजुल करके चुनाव लड़ना चाहती है. राज्य सरकार को चाहिए की सभी तरह के छोटे बड़ी पार्टियों को एक सूत्र में बांधकर एक मजबूत गठबंधन बनाए ताकि भाजपा को सत्ता मे आने से रोका जा सके.

20 से 25 सीटों पर चल रही तैयारी : पत्रकारों से बात करते हुए राज्य सचिव महेंद्र पाठक ने कहा 20 से 25 सीटों पर हमारी तैयारी चल रही है. पार्टी चाहती है कि सम्मानजनक समझौता के तहत गठबंधन में चुनाव लड़ा जाए, जिसका फायदा गठबंधन को सभी विधानसभा क्षेत्र में मिलेगा. विपक्षी सेकुलर वोटों को बिखराव को रोकने के लिए हम सबको पहल करनी चाहिए. आठ सितंबर को अटल वेंडर मार्केट के चौथी मंजिल पर बने अतुल कुमार अंजन सभागार में विधानसभा चुनाव को लेकर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित की गई है, जिसमें महासचिव डी राजा, एटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेंद्र कुमार, पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता शामिल होंगे.

555 इंस्पेक्टर व सार्जेंट मेजर की वरीयता सूची जारी

रांची । इंस्पेक्टर और सार्जेंट मेजर रैंक के 555 पुलिस पदाधिकारियों की अंतिम वरीयता सूची जारी की गयी है. डीजीपी ऑफिस से इससे संबंधित आदेश भी जारी कर दिया गया है. जारी आदेश में कहा गया है कि इंस्पेक्टर और सार्जेंट मेजर रैंक के पदाधिकारियों की वरीयता सूची जारी कर दी गयी है, जिसमें सेवानिवृत्ति इंस्पेक्टर के नाम को विलोपित कर 18 अगस्त को नवप्रोन्नत इंस्पेक्टर का नाम सूची में जोड़ा गया है. यदि किसी सार्जेंट मेजर और इंस्पेक्टर का नाम वरीयता सूची में छूट गया है या प्रकाशित वरीयता सूची के अनुसार पदस्थापित नहीं हो तो ऐसे पदाधिकारी के संबंध में सूचना अलग से उपलब्ध करायी जाये.

189 एएसआई का तबादला, आदेश जारी

संवाददाता । रांची

पुलिस मुख्यालय ने राज्य पुलिस के 189 सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) का तबादला कर दिया गया है. इससे संबंधित आदेश जारी करते हुए पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी से कहा है कि जिनका तबादला किया गया है, उन्हें विरमित किया जाये. ताकि वह जिस जिले में स्थानांतरित किया गया है, वहां योगदान कर सकें. विरमित करने के साथ ही इसकी जानकारी पुलिस मुख्यालय को दें. उल्लेखनीय है कि अगल एक-दो माह में विधानसभा चुनाव होने हैं. इसके मद्देनजर चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि एक ही जिले में लंबे समय से पदस्थापित पुलिसकर्मियों का तबादला किया जाये. पुलिस मुख्यालय की कोशिश है कि अचार संहिता लगने से पहले पुलिसकर्मियों के तबादले का काम पूरा कर लिया जाये. ताकि चुनाव के वक्त पुलिस पदाधिकारियों को किसी तरह की दिक्कत का सामना ना करना पड़े.

कभी बोले के बेमारी धइले था प्रकाश भाई के...अब कोई पूछिए न रहा है

संजय सिंह

बड़की वाली पार्टिया में एगो दीपक हैं. प्रदेश का बड़का ओहदा पर ढेरे दिन रहे. जब पावर मे थे भाई जी, तो पूछिए मत. प्रकाश की लौ खूबे तेज थी. जे चाहे सो करे लगे. पिछिलका दरवाजा के सहारे दिल्ली तक चहुंप गए. खूबे मिहि-मिहि बोलते हैं. चलती भी खूबे थे. जब प्रकाश की रोशनी तेजी से फड़फड़ा रही थी, तो जे चाहे सो करे लगे. छपास के रोग भी धइले था. दिल्ली हो या चाईना, राज्य से लेके देश-विदेश पर तक का कोनो इश्यु हो, प्रकाश बाबू को ओकरा पर बोले का बेमारी धर लिया था. उ समय एगो दिल्लीवाले कोनो मथुरा जी की कृपा इन पर खूबे बरस रही थी, तो अलबलाइल रहते थे. पार्टी में इनका किचन कैबिनेट भी था. लेकिन अब तो किचन कैबिनेट वाले नेताजी लोगन भी इन्हें टक्कर देले हैं. सबलोग पैरेलल खड़ा हो गया है. दु लोग तो भाईजी की तरह ही पिछिलका दरवाजा से दिल्ली निकल लिया है. एगो गुड बाबू अभी इहे हैं. हिनू देने रहेवाले गुड बाबू लकलकाइल हैं कि भाई प्रकाश बिखरेवाला गुरुजी कुछो उद्धार करा दें, लेकिन अब लगता न है कि उनका कुछगुड हो पाएगा. कैहे कि बेचारा दीपक के प्रकाश की लौ ही मधिम पड़ गई. उनको भी हंफनी के बेमारी धर लिहिस है. एक समय था, जब पार्टिया में चलती थी, तो प्रवक्ता से लेके पदाधिकारी तक के साइड धराइले थे. प्रवक्ता भाई लोग तो कुछो बोलिए न पाता था. प्रकाश बाबू खुदे सब कुछ बोल देते थे, तो दूसरे के जरूरते का था. खूबे रुआब में रहते थे प्रकाश बाबू... लेकिन कहते हैं न, सब दिन होत न एक समाना. बड़की कुरसिया से उतारल गए, तो ज्यादा जोर- जोर से हांफे लगे. लेकिन खुद के जियावे लगी, जेने-तेने मुंह मारे लगे. पहिले पार्टिया में छोटका नेताजी लोगन आगे-पीछे कइले रहता था, लेकिन अब तो नेताजी लोगन भी उनको देख के किनारा कर ले रहा है. बेचारे अलबलाइल हैं. करें तो करे का. अब प्रकाश बाबू पार्टिया में जेने-तेने मुंह मारले फिर रहे हैं.भाई जी इन दिनों पूजा-पाठ, तंत्र-मंत्र में भी खूबे विश्वास करे लगे हैं. कोनो तांत्रिक इनको बता दिया है कि प्रकाश का लौ फिरो से तेल होगा. झारखंड प्रदेश में आपको डिप्टी का बड़का ओहदा भेटा सकता है. अब प्रकाश बाबू दो महीना बाद होवेवाला चुनाउवा के लिए संभावना तलाशे लगे हैं.एगो तीर्थस्थल से आयातित नेताजी जब-जब राजधानी में टपकते हैं, इ प्रकाश बाबू उनका आगे-पीछे कइले रहते हैं. इनको तांत्रिक पर भरोसा है. हजार बागों वाले एक शहर की सीट पर भाई जी नजर टिकाइले हैं. दाल गल गई, तो फिर तो बल्ले ही बल्ले. लेकिन पार्टिया में ई प्रकाश बाबू के बुरा हाल है. जेने-तेने, पार्टी को छोटकों प्रोग्रामवा में टपक जाते हैं. अब बिन बुलावल मेहमान की तरह टपकते हैं, तो आयोजक लोग को इनका बइठावे-उठावे के व्यवस्था करे में हंफनी छूटे लगते हैं. लेकिन ई भाई जी करे तो करे का. ई तो राजनीति है. राजनीति में खुद को जिंदा रखेला कुछ न कुछ तो तिकड़मवा करे ही पड़ता है. वैसे इनका पार्टी वाला लोग इन पर ढेर भरोसा न करता है. काहे कि ईहो भाई साहेब पार्टी के एक लाल बाबू संगे पार्टिया के लात मार के भाग गईल थे. कुछ दिन कंघी किए, लेकिन फुर बुझा गया कि ईहां कोई भविष्य न है, तो अपना लाल बाबू जी के गच्चा देकर धीरे से कंघिया फेंक कर कर कमल खिलावे लगी लौट आए. लाल बाबू से धकिया के आए, तो भाई साहेब का लह गया. मौज ही मौज था. खूबे चलती भी चलाए. लेकिन जब लाल बाबू भी उनका राह पर चलते हुए फिर से चाटे लगी कमल में आये, तो प्रकाश भाई के लगे लगा कि अब उनका दिन लद गया. दीपक के प्रकाश के लौ कम होगा ही. अब चाहे जो भी, ई प्रकाश बाबू फिरो से गेटिंग-सेटिंग में जुटल हैं. तांत्रिक के चक्कर में पड़ल भाई जी प्रकाश की लौ तेज करे ला खूबे पैडल मारले हैं. अभी भाई जी आयातित नेताजी पर विस्वास कईले हैं. आयातित नेताजी के पटावे लगी पूरा जोर लगाइले हैं. अब देखिए भाई जी केतना पैडल मार लेते हैं. पटावे सकते हैं या नहीं.

चुनावी चकल्लस

ब्रीफ खबरें

बाबूलाल ने किया सैन्य प्रदर्शनी का अवलोकन

रांची । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को मोरहाबादी मैदान में आयोजित सैन्य प्रदर्शनी देखने पहुंचे. उन्होंने प्रदर्शनी का भ्रमण किया और सेना के सौर्य को देखा. उन्होंने प्रदर्शनी में रखे विभिन्न तरह के हथियारों को देखा और उन हथियारों के बारे में जानकारी भी ली. इसके साथ ही बाबूलाल मरांडी ने प्रदर्शनी में मौजूद सेना के अफसरों से बीतचीत की.

अमित शाह पर टिप्पणी मामले में अब 21 को अगली सुनवाई

रांची । एमपी-एमएलए कोर्ट में शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में सुनवाई हुई. इसमें कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को अदालत में सशरीर उपस्थिति में छूट देने पर उनकी ओर से समय मांगा गया. अब इस मामले पर अगली सुनवाई 21 सितंबर को होगी. बताते चलें कि बीजेपी कार्यकर्ता नवीन झा ने राहुल गांधी के खिलाफ अवमानना का केस दर्ज कराया था.

जदयू प्रदेश कार्यसमिति की बैठक कल रांची में

रांची । झारखंड जदयू की कार्यसमिति की बैठक सोमवार नौ सितंबर को होगी. इसमें विधानसभा चुनाव को लेकर मंथन किया जाएगा. पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने बताया कि बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा भी मौजूद रहेंगे. इसके अलावा प्रदेश जदयू प्रभारी डॉ. अशोक चौधरी, बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार, प्रदेश जदयू के सह प्रभारी विजय कुमार सिंह, बिहार जदयू के एमएलए मनोज यादव भी बैठक में शामिल होंगे. बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो करेंगे.

कैबिनेट के फैसले के बाद जलसहिया का धरना समाप्त

रांची । शुक्रवार को हुई कैबिनेट के फैसले के बाद राजभवन के समीप धरने पर बैठी जलसहिया संघ का धरना समाप्त करने का निर्णय लिया है. जलसहिया 28 अगस्त से धरने पर बैठीं थीं. शुक्रवार को हुई कैबिनेट की बैठक में जलसहिया के मानदेय में एक हजार रुपए की बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया गया है. इसके अलावा सरकार जल्द ही जलसहियायों को स्मार्टफोन के साथ इनके एरियर का भी भुगतान करेगी. उल्लेखनीय है कि इस बार के कैबिनेट की बैठक में सरकार ने आंदोलन कर रहे तमाम कर्मचारी संघों की अधिकांश मांगों को मान लिया है. यही कारण है कि सहायक पुलिसकर्मियों ने भी अपने आंदोलन को समाप्त करने की घोषणा कर दी है.

विरासत की सियासत... राजनीति की डगर पर बच्चों दिखाओ चल कर

रवि भारती । रांची

झारखंड में इस बार का विधानसभा चुनाव दिलचस्प होगा. राज्य के कई राजनेता उम्र के उस पड़ाव पर पहुंच गए हैं, जहां से उनके लिए ज्यादा भाग-दौड़ करना संभव नहीं है. ऐसे में वे अपनी राजनीतिक विरासत ने बेटे-बेटियों, पत्नी- भाई को सौंपने की तैयारी में जुटे हैं. अपने बेटे-बेटियों को न सिर्फ सिर्फ राजनीति के अखाड़े में उतार दिया है, बल्कि उनके लिए पसीना भी बहा रहे हैं. राज्य की राजनीति में दर्जन भर से ज्यादा नेता, सांसद-विधायक और मंत्री अपने बेटा-बेटी, पत्नी को चुनाव मैदान में उतारने के लिए भी जोरदार तैयारी कर रहे हैं. राष्ट्रीय पार्टी के कुछ नेताओं को पता है कि उम्र उनके चुनाव लड़ने में आडे.आएगी, इसलिए वे पहले से ही सियासत की राजनीतिक विरासत अपने बेटा-बेटी को सौंपने के साथ ही साथ उनके लिए टिकट के जुगाड़ में गेटिंग-सेटिंग में भी जुट गये हैं. कुछ विधानसभा क्षेत्र तो ऐसे भी हैं, जहां से राष्ट्रीय स्तर की पार्टी के पिता-पुत्र, पुत्री ने एकसाथ टिकट की दावेदारी ठोक दी है और अपने राजनीतिक करियर से संबंधित बायोडाटा भी सौंप दिया है.

लोहरदगा के लिए डॉ रामेश्वर उरांव और सुखदेव भगत के बेटे भी ठोकने लगे हैं ताल

कांग्रेस के मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव की उम्र 77 वर्ष हो चुकी है. अब वे खुद भी बहुत भाग-दौड़ नहीं कर पाते हैं. ऐसे में वे अपने बेटे रोहित उरांव को लोहरदगा से अपनी राजनीतिक विरासत सौंपना चाहते हैं. राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि रामेश्वर उरांव अपने बेटे को टिकट दिलाने की कोशिश कर

सकते हैं. हालांकि इस मुद्दे पर वे कुछ भी बोलने से परहेज करते हैं. वहीं राजनीति में डॉ रामेश्वर के धुर विरोधी सुखदेव भगत भी युवा कांग्रेस की राजनीति में सक्रिय बेटे अऊनव भगत को चुनाव में उतारना चाहते हैं. लोहरदगा सीट के लिए अभिनव में भी दावेदारी की है.

ददई दुबे ने भी बेटे अभय को आगे किया

विश्रामपुर सीट से कई बार विधायक रहे कांग्रेस नेता चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे की भी उम्र ज्यादा हो चुकी है. इस कारण धनबाद से लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा धरी की धरी रह गयी. उन्होंने पहले ही घोषणा कर दी है कि उनका बेटा अभय दुबे ही उनका उत्तराधिकारी होगा और वह विश्रामपुर से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ेगा.

इंदर सिंह नामधारी के पुत्र फिर से होंगे चुनाव मैदान में

विधानसभा अध्यक्ष रहे इंदर सिंह नामधारी ने खुद को राजनीति से किनारा कर लिया है. वे डालटनगंज से पांच बार विधायक, बिहार सरकार में मंत्री भी रहे हैं. पिछले चुनाव में बेटे दिलीप सिंह नामधारी को मैदान में उतारा था, लेकिन जीत न सके. वह बेटे के लिए फिर से फील्ड तैयार कर रहे हैं.

विश्रामपुर से रामचंद्र चंद्रवंशी भी बेटे को कर रहे तैयार

पलामू के विश्रामपुर सीट से भाजपा के विधायक और पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी की उम्र भी ज्यादा हो गयी. ऐसे में हो सकता है पार्टी उन्हें चुनाव न लड़ाये. इसलिए वे अपने बेटे ईश्वर सागर चंद्रवंशी को को अपनी राजनीतिक विरासत सौंपना चाहते हैं. ईश्वरभी इलाके में स्क्रिय दिख रहे हैं. रामच्देर चंद्रवंशी भी बेटे के लिए फील्ड तैयार कर रहे हैं.

बरही से पिता उमाशंकर अकेला भी बेटे संग ठोक रहे ताल

हजारीबाग जिले की बरही विस सीट से कांग्रेस विधायक उमाशंकर अकेला की भी उम्र आडे.आ रही है. इसलिए वे भी अपने बेटे रविशंकर अकेला को बरही से अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी बनाने की तैयारी कर रहे हैं. हालांकि इस सीट बाप-बेटे दोनों ने दावेदारी कर दी है.

(कल पढ़िए कुछ और राजनेताओं की चाहत, जो अपने बेटे-बेटी को चुनावी रण में उतारने के लिए तैयार कर रहे हैं)

सहायक पुलिसकर्मियों का आंदोलन 70 दिन बाद समाप्त

वरीय संवाददाता । रांची

रांची के मोरहाबादी मैदान में 2300 सहायक पुलिसकर्मी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर दो जुलाई से धरने पर बैठे थे. करीब 70 दिन बाद शुक्रवार की देर रात सहायक पुलिसकर्मियों का आंदोलन समाप्त हो गया. दरअसल, झारखंड सरकार ने सहायक पुलिसकर्मियों की कई मांगों पर सहमति जताते हुए उसे कैबिनेट से पास कर दिया, जिसके बाद सहायक पुलिसकर्मी ने अपना आंदोलन खत्म करने की घोषणा की. कैबिनेट के फैसले के अनुसार, अब सहायक पुलिसकर्मियों को 13 हजार रुपये वेतन मिलेगा. वहीं सरकारी की ओर से वर्दी भत्ते के रूप में उन्हें 4 हजार रुपये दिया जायेगा. साथ ही सहायक पुलिसकर्मी अब अवकाश भी ले सकेंगे.

झारखंड पुलिस ने किया था लाठीचार्ज : झारखंड पुलिस में समायोजन की मांग को लेकर मोरहाबादी मैदान में धरना दे रहे सहायक पुलिसकर्मी 19 जुलाई को सीएम आवास का घेराव करने निकले थे. इस दौरान उनपर झारखंड पुलिस ने लाठीचार्ज किया था. सहायक पुलिसकर्मियों की बहाली दस हजार रुपये के मानदेय पर राज्य के 12 जिले गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, दुमका व गिरिडीह में हुआ था.

इन पांच मुख्य बिंदुओं पर बनी सहमति

- मानदेय में 30 फीसदी की बढ़ोतरी
- एक साल का अवधि विस्तार
- होमगार्ड और वन आरक्षी की बहाली रिजर्वेशन पर
- सिपाही की तर्ज पर मिलेगी छुट्टी
- सिपाही की तरह सालाना 4 हजार रुपये भत्ता मिलेगा

हिमंता ने कहा - मुझे चंपाई सोरेन के अनुभवों से काफी कुछ सीखने को मिला

रांची । पूर्व सीएम चंपाई चोरेन असम में हैं. वहां वह सीएम हिमंता बिस्व सरमा द्वारा आयोजित रात्रि भोज में भी शामिल हुए. हिमंता ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर इसकी तस्वीर भी शेयर की है. उन्होंने लिखा कि आज मुझे और मेरी पत्नी रिंकी को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री व वरिष्ठ नेता चंपाई सोरेन और उनके परिवार की आवभगत करने

का सौभाग्य प्राप्त हुआ. मां कामाख्या के दर्शन करने के लिए चंपाई सोरेन गुवाहाटी आये हैं. इसी दौरान वह हमारे मेहमान बनें. उन्हें असमिया व्यंजनों से परिचित कराने का अवसर भी मिला. उनके अनुभवों से हमें बहुत कुछ सीखने को मिला. गौरतलब है कि चंपाई सोरेन जब झामुमो छोड़ कर भाजपा में शामिल हुए, तब दूसरे दिन हिमंता ने उनके आवास पर जाकर उनसे मुलाकात की. इस मुलाकात के दौरान हिमंता ने चंपाई सोरेन को असम आने और मां कामख्या का दर्शन करने का निमंत्री दिया था, जिसे चंपाई सोरेन ने स्वीकार किया था.

दो साल बाद भी नहीं हो सकी एफएसएल डायरेक्टर की नियुक्ति

वरीय संवाददाता । रांची

दो साल बीत जाने के बाद भी झारखंड में एफएसएल निदेशक (डायरेक्टर) की नियुक्ति नहीं हो पायी है. इससे पहले एके बापुली एफएसएल के डायरेक्टर थे. उनका कार्यकाल 15 सितंबर 2022 को ही खत्म हो गया था. उनकी कार्यावधि बढ़ाने के लिए सरकार के पास फाइल गयी थी. लेकिन अब तक उक्त फाइल पर विचार नहीं हो सका है. ऐसे में झारखंड में एफएसएल डायरेक्टर का पद अब तक खाली पड़ा है.

जेपीएससी ने नियुक्ति की फाइल गृह विभाग को कर दी थी वापस : झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने 28 सितंबर 2022 को एफएसएल के डायरेक्टर पद पर सीधी भर्ती से संबंधित फाइल गृह विभाग को वापस कर दी थी. जेपीएससी ने टिप्पणी की थी कि त्रुटियों के निराकरण के बाद ही यह प्रक्रिया आगे बढ़ेगी. राज्य सरकार ने एफएसएल के निदेशक पद पर सीधी भर्ती के लिए जेपीएससी से पत्राचार भी किया था. लेकिन जेपीएससी ने कुछ बिंदुओं पर आपत्ति जताते हुए गृह विभाग को फाइल वापस कर दी थी. साथ ही जेपीएससी की ओर से तर्क दिया गया था कि इस पद के लिए संबंधित नियमावली में उम्र सीमा और चयन की प्रक्रिया का उल्लेख नहीं है. त्रुटि निराकरण के बाद ही जेपीएससी इस दिशा में आगे बढ़ेगा.

कोयला राज्यमंत्री आज धनबाद में

रांची । केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीशचंद्र दूबे शनिवार को रांची पहुंचे. वे दो दिनों तक झारखंड दौरे पर रहेंगे. शनिवार को उन्होंने सीसीएल, बीसीसीएल और सीएमपीडीआई के अफसरों के साथ समीक्षा बैठक की. रविवार को वह धनबाद में बीसीसीएल के कार्यक्रम में शामिल होंगे. इसके बाद अपराह्न तीन बजे मटकुरिया धनबाद में और शाम पांच बजे अक्षत बैंक्वेट हॉल में आयोजित स्वागत समारोह में हिस्सा लेंगे. शाम सात बजे वेस्ट बोकारो घाटोटांड के हाशिल कॉलोनी में प्रदीप मिश्रा के घर भोजन करेंगे. इसके बाद रात्रि के आठ बजे सड़क मार्ग से पटना के लिए प्रस्थान करेंगे.

सरकारी काम के लिए 12 घंटे होगा किराये की गाड़ी का उपयोग

- हर दिन 80 किलोमीटर और महीने में 1500 किलोमीटर वाहनों का होगा परिचालन
- अगर महीने 1500 किलोमीटर नहीं चल पाए वाहन तो अगले महीने किया जाएगा एडजस्ट

प्रमुख संवाददाता । रांची

राज्य के सरकारी कामों के लिए हायर किए गए वाहनों का उपयोग प्रतिदिन 12 घंटे तक किया जाएगा. वाहन का परिचालन हर दिन 80 किलोमीटर या महीने में 1500 किलोमीटर होना जरूरी है. अगर महीने में 1500 किलोमीटर वाहन का परिचालन नहीं हो पाया तो अगले महीने इसे एडजस्ट करना होगा. वित्त विभाग बाह्य स्त्रोत से किराये पर वाहन रखने के लिए टेंडर जारी किया है. इसके लिए आवेदन देने की अंतिम तिथि 13 सितंबर को शाम पांच बजे तक रखी गई है. 20 सितंबर को अपराह्न 330 बजे इसका टेंडर खोला जाएगा.

तीन साल के लिए होगा करार

बाह्य स्त्रोत से वाहन रखने के लिए जिस एजेंसी का चयन होगा. उसकी अवधि सेवा प्राप्त करने की तिथि से अधिकतम तीन साल के लिए होगी. सेवा अवधि के दौरान दरों में किसी भी प्रकार का संशोधन नहीं किया जाएगा. माइलेज की गणना हर साल फरवरी में होगी. वाहन पूर्ण रूप से विभाग,कार्यालय और अधिकारी के नियंत्रण में होगा. सेवा की वैध अवधि में दरों में कोई संशोधन अथवा परिवर्तन किसी भी पक्ष द्वारा नहीं किया जाएगा.

30 दिन के अंदर होगा भुगतान

वाहन आपूर्तिकर्ता को 30 दिनों के अंदर भुगतान किया जाएगा. समय-समय पर राज्य में प्रभावी नियमों के अनुसार भुगतान के समय नियमानुसार कटौती की जाएगी. किसी वाहन के संतोषजनक परिचालन नहीं रहने की स्थिति में विभाग को अधिकार होगा कि संबधित वाहन का मासिक या आंशिक भुगतान अवरुद्ध रखे, अथवा अनुमान्य कटौती कर भुगतान करें. सभी प्रकार के टोल टैक्स, प्रवेश कर, पार्किंग चार्ज आदि का भुगतान आपूर्तिकर्ता द्वारा किया जाएगा. बाद में वास्तविक खर्च का प्रमाण विभाग को देना होगा. वाहनों की संख्या एवं प्रकार आवश्यकतानुसार घटाई या बढ़ाई जा सकती है. आपूर्तिकर्ता द्वारा करार के दौरान कोई भी वाहन जो पूर्व में दुर्घटनाग्रस्त हुआ हो अथवा 03 वर्ष से अधिक पुराना हो, वाहन की आपूर्ति नहीं की जाएगी.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in जमशेदपुर, रविवार 08 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 2, अंक : 151 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबर

गुड़ाबांदा में जेएलकेएम की बैठक, अभियान पर चर्चा

डुमरिया । गुड़ाबांदा प्रखंड के ज्वालकाटा में शनिवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी की बैठक प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो के अध्यक्षता में आयोजित हुई. बैठक में चलो बूथ की ओर अभियान को सफल बनाने पर चर्चा की गई. इसके अलावा सिंहपुरा पंचायत कमिटी का गठन किया गया. विजय कुमार माहली को पंचायत अध्यक्ष, पितांबर महतो को सचिव पद पर चुना गया.

मानुषमुड़िया में धूमधाम से गणेश पूजा का आयोजन

बहरागोड़ा । शनिवार को बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के मानुषमुड़िया में गणेश पूजा कमेटी के तत्वावधान में धूमधाम से गणेश पूजा आयोजित की गई है. कमेटी द्वारा गणेश मंदिर के पास भव्य पंडाल का निर्माण किया गया है. देवनदी से गाजे-बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई. जिसमें अनेक महिलाएं शामिल थीं. पुजारी प्रणव कुमार पंडा द्वारा पूजा अर्चना की गई. भक्तजनों के बीच प्रसाद वितरण किया गया.

गैर सरकारी शिक्षकों को इप्टा करेगा सम्मानित

आदित्यपुर । भारतीय गैर सरकारी शिक्षक संघ सह समाजसेवी संस्था इप्टा की बैठक मिश्रा सेंटर आदित्यपुर में हुई. जिसमें 8 सितंबर रविवार को देश के 12 राज्यों में गैर सरकारी शिक्षकों को सम्मानित किए जाने की कार्यक्रम की जानकारी दी गई. झारखंड प्रदेश के शिक्षकों को जमशेदपुर स्थित मोतीलाल पब्लिक स्कूल साकची में 221 शिक्षकों को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया.

धालभूमगढ़ के शिविर में 74 यूनिट रक्त संग्रह

घाटशिला । धालभूमगढ़ के कुकड़ाखुपी गांव में शनिवार को कुड़मी संस्कृति विकास समिति, झारखंड एवं राधा कृष्ण क्लब, कुकड़ाखुपी के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया. शिविर में कुल 81 लोगों ने पंजीकृत कराया था. इसमें 69 पुरुषों ने रक्तदान किया जबकि पांच महिला ने रक्तदान किया. इस तरह 74 यूनिट रक्त संग्रह किए गए.

जश्नेईद मिलादुन्नबी 16 को मानगो से निकलेगा जुलूस

जमशेदपुर । जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी का त्योहार 16 सितंबर को मनाया जाएगा. इसकी तैयारियों को लेकर एक बैठक शनिवार को धातकीडीह स्थित फैजुल उलूम में मुफ्ती आबिद हुसैन नूरी की अध्यक्षता में हुई. तय किया गया कि उस दिन 16 वां जुलूस-ए-मोहम्मदी मानगो गांधी मैदान से निकाला जायेगा. उक्त जुलूस साकची आमबगान से होकर धातकीडीह सेंटर मैदान पहुंचकर समाप्त होगा.

गदड़ा में दुर्गा पूजा पंडाल का विधायक ने किया भूमि पूजन

जमशेदपुर । जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी ने शनिवार को जमशेदपुर प्रखंड के गदड़ा स्थित श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा कमेटी के सदस्यों के साथ पंडाल निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया. इस अवसर पर पूजा कमेटी के प्रेसिडेंट विश्वजीत भगत,सचिव चंदन कुमार, वर्किंग प्रेसिडेंट पंकज गुप्ता, मुख्य संरक्षक राजकुमार सिंह, धुरंधर सिंह एवं काफी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे.

संवाद कार्यक्रम में कल भाग लेंगे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

आदित्यपुर । कांग्रेस के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश 9 सितम्बर को एसिया भवन में संवाद आपके साथ कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेने आदित्यपुर पहुचेंगे. यह जानकारी कार्यकारी जिला अध्यक्ष अंबुज कुमार ने दी. उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों से एक-एक कर के मिलेंगे और उनकी क्षमता को गंभीरता से परखेंगे.

उपायुक्त ने बैठक कर अधिकारियों को दिये जरूरी दिशा-निर्देश

गुवा शहीद दिवस आज, श्रद्धांजलि देने आएंगे मुख्यमंत्री

संवाददाता । किरीबुरु

गुवा शहीद दिवस के मद्देनजर डीसी कुलदीप चौधरी ने शनिवार को गुवा में पुलिस-प्रशासन के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक कर जरूरी दिशा-निर्देश दिये. डीसी कुलदीप चौधरी ने कहा कि आठ सितंबर को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हेलीकॉप्टर से दोपहर एक बजे आएंगे. उसके बाद वे सीधे श्रद्धांजलि सभा पहुंचेंगे. श्रद्धांजलि देने के बाद सेल, गुवा के फुटबॉल मैदान में श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करेंगे. मुख्यमंत्री की सुरक्षा को देखते हुए पार्टी के कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों की रैली में शामिल गाड़ियों को सभा स्थल से 5 किलोमीटर दूर रोक दिया जाएगा. वहां से उन्हें लाने के लिए जिला प्रशासन ने पांच बसों की व्यवस्था की है. बस से उन्हें श्रद्धांजलि सभा से पहले उतार दिया जाएगा. वहां से वे पैदल ही श्रद्धांजलि देकर सभा स्थल तक पहुंचेंगे.

गुवा के फुटबॉल मैदान में श्रद्धांजलि सभा के लिए तैयार किया गया मंच.

कार्यक्रम से एक दिन पूर्व ही पूरे क्षेत्र में अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था की गई है. टाटा स्टील प्रबंधन ने आज से ही अपनी विजय-टू खदान का उत्पादन व माल ढुलाई कार्य को बंद कर दिया है जो कार्यक्रम की समाप्ति के बाद शुरू होगा.

सीआरपीएफ, झारखंड पुलिस आदि जवानों को जंगल से लेकर सभी तरफ तैनात कर दिया गया है.उल्लेखनीय है कि 8 सितंबर 1980 को बिहार पुलिस की फायरिंग में 10 आंदोलनकारियों की मौत हो गई थी. गुवा गोलीकांड में जो आंदोलनकारी शहीद हुए थे उसमें ईश्वर सरदार (कैरोम), रामो लागुरी, चन्दो लागुरी (दोनों चुर्गी), रेंगो सुरीन (कुम्बिया), बागी देवगम, जीतु सुरीन (दोनों जोजोगुटू), चैतन चाम्पिया (बाईहातु), चुड़ी हंसदा (हतनाबुरु), जुरा पूर्ति (बुंडु), गोंडा होनहागा (कोलायबुरु) शामिल हैं. हालांकि शहीदों व घायलों की संख्या काफी थी. लेकिन उस वक्त पुलिस के डर से लोग सामने नहीं आये. कुछ मृतकों को गांव में दफना दिया गया. अनेक घायलों ने जंगल व गांवों में छुप कर अपना जख्म देहाती दवाओं से भरने का कार्य किया.

विराजे भगवान गणेश : श्रद्धाभाव से हुई पूजा

कोल्हान में शनिवार को धूमधाम से पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर पूरे श्रद्धाभाव के साथ विधि विधान से पूजा अर्चना की गई. इस अवसर पर चक्रधरपुर के मुनी बाबा धर्मशाला में स्थापित भगवान गणेश की भव्य प्रतिमा.

मुआवजा नहीं मिलने तक परिजनों ने पोस्टमार्टम रोका

ट्रेलर की चपेट में आकर दो सगे भाइयों की मौत

विरोध में घंटों जाम रहा जुगसलाई-बिष्टुपुर रोड

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

बिष्टुपुर लाइट सिग्नल के पास शुक्रवार देर रात अज्ञात वाहन (संभावित ट्रेलर) की चपेट में आकर बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई. मृतकों की पहचान जुगसलाई बलदेव बस्ती निवासी कार्तिक नंदी और आकाश नंदी के रूप में हुई है. दोनों सगे भाई थे. घटना के बाद शनिवार को परिजन एवं मुहल्ले को लोगों ने जुगसलाई-बिष्टुपुर सड़क जाम कर दिया. घंटों सड़क जाम रहने के कारण यातायात ठप हो गया. बाद में जुगसलाई पुलिस ने बिष्टुपुर थाना का मामला होने का हवाला देकर सड़क जाम हटवाया. वहां से सभी बिष्टुपुर थाना पहुंचे तथा मुआवजे की मांग को लेकर थाना का घेराव किया. परिजनों ने दोषी वाहन मालिक को गिरफ्तार करने, मुआवजा के रूप में 50-50 लाख रुपया का भुगतान करने तथा आश्रित को सरकारी नौकरी देने की मांग की. परिवार के लोगों ने बताया कि कार्तिक नंदी बड़ा भाई था. वह भाड़े की कार चलाता था और छोटा भाई ऑटो चलाता था. दोनों शुक्रवार रात को बिष्टुपुर बाजार से खाना लेकर घर लौट रहे थे, तभी सिग्नल के पास अज्ञात वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया. दोनों को टीएमएच अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच के बाद कार्तिक को मृत घोषित कर दिया गया.

पुलिस नहीं कर रही सहयोग

परिजनों ने बताया कि जुगसलाई पुलिस ने मामला बिष्टुपुर थाना क्षेत्र का होने के कारण सहयोग करने से इंकार कर दिया. वहीं बिष्टुपुर थाना की पुलिस ने लाइट सिग्नल के पास लगा सीसीटीवी फुटेज दिखाया. लेकिन उसमें वाहनों की केवल आवाजाही दिख रही है. पुलिस ने गाड़ी का पता लगाने की कोशिश नहीं की. परिजनों ने बताया कि तत्काल किसी तरह की मदद नहीं मिली है. आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है. इसलिए अभी शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया. परिजनों ने मांग की कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से वाहन की पहचान करे और चालक को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई करे.

सड़क जाम में फंसे लोगों को समझाती पुलिस. (इनसेट) सड़क दुर्घटना में मारे गए कार्तिक नंदी और आकाश नंदी की फाइल फोटो.

पैसे की कमी के कारण टीएमएच में नहीं हुआ इलाज

परिजनों ने बताया कि अस्पताल ले जाने के दौरान आकाश नंदी जिंदा था. उसके इलाज के लिए अस्पताल ने 20 हजार रुपये की मांग की. पैसे की कमी के कारण उसे एमजीएम अस्पताल भेजा गया, जहां स्थिति गंभीर होने पर उसे रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया. रिम्स ले जाते समय रास्ते में आकाश की भी मौत हो गई.

तालाब में डूबने से दिव्यांग किशोरी की मौत

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र की पाथरा पंचायत अंतर्गत भालूकखुलिया गांव के पास शनिवार को तालाब में जल क्रीड़ा कर रहे बच्चों को देखते वक्त मिट्टी धंस जाने से दिव्यांग किशोरी पिंकी मुर्मू की मौत हो गई. प्राप्त जानकारी के अनुसार चिंगडा पंचायत अंतर्गत लोधनाशोल गांव निवासी चतुर मुर्मू की दो बेटियों में बड़ी पिंकी बचपन से ही दिव्यांग थी. वह कई महीने से अपने मामा के घर भालूकखुलिया में रह रही थी. शनिवार दोपहर को गांव के बगल स्थित तालाब में कुछ छोटे बच्चे नहा रहे थे और यह किनारे खड़ी होकर देख रही थी, तभी अचानक मिट्टी धंस जाने से यह गहरे पानी में समा गई. जिसे स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकल गया. लोगों ने 108 एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा लाया. जहां डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया. बरसोल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेते हुए अंत्यपरीक्षण के लिए घाटशिला भेज दिया है.

रांची में थाना के अंदर पुलिस अधिकारी को पीटा

दोनों युवकों को भेजा गया जेल, पूर्व जेलर का बेटा है एक आरोपी

संवाददाता । रांची

जनता की सुरक्षा का जिम्मा जिस पुलिस पर है वही पुलिस अब अपने थाने में भी सुरक्षित नहीं है. रांची के लालपुर थाना में एक पुलिस पदाधिकारी की पिटाई का वीडियो सामने आया है. वायरल वीडियो में दो युवक ड्यूटी पर तैनात अफसर को थाने के अंदर पीटते नजर आ रहे हैं. दोनों खुद को बीजेपी का कार्यकर्ता बता रहे थे और वर्दी उतरवाने की धमकी दे रहे थे.

दरअसल दोनों आरोपियों को वाहन चेकिंग के दौरान न्युक्लियस मॉल के पास पकड़ा गया था, जिसके बाद उन्हें थाना लेकर आया गया. वहां ओडी ऑफिसर ने उनको शांतिपूर्वक बैठने को कहा, लेकिन दोनों ने खुद को नेता बताकर हंगामा शुरू कर दिया. जांच में पता चला की दोनों बीजेपी के नेता नहीं है. दोनों आरोपियों का नाम रवि रंजन लकड़ा और विनोद लकड़ा है. इनमें से एक आरोपी पूर्व जेलर का बेटा है. थाने के अंदर आने के बाद दोनों युवक हंगामा करने के दौरान कई कई कागजात फाड़ डालें. मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी जब दोनों युवकों को काबू में करने की कोशिश करने लगे तब उसने पुलिस वाले के छाती, पीठ और चेहरे पर मुक्का चलाना शुरू कर दिया. एक बार तो एक युवक ने पुलिस वाले को दीवार में भी जोरदार पटक दिया. इस मारपीट में लालपुर थाने के ओडी पदाधिकारी बुरी तरह से जख्मी हुए हैं. दोनों को जेल भेज दिया गया है. वीडियो को पुलिस ने सबूत के तौर पर रखा है.

पुलिस को वर्दी उतरवाने की दे रहे थे धमकी

वायरल वीडियो में दिख रहा है कि एक व्यक्ति थाने में ही एक पुलिस वाले की जमकर धुनाई कर रहा है. कई लोग और थाने में बैठे हुए हैं, लेकिन उनमें से किसी ने भी आगे आकर पुलिस वाले को बचाने की कोशिश नहीं की. थोड़ी देर बाद एक दूसरा पुलिस वाला भी जब अपने साथी के पास जाता है तो उसके साथ भी वह युवक धक्का मुक्की करता है और मारपीट करने लगता है. अतिरिक्त पुलिस बल थाने में पहुंचती है तब दोनों युवकों को काबू में करके हाजत में बंद किया जाता है. हाजत में बंद करने के बाद भी दोनों युवक पुलिसकर्मियों को वर्दी उतरवाने की धमकी देते रहे.

गाड़ी में लगाया था बीजेपी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य का बोर्ड

लालपुर थाने में पदस्थापित एएसआई सुनील मुर्मू के बयान पर दोनों युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया है. सुनील मुर्मू के मुताबिक 6 सितंबर की रात 10:00 बजे से वे रात्रि गस्ती ड्यूटी में थे. रात के करीब 1:00 बजे एक सफेद रंग की कार काफी तेज और लापरवाही के साथ लालपुर चौक की तरफ जा रही थी, जिसे चेकिंग के क्रम में रोका गया. कार के नंबर प्लेट के ऊपर भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य का बोर्ड भी लगा हुआ था. पुलिसकर्मियों ने जब कर चालक से कागजात मांगे तो वह मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों से अभद्र भाषा में बातचीत करने लगे. खुद को राजनीतिक पार्टी का कार्यकर्ता बताकर गाली-गलौज की और 2 मिनट के अंदर वर्दी उतरवाने की धमकी देने लगे.

सिंहभूम चैम्बर की 73वीं आमसभा 28 को

जमशेदपुर । सिंहभूम चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की 73वीं वार्षिक आमसभा चैम्बर भवन में 28 सितंबर को पूर्वाह्न 11.30 बजे से होगी. जिसमें पिछले 1 अक्टूबर, 2023 से अभी तक के कार्यों, उपलब्धियों और लेखा-जोखा को प्रस्तुत किया जायेगा. साथ ही चैम्बर की चारों उप समितियों क्रमशः व्यापार एवं वाणिज्य, जनसंपर्क एवं कल्याण, वित्त एवं कराधान तथा उद्योग के पदाधिकारी पिछले एक वर्ष के दौरान अपने उपसमिति के द्वारा उद्योग एवं व्यवसाय, प्रोफेशन एवं जन कल्याण के किये कार्यों और उपलब्धियों को सदस्यों के समक्ष रखेंगे. उसी दिन चैंबर चुनाव की वेन्यू वोटिंग शुरू होगी. इससे पहले 25 से 27 सितंबर तक ई-वोटिंग करायी जाएगी.

एमजीएम अस्पताल में इलाजरत महिला के ऊपर गिरा ऑक्सीजन सिलिंडर, मौत

स्वास्थ्य मंत्री ने डीसी से तीन दिनों के अंदर मांगी रिपोर्ट

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

एमजीएम अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में इलाजरत एक महिला की ऑक्सीजन सिलिंडर गिरने से मौत हो गई. महिला गम्हरिया की रहने वाली थी. मामले की खबर मीडिया में आने के बाद स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने इसका संज्ञान लेते हुए उपायुक्त अनन्य मित्तल को जांच कमिटी गठित कर तीन दिनों में रिपोर्ट समर्पित करने को कहा.

स्वास्थ्य मंत्री ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा 'जमशेदपुर डीसी एमजीएम अस्पताल में सिलिंडर से हुई दुर्घटना के मामले में एक समिति बना कर तीन दिनों के अंदर रिपोर्ट दें, जो भी लापरवाही के लिए जिम्मेदार या दोषी होंगे उनपर विधि सम्मत कार्रवाई करें'. दूसरी ओर अस्पताल अधीक्षक ने बताया कि महिला कई बार अस्पताल में भर्ती हो चुकी थी. बुधवार को उसे पुनः भर्ती कराया गया. जांच में पाया गया कि महिला के अधिकांश अंग काम नहीं कर रहे हैं. उन्होंने सिलिंडर दुर्घटना से साफ इंकार किया. वहीं मृतका के पुत्र गुरुचरण ने बताया कि बीमार रहने के कारण उसने मां को अस्पताल में भर्ती कराया था. शनिवार सुबह चार बजे वह अचानक छटपटाने लगी. इस दौरान वह वह बेड के नीचे गिर गयी. उसे ऑक्सीजन लगाया गया था. इसी दौरान उसके ऊपर ऑक्सीजन का सिलेंडर गिर गया. इस घटना में उनके हाथ और सिर में चोट लगी, जिससे उनकी मौत हो गयी. चिकित्सकों ने मृत्यु होने के बाद शव को घर ले जाने की सलाह दी.

योजना 2021-22 से 2023-24 तक नहीं हो पाया था कार्यान्वयन

हेमंत सरकार का मधुमक्खी पालन पर जोर

- सरकार ने फिर से शुरू की है मधुमक्खी पालन की योजना
- प्रति किसान 20 यूनिट मिलेगा मधुमक्खी पालन के लिए बक्सा

प्रमुख संवाददाता । रांची

राज्य की हेमंत सोरेन सरकार एक बार फिर से मधुमक्खी पालन पर जोर दे रही है. इसके लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में फिर से मधुमक्खी पालन योजना को शुरू किया गया है. वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2023-24 में इस योजना का कार्यान्वयन नहीं हो पाया था. इस योजना के लिए राज्य सरकार ने चार करोड़ 68 लाख 15 हजार रुपये की स्वीकृति दी है. इस योजना को शुरू करने का उद्देश्य राज्य के सभी जिलों में लघु, सीमांत, निम्न वर्गीय, छोटे-छोटे कृषकों को उनके आय में दोगुनी वृद्धि करना है.

दिया जाएगा प्रशिक्षण

मधुमक्खी पालन योजना के तहत प्रशिक्षण भी दिया जाएगा. प्रति प्रशिक्षणार्थी प्रति दिन 1000 रुपये दिए जाएंगे. कुल 530 मधुपालकों को पांच दिन का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा. जनजातीय क्षेत्रीय उपयोजना के तहत 13 जिलों में 320, अन्य क्षेत्रीय उपयोजना के तहत 11 जिलों में 160,अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना के तहत 11 जिलों में 50 कृषकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा. प्रशिक्षण में कुल 26.50 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे.

किसानों को मिलेगा 80 फीसदी अनुदान

इस योजना के तहत किसानों को 80 फीसदी अनुदान दिया जाएगा. जबकि किसानों को 20 फीसदी ही अंशदान देना होगा. इस योजना के तहत प्रति किसान 20 यूनिट मधुमक्खी पालन के लिए बक्सा दिया जाएगा. जिसमें 80 फीसदी का अनुदान मिलेगा. इसी योजना के तहत जनजातीय क्षेत्रीय उपयोजना के तहत 13 जिलों में 320 कृषकों को राशि के लिए एक करोड़ दो लाख 40 हजार रुपये की राशि दी जाएगी. अन्य क्षेत्रीय उपयोजना के तहत 11 जिलों में कृषकों को राशि 51.20 लाख रुपये व अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना के तहत ।। जिलों में 50 कृषकों को 16.00 लाख रुपये दिए जाएंगे. इस हिसाब से 530 कृषकों को मधुमक्खी बक्सा वितरित किये जाने के लिए एक करोड़ 69 लाख 60 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे.

रांची में ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री करते पांच युवक गिरफ्तार

रांची । सुखदेवनगर नगर थाना क्षेत्र स्थित सेंट्रल बैंक गली से ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री करते पांच युवक गिरफ्तार किये गये हैं. कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए आर्यन कुमार सिंह, गौतम कुमार यादव, शैलेश कुमार उर्फ गांधी, हर्ष कुमार और हिमांशु को गिरफ्तार किया है. इन सभी के पास से 15.19 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया.

शनिवार को सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि सुखदेवनगर थाना क्षेत्र सिथित अखिल मेमोरियल स्कूल सेन्ट्रल बैंक गली में अवैध रूप से नशीले पदार्थो का खरीद बिक्री की सूचना मिली थी. जिसके बाद पुलिस टीम के द्वारा छापामारी की गयी. पुलिस बल को देख भागने के क्रम में हिमांशु यादव उर्फ लालु यादव, आर्यन कुमार सिंह. गौतम कुमार यादव को पकड़ा गया. इन अभियुक्तों के निशानदेही पर हर्ष कुमार शर्मा के घर पर छापामारी की गयी और वहां से हर्ष और शैलेश को गिरफ्तार किया गया.

ईचागढ़ में जंगली हाथियों का उत्पात जारी, ग्रामीण दहशत में

संवाददाता । चांडिल

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में जंगली हाथियों का उत्पात बदस्तूर जारी है. ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के हाथी प्रभावित गांवों में लगातार हाथियों का झुंड अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है. कुटाम, पिलीद, हेंसाडीह आदि जंगलों से निकल कर हाथियों का झुंड शाम ढलते ही गांवों और खेतों की ओर रूख कर रहा है. हाथियों का झुंड खेतों में लगी धान व सब्जी और घरों को निशाना बना रहे हैं. आए दिन घट रही घटनाओं से ऐसा प्रतीत होता है कि जंगली हाथियों का झुंड अलग-अलग गुटों में बंटकर आहार की तलाश में चलो गांवों की ओर अभियान चला रहे हैं. सालुकडीह में जंगली हाथियों के झुंड ने दो-तीन दिनों तक लगातार खेतों में फसलों को रौंद कर नष्ट किया. वहीं शुक्रवार की देर रात हाथियों ने सितु में विष्णु गोप का घर क्षतिग्रस्त कर अंदर रखे आलू को अपना निवाला बनाया. हाथियों ने डुमरा गांव में जयराम मांझी के गल्ला दुकान का दरवाजा तोड़कर अंदर रखा आटा व चावल चट कर गये. लगातार हाथियों के उत्पात से लोग दहशत में हैं. वनरक्षियों की हड़ताल से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ती जा रही है.

तोड़ा गया दरवाजा

ब्रीफ खबरें

मानगो में वर्कशॉप का ताला तोड़कर चोरी

जमशेदपुर ।मानगो थाना अंतर्गत डिमना रोड, मंगल कॉलोनी स्थित वर्कशॉप में बीती रात ताला तोड़कर लोहा एवं लोहे के बने सामान की चोरी कर ली गई. इसकी जानकारी शनिवार की सुबह वर्कशॉप के मालिक नंदकिशोर शर्मा को होने के बाद उन्होंने पुलिस को इसकी जानकारी दी. नंद किशोर शर्मा ने बताया कि वे वर्कशॉप में लोहे से जुड़ा काम करते हैं. इसके लिए वर्कशॉप में लोहा एवं उससे बना सामान रखे थे. शुक्रवार को पड़ोस का एक लड़का मोटरसाइकिल की चाबी मांगने आया था. संभवतः उसी ने घटना को अंजाम दिया है.

अधिवक्ताओं के पेशे को सीएम ने सम्मान दिया

जमशेदपुर । राष्ट्रीय सनातन सिख सभा के राष्ट्रीय संयोजक सह अधिवक्ता कुलविंदर सिंह ने हेमंत सोरेन सरकार द्वारा अधिवक्ताओं के हित में लिए गए फैसले पर सीएम का धन्यवाद किया. उन्होंने कहा कि पहली बार देश में झारखंड राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने वकीलों की इस पेशे की गरिमा को समझा है और उनके साथ खड़े हैं. इसके लिए सरकार की ओर से 1.60 करोड़ अनुदान दिया है. झारखंड बार काउंसिल ने 2012 में 7000 रुपया पेंशन की व्यवस्था की है, अब यह पूर्ण रूप से लागू होगा इसमें अब किसी को संदेह नहीं है.

यूसिल कॉलोनी जादूगोड़ा में गणेशोत्सव की धूम

जादूगोड़ा । यूसिल कॉलोनी जादूगोड़ा में गणेशोत्सव की धूम है. यहां ए टाइप दुर्गापूजा कमिटी की ओर से भव्य पूजा पंडाल बनाया गया है. जिसे देखने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ रही है. इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि झामुमो के जिला उपाध्यक्ष बी मार्डी ने किया. कमिटी की ओर से अध्यक्ष हरेन सिंह, सचिव सुमित मुखी, रविशंकर भक्त , कोषाध्यक्ष रिसव पात्रों , दिनेश भंज ने गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया. बी मार्डी ने कहा कि ऐसे आयोजन से समाज में एकता व भाईचारा का संदेश जाता है और सांस्कृतिक व धार्मिक परंपरा को बढ़ावा मिलता है.

बागबेड़ा में श्रीश्री बोलबम दुर्गा पूजा का भूमि पूजन

आदित्यपुर । ईचागढ़ के पूर्व विधायक अरविंद सिंह उर्फ मलखान सिंह ने शनिवार को बागबेड़ा के श्रीश्री बोलबम दुर्गा पूजा कमेटी के पूजा पंडाल का भूमि पूजन किया. मौके पर अतिथियों में भाजपा एसटी मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता सह सांसद प्रतिनिधि उपेंद्रनाथ सरदार, पूर्व जिला पार्षद किशोर यादव, भाजपा जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष नीतीश कुमार, समाजसेवी रणवीर सिंह, बागबेड़ा मंडल अध्यक्ष अश्वनी तिवारी, बन्ना गुप्ता फैंस क्लब के अध्यक्ष अनिल सिंह भी मौजूद थे.

पप्पू सरदार ने महाराष्ट्रियन अंदाज में की गणेश पूजा

जमशेदपुर । सिने तारिका माधुरी दीक्षित के मशहूर फैन पप्पू सरदार ने इस वर्ष गणेश चतुर्थी को खास अंदाज में मनाया. उन्होंने अपने घर में महाराष्ट्र की पारंपरिक शैली में गणेश जी की पूजा की, जो पूरी तरह से महाराष्ट्रियन संस्कृति की झलक दिखाती है. पंडित संतोष कुमार त्रिपाठी ने विधिवत पूजा करायी. पप्पू सरदार, जो अपनी अनोखी श्रद्धा और माधुरी दीक्षित के प्रति प्रेम के लिए जाने जाते हैं, ने इस बार गणेश चतुर्थी के अवसर को खास बनाने के लिए महाराष्ट्र की पारंपरिक पूजा विधियों का पालन किया. पूजा स्थल को गणेश जी की मूर्ति और माधुरी दीक्षित की तस्वीर से सजाया गया था.

झारखंड आंदोलनकारी को उपलब्ध कराया व्हील चेयर

घाटशिला। घाटशिला की जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू ने शनिवार को झारखंड आंदोलनकारी गंगाराम हांसदा को व्हील चेयर उपलब्ध कराया. जिला परिषद सदस्य ने बताया कि भादुआ पंचायत अंतर्गत महिषडुबा गांव निवासी गंगाराम हांसदा को चार माह पहले लकवा मार दिया था. तब से वह चलने फिरने में असमर्थ हो गये. उनकी पत्नी शुरूबाली हांसदा ने इस समस्या से अवगत कराया. जमशेदपुर के समाजसेवी अशोक मोदी के सौजन्य से गंगाराम हांसदा को व्हील चेयर उपलब्ध कराया. गंगाराम एवं उनकी पत्नी ने जिला परिषद सदस्य का आभार व्यक्त किया.

ग्रीन कार्ड के चावल वितरण में रूचि नहीं ले रहे डीलर, डीएसओ ने चेताया

भुखमरी से किसी कार्डधारी की मौत होने पर एमओ होंगे जिम्मेदार

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना (जेएसएफएसएस) के अंतर्गत ग्रीन कार्डधारियों के चावल वितरण में पणन पदाधिकारी (एमओ) एवं प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी (बीएसओ) रूचि नहीं ले रहे हैं. जिसके कारण अनुभाजन समेत पूरे जिले में ग्रीन चावल के वितरण का प्रतिशत नहीं बढ़ रहा है.

आवंटन के बाद भी पीडीएस डीलरों द्वारा समय पर खाद्यान्न का वितरण नहीं किया जा रहा है. इसे गंभीरता से लेते हुए जिला आपूर्ति पदाधिकारी सलमान जफर खिजरी ने सभी एमओ एवं बीएसओ को पत्र लिखकर ग्रीन चावल का वितरण सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया. भेजे गए पत्र में जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने कहा कि अक्टूबर, 2023 के ग्रीन चावल का आवंटन हो चुका है. लेकिन वितरण प्रतिशत अन्य सभी प्रखंडों से काफी कम है. पूर्व में भी इस संबंध में निर्देश दिए गए थे. लेकिन वितरण प्रतिशत में सुधार नहीं हुआ. ऐसे में अगर खाद्यान्न नहीं मिलने की स्थिति में किसी कार्डधारी की मृत्यु होती है तो इसकी पूरी जवाबदेही पणन पदाधिकारी (एमओ) एवं प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी (बीएसओ) की होगी. उन्होंने कहा कि सभी पीडीएस डीलरों को निर्देश देकर 10 सितंबर तक अक्टूबर 2023 के ग्रीन चावल का वितरण शत प्रतिशत सुनिश्चित करें. किसी भी स्थिति में उक्त तिथि के बाद वितरण की अनुमति कदापि नहीं दी जाएगी.

जुगसलाई में दर्जनभर डीलरों ने नहीं बांटा चावल

जुगसलाई नगरपालिका क्षेत्र में कुल 37 पीडीएस डीलर हैं. सभी को सितंबर-अक्टूबर 2023 के ग्रीन कार्ड का चावल का आवंटन काफी पहले हो चुका है. लेकिन वे वितरण में रूचि नहीं ले रहे हैं. ऐसे डीलरों में सफीउर रहमान, मो. सलाउद्दीन, मो. सईद, नशरा खातून शामिल हैं. वहीं अनिल कुमार चौधरी, डायमंड सीसी स्टोर, जहांआरा, किशोर गोप, लाल सरदार, मनमोहन कुमार, मो. मुस्ताक, नेहा सिंहा, रानी कुमारी मुखी, रंजू देवी, सोमनाथ दुबे, सुलोचना देवी, उर्मिला देवी ठक्कर एवं वोमेन स्कील डेवलपमेंट सेंटर का अक्टूबर माह का वितरण 50 प्रतिशत से कम है. इस संबंध में पणन पदाधिकारी की ओर से सभी से स्पष्टीकरण पूछे जाने की तैयारी की जा रही है.

जमशेदपुर में उपायुक्त कार्यालय पर 10 को धरना देकर जताएंगे विरोध

बांग्ला व बांग्लाभाषियों की उपेक्षा के खिलाफ एकजुट हुआ समाज

प्रदेश की 42 प्रतिशत आबादी 24 वर्षों से उपेक्षित : तापस चटर्जी

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

झारखंड में बांग्ला भाषा एवं यहां रहने वालों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है. राज्य में 42 प्रतिशत आबादी होते हुए भी 24 वर्षों से समाज की उपेक्षा की जा रही है. उक्त बातें झारखंड बांग्ला भाषी उन्नयन समिति के तापस चटर्जी एवं देवीशंकर दत्ता ने कही. मीडियाकर्मियों को दोनों ने बताया कि अब समाज चुप नहीं रहेगा. अपने हक एवं अधिकार के लिए आंदोलन का रास्ता अख्तियार करेगा. इसकी शुरुआत 10 सितंबर को उपायुक्त कार्यालय पर विशाल धरना से होगी. उस दिन झारखंड बांग्ला भाषी उन्नयन समिति के बैनर तले कोल्हान के तीनों जिले के अलग-अलग प्रखंडों से समाज के लोग पदयात्रा करते हुए साकची सुभाष मैदान पहुंचेंगे. वहां से सभी उपायुक्त कार्यालय जाएंगे. जहां सभी शांतिपूर्ण धरना में शामिल होंगे. उसी दिन उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के धनबाद जिले के रणधीर वर्मा चौक पर समाज की ओर से महाधरना होगा.

अंशुमान चौधरी ने बताया कि बांग्ला एवं बंगाली संस्कृति को सभी सरकारों ने हाशिए पर डालने का काम किया. जबकि राज्य के कोल्हान, उत्तरी छोटा नागपुर, दक्षिणी छोटा नागपुर तथा संथाल परगना में बांग्ला भाषा भाषी बहुसंख्य लोगों का निवास है. राज्य के 24 जिलों में 16 में बांग्ला भाषा ही प्रधान सम्पर्क भाषा है. इसके बावजूद सत्ता एवं शासन द्वारा बांग्ला भाषा के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है. जबकि 2011 की जनगणना के आधार पर बांग्ला, हिंदी के बाद देश की दूसरी प्रमुख भाषा घोषित है. पिछले चौबीस वर्षो में न तो बांग्ला को राज्य के द्वितीय भाषा के रूप में अधिसूचित किया गया, ना ही बांग्ला अकादमी का गठन किया गया. यहां तक की स्कूलों में बांग्ला टीचर नहीं हैं. जिसके कारण समाज में शासन-प्रशासन के खिलाफ असंतोष हैं. बांग्लाभाषी संगठनों को एकजुट कर राज्य स्तरीय आंदोलन शुरू किया गया है.

कार्यक्रम की जानकारी देते समाज के लोग

नौ सूत्री मांग अविलंब बांग्ला भाषी शिक्षक की नियुक्ति की जाय, बांग्ला पुस्तकों के छपाई का काम शुरू किया जाय, बांग्ला अकादमी का गठन अविलंब किया जाय, झारखंड में बांग्ला को द्वितीय राजभाषा की घोषणा हो, नई एजुकेशन नीति के अनुसार हर सरकारी स्कूलों और निजी स्कूलों में बांग्ला भाषा की अनिवार्य रूप से पढ़ाई शुरू की जाय, राज्य अल्पसंख्यक आयोग में अविलंब एक उपाध्यक्ष और दो सदस्यों की नियुक्ति की जाय, राज्य के बांग्ला बहुल इलाकों के रेलवे स्टेशनों के नाम पूर्व की भांति बांग्ला में लिखे जाएं, चैतन्य महाप्रभु के नाम पर एनएच-33 का नामकरण किया जाय तथा झारखंड की राजनीति में बांग्ला भाषियों को उचित प्रतिनिधित्व प्रदान किया जाय.

11 दिसंबर को रांची में रैली का आयोजन

उन्होंने कहा कि 11 दिसंबर को रांची में एक विशाल रैली का अयोजन किया गया है. जिसमें पूरे प्रदेश से समाज के लोग शामिल होंगे. रैली के बाद राज्यपाल को मांग पत्र सौंपा जाएगा. प्रेस वार्ता में विश्वनाथ घोष, बनमाली बनर्जी, करूणामय मंडल, विश्वनाथ राय, सुबोध गोराई, अनिमेष राय, गौरी कर, बोल्टू सरकार, सामंत कुमार, असित चक्रवर्ती, असित भट्टाचार्जी, ओमियों ओझा, शिवनाथ पाल, जुरान मुखर्जी समेत अन्य मौजूद रहे.

जिला कल्याण पदाधिकारी से मिले प्राचार्य, सौंपा मांग पत्र

घाटशिला । घाटशिला कॉलेज के प्राचार्य डॉ आरके चौधरी ने जिला कल्याण पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद गुप्ता से मिलकर घाटशिला कॉलेज के आदिवासी कल्याण छात्रावास की समस्याओं से उन्हें अवगत कराया तथा इसके विकास को लेकर एक मांग पत्र सौंपा. प्राचार्य डॉ चौधरी ने बताया कि घाटशिला कॉलेज में पढ़ने वाले आदिवासी छात्रों के लिए तीन आदिवासी कल्याण छात्रावास बना हुआ है लेकिन कई ऐसी समस्याएं हैं जिन्हें दूर किया जाना आवश्यक है. शुक्रवार को हुई इस मुलाकात में प्राचार्य ने उन्हें एक मांग पत्र भी सौंपा.

मांग पत्र में बताया गया है कि कॉलेज के फूलडूंगरी स्थित भूमि पर कल्याण विभाग का तीन आदिवासी कल्याण छात्रावास बना हुआ है. लेकिन यह छात्रावास चारों तरफ से खुला है जिस कारण असुरक्षा की स्थिति बनी हुई है. छात्रावास का बाउंड्री वॉल एवं मुख्य द्वार को बनाया जाना आवश्यक है. इसके साथ छात्रावास के छात्रों की सुविधा के लिए खेल मैदान विकसित करवाने, खेल सामग्री उपलब्ध करवाने, छात्रों के लिये 50 गद्दा युक्त बेड देने, विविध प्रकार के प्रतियोगिता एवं विश्वविद्यालय स्तरीय परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन भरने के लिए कंप्यूटर सेट देने तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिये एक चबूतरे का निर्माण करने की भी मांग की गई है. जिला कल्याण पदाधिकारी ने इस दिशा में शीघ्र सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया.

तीज की कथा सुन मंदिर से घर जा रही महिला से चेन छिनतई

मानगो गुरुद्वारा रोड में घर से 50 मीटर की दूरी पर हुई घटना

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

मानगो थानान्तर्गत गुरुद्वारा रोड की रहने वाली महिला सीमा सिंह से शुक्रवार की रात अज्ञात बाइक सवार युवकों ने सोने की चेन छीन ली. घटना के समय महिला मंदिर से तीज व्रत की कथा सुनकर पैदल घर जा रही थी. उसी दौरान विपरीत दिशा से एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक आए और महिला के गले से सोने की चेन छीन ली. घटना के समय महिला के हाथ में पूजा की थाली थी. इसके कारण वह चाहकर भी उच्चकों का विरोध नहीं पायी. दोनों उच्चके गुरुद्वारा रोड होते हुए, मुख्य सड़क की ओर फरार हो गई.

इस घटना के बाद महिला अपने घर आयी और घटना की जानकारी परिजनों को दी. छिनतई की घटना महिला के घर से 50 मीटर की दूरी पर हुई. परिजनों ने उच्चकों की शिनाख्त के लिए अगल-बगल लगा सीसीटीवी फुटेज निकाला. उसमें छिनतई की घटना साफ दिख रही है. पुलिस ने इस संबंध में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

सहकारिता विभाग के भवन निर्माण में काली ईंट का उपयोग, जेई करेंगे जांच

संवाददाता । घाटशिला

घाटशिला प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित 85 लाख रुपए की लागत से भवन निर्माण विभाग की ओर से बनाए जा रहे सहकारिता विभाग के कार्यालय में काली ईंट का उपयोग किया जा है. ईंट की गुणवत्ता भी ठीक नहीं है. देख कर ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि काफी घटिया किस्म की है. काफी संख्या में टूटी हुई ईंट गिरी थी.

गड़बड़ी मिली तो कार्रवाई होगी

दूसरी तरफ इस संबंध में पूछे जाने पर भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता लालजीत राम ने बताया कि सुपर क्वालिटी की काली ईंट लगाई जानी है. यदि ईंट की क्वालिटी खराब है तो सोमवार को कनीय अभियंता प्रेम प्रकाश हेम्ब्रम को एस्टीमेट के साथ योजना का निरीक्षण करने भेजा जाएगा. यदि जांच में किसी तरह की गड़बड़ी पाई गई तो कार्रवाई की जाएगी.

एस्टीमेट में सुपर स्ट्रक्चर निर्माण के लिए काली ईंट लगाने का जिक्र है : संचालक

शनिवार को निर्माण स्थल पर खड़े नाथ बाबा बिल्डर्स के संचालक निखिल राय ने बताया कि एस्टीमेट में जिक्र है कि सुपर स्ट्रक्चर निर्माण के लिए काली ईंट लगानी है. फाउंडेशन में लाल ईंट का उपयोग किया गया है. उन्होंने कहा कि उषा मार्टिन से ईंट मंगाई जा रही है और यह जुस्को कंपनी द्वारा एप्रूव है. इस भवन का निर्माण 85 लाख रुपये की लागत से किया जा रहा है. प्राक्कलित राशि 93 लाख की थी, 85 लाख में बिलो टेंडर भरा गया था.

आयोजन अर्जुन-मीरा मुंडा, सरयू राय पूजा में हुए शामिल, सांसद ने किया मेला का उद्घाटन

कदमा गणेश पूजा मैदान में आंध्रप्रदेश के पुरोहितों ने कराई कलश स्थापना

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

कदमा के गणेश पूजा मैदान में दक्षिण भारतीय समुदाय की ओर से आयोजित गणेशोत्सव का शुभारंभ 6 सितंबर को भव्य पंडाल के उद्घाटन के साथ हो गया. आज शनिवार को गणेश चतुर्थी के शुभ मुहूर्त में विधिवत कलश की स्थापना हुई. कलश स्थापना में पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा पत्नी मीरा मुंडा के साथ शामिल हुए. इनके अलावे विधायक सरयू राय, पूर्व डीआईजी राजीव रंजन सिंह, समाजसेवी आरके सिन्हा, विनोद सिंह, एनवीआर मूर्ति, ट्रस्टी बी अप्पलानंद राव, के रमना राव, वी बापूजी, एवी अप्पा राव, एम कनका राव भी शामिल हुए.

आंध्रप्रदेश के पार्वतीपुरम से आए पुरोहितों के दल ने विधि पूर्वक कलश स्थापना की. प्रतिदिन अभिषेक, सहस्रनाम, होम एवं प्रत्येक शुक्रवार को कुमकुम पूजा संपन्न कराया जाएगा. शाम को मेला का उद्घाटन सांसद बिद्युत् बरन महतो ने किया. मौके पर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, पूर्व सांसद सुमन महतो, पूर्व विधायक लक्ष्मण टुडू, विधायक सविता महतो, मंगल कालिंदी, दिवाकर सिंह समेत अन्य मौजूद रहे. गौरतलब हो कि 6 सितंबर को पूर्व मुख्यमंत्री सह ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास ने पंडाल का उद्घाटन किया.

मेला का उद्घाटन होते ही उमड़े हजारों श्रद्धालु

गणपति विलास समिति की ओर से कदमा गणेश पूजा मैदान में आयोजित 16 दिवसीय गणेशोत्सव के तहत शनिवार को मेला का उद्घाटन सांसद बिद्युत बरण महतो एवं स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया. मेला का उद्घाटन होते ही मेला भ्रमण करने आए श्रद्धालु मेले में उमड़ पड़े. मौके पर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि कदमा का मेला पूरे झारखंड में प्रसिद्ध है. वे इस आयोजन में बचपन से शामिल हो रहे हैं. 106 वर्षो से बाल गणपति विलास शांति एवं सद्भाव के प्रतीक के रूप में काम करती है. कहा कि शहरवासियों को इस मेले का इंतजार रहता है.

ज्ञात हो कि इस वर्ष कमिटी की ओर से मेले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. निजी सुरक्षा कर्मियों को विधि व्यवस्था में लगाया गया है. वहीं जिला पुलिस की ओर से लाठी बल (महिला-पुरुष) मुहैया कराए गए हैं. मेले के चारों ओर सीसीटीवी लगाए गए हैं.

कमिटी की ओर से 14 सितंबर को नारायण सेवा के तहत बिष्टुपुर अंत्योदय आश्रम में वहां रहने वालों को भोजन कराया जाएगा. 21 को महाभोग का आयोजन मैदान परिसर में होगा. जबकि 22 सितंबर को गाजे-बाजे के साथ बिसर्जन जुलूस निकाला जाएगा, जो कदमा कदमा रंकिणी मंदिर से प्रारम्भ होकर गोपाल मैदान, बिष्टुपुर होते हुए खरकाई नदी में विसर्जित होगा.

मेला का उद्घाटन करने पहुंचे सांसद बिद्युत बरण महतो व मंत्री बन्ना गुप्ता.

कलश स्थापना पूजा में शामिल अर्जुन मुंडा व उनकी पत्नी मीरा मुंडा.

न्यूज अपडेट

बंगाल क्लब में तीन दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन

जमशेदपुर । साकची स्थित बंगाल क्लब में हस्त निर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी लगायी गई. प्रदर्शनी का उद्घाटन समाजसेवी पूर्वी घोष ने फीता काटकर किया. तीन दिनों तक चलने वाली प्रदर्शनी में डिजाइनर साड़ियों के अलावे हस्त निर्मित वस्तुएं आचार, पापड़ समेत कई खानपान के वस्तु और घर सजावट के सामान उयलब्ध रहेंगे. पूर्वी घोष ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए इस तरह की प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है. आयोजनकर्ता अंतरा चक्रवर्ती ने कहा कि वर्ष में दो बार इसका आयोजन शहर में होता है और स्वावलंबी महिलाएं इसमें शामिल होकर हस्त निर्मित वस्तुओं की जानकारी प्राप्त कर स्वयं आत्मनिर्भर बनती हैं.

टीएसएफ यूनियन में रिक्त पदों पर मनोनयन

जमशेदपुर । टाटा स्टील फाउंडेशन इंप्लाइज यूनियन की बैठक शनिवार को अध्यक्ष राकेश्वर पांडेय की अध्यक्षता में हुई. जिसमें यूनियन प्रबंधन के बीच आपसी समन्वय से मजदूर हित में कार्य करने पर बल दिया गया. अध्यक्ष ने टाटा स्टील फाउंडेशन यूनियन की रिक्त तीन पदों पर कमेटी के सभी सदस्यों की सहमति से महासचिव के रूप में अजय प्रताप सिंह तथा कमेटी मेंबर मोहम्मद मुमताज खान एवं जामाडोबा से गिरधारी महतो को मनोनीत किया. सभी ने अध्यक्ष को बोनस वार्ता के लिए अधिकृत किया. इस दौरान सभी ने केंद्र सरकार द्वारा मजदूर हित में बनाए गए कानून पर चर्चा की गई. जिसमें सभी ने इसे मजदूर विरोधी बताया. बैठक में अध्यक्ष ने टाटा स्टील के सामाजिक सुरक्षा और आदिवासी ग्रामीण क्षेत्र में समाज के लिए विकास कार्यों में सहयोग करने की अपील की.

बहरागोड़ा में धूमधाम से पूजे गए सिद्धिविनायक

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र में गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर विभिन्न विद्यालयों तथा क्लब भवनों में बड़ी धूमधाम के साथ सिद्धिविनायक की पूजा अर्चना की गई. जिसमें बहरागोड़ा के दुर्गा क्लब, राजलाबांध गणेश पूजा कमेटी,पाटपुर, मौदा गांव के बकुलतल पूजा कमेटी,बामडोल गांव के ए टू जेड क्लब,खांडामौदा के गोपबन्धु पाठागार, मालुआ यूथ क्लब आदि समेत क्षेत्र के अनेक गांव एवं विद्यालय भवन, सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थानों में गणेश पूजा की गई. मौदा गांव के बकुलतल गणेश पूजा कमेटी द्वारा भव्य पंडाल का निर्माण किया गया है. उधर खांडामौदा गांव के गोपबन्धु पाठागार में पुजारी कराली किंकर त्रिपाठी ने गांव के बेलसाघर तालाब से कलश लाकर पूजा अर्चना कराई.

वार्ड- 32 में पाइपलाइन व डीप बोरिंग का कार्य शुरू

आदित्यपुर । वार्ड नंबर 32 अंतर्गत रोड नंबर- 15-14 (पश्चिम) पाइप लाइन से जलापूर्ति के लिए डीप बोरिंग का कार्य शनिवार को प्रारंभ हुआ. आदित्यपुर नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेंद्र नारायण सिंह ने पूजन कर कार्य शुरू कराया. उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि इससे उनके घरों तक पाइप लाइन से जलापूर्ति होगी. शीघ्र ही वार्ड- 31 और 32 में 4 स्थायी छठ घाट का निर्माण भी कराया जाएगा. पाइपलाइन सहित डीप बोरिंग का काम शुरू होने पर स्थानीय लोगों ने एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर मुंह मीठा कराया. पुरेंद्र नारायण सिंह ने छठ घाट निर्माण कराने का प्रयास करने का आश्वासन दिया. मौके पर ओम प्रकाश, राहुल राय, आकाश मिश्रा, विनोद सिंह, राजकुमार मिश्रा, चुन्नू मिश्रा, पंकज सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे.

विघ्नहर्ता की आराधना से होगा कल्याण : प्रेम रंजन

आदित्यपुर । देर रात न्यू डिस्को क्लब के गणेश पूजा पंडाल का जियाडा के प्रबंध निदेशक प्रेम रंजन ने उद्घाटन किया. मौके पर आदित्यपुर कॉलोनी वासियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान गणेश सुख-समृद्धि देने वाले और विघ्नहर्ता हैं. उनकी आराधना से देश दुनिया का निश्चित रुप से कल्याण होगा. उन्होंने कहा कि प्रथम पूज्य सिद्धि विनायक गणेश बड़े कृपालु हैं. ये अपने भक्तों का सदैव कल्याण करते हैं. बता दें कि आदित्यपुर कॉलोनी के रोड नंबर15-16 में न्यू डिस्को क्लब के द्वारा वर्ष 2000 से हर वर्ष भव्य पंडाल का निर्माण के गणेश महोत्सव आयोजित किया जाता है जो 11 दिनों तक अर्थात अनंत चतुर्दशी तक चलता है. इस दौरान मैदान में मेला, मीणा बाजार आदि का आयोजन किया जाता है. उद्घाटन के पश्चात निदेशक ने भगवान श्री गणेश की पूजा अर्चना भी की.

शहीद मिहिर महतो का मना शहादत दिवस

घाटशिला । झारखंड आंदोलनकारी शहीद मिहिर महतो का 28वां शहादत दिवस उनके पैतृक गांव पोराडीह महतो टोला में शनिवार को मनाया गया. शहादत दिवस के मौके पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई. उनकी आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की गई. श्रद्धांजलि सभा में घाटशिला विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत ने कहा कि शहीद मिहिर महतो अपने जीवन के स्वर्णिम समय का उपयोग झारखंड निर्माण के लिए झारखंड आंदोलन में समर्पित किया था. बहुचर्चित उत्कल रेल कांड के अभियुक्त थे. वर्ष 1993 के मार्च महीना में लगभग दो महीना तक साकची जेल में बंद थे. झारखंड आंदोलन के दौरान कई बार पुलिस हिरासत में भी लिए गए. मौके पर शहीद की पत्नी ननीवाला महतो, पुत्र शंकर महतो, मुखिया मिर्जा हांसदा सदस्य उपस्थित थे.

धूमधाम से मनाया जा रहा गणपति उत्सव

घाटशिला । घाटशिला प्रखंड क्षेत्र में विघ्नहर्ता भगवान गणेश की पूजा अर्चना शनिवार को धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ शुरू हुई. जगह-जगह भव्य पंडाल का निर्माण कर भगवान गणपति की पूजा अर्चना की जा रही है. पंडाल में पूजा अर्चना को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी. भक्तों के गणपति बप्पा मोरिया के नारा से पंडाल गुंजायमान हो रहा था. गणपति की पूजा में भक्तों द्वारा लड्डू तथा मोदक का भोग लगाकर पूजा की गई. शहर के विभिन्न पूजा पंडालों में भक्तों के लिए महाप्रसाद एवं लंगर का आयोजन किया गया. भक्ति भाव से लोगों ने महाप्रसाद ग्रहण किया. लालडीह स्थित पंडाल में शाम को सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया. वहीं भजन संध्या का भी आयोजन किया गया.

ज्ञान और बुद्धि के संरक्षक, विघ्नहर्ता भगवान गणेश की पूजा किरीबुरु में शुरू

किरीबुरु । गणेश चतुर्थी के अवसर पर सेल नगरी किरीबुरु, मेघाहातुबुरु, गुवा समेत सारंडा व लौहांचल के विभिन्न शहरों व गांवों में ज्ञान और बुद्धि का संरक्षक, विघ्नहर्ता भगवान गणेश की पूजा हर्षोल्लास के साथ किया जा रहा है. भक्त सफलता और समृद्धि के लिए उनका आशीर्वाद मांगते नजर आये. गणेश चतुर्थी सामाजिक और आर्थिक बाधाओं को पार करते हुए लोगों के बीच एकता और सद्भाव को बढ़ावा देती है. सेल की मेघालया गेस्ट हाउस, चर्च हाटिंग, हिल्टॉप के अलावे गुवा बाजार, नानक नगर, गुवासाई, योगनगर, शिव मंदिर तथा सीआईएसएफ की पत्नियों द्वारा बनाया गया संरक्षिका महिला कमिटी आदि के तत्वावधान में हर्षोल्लास के साथ बप्पा गणपति की पूजा की गई. गुवा के सीजीएम कमल भास्कर, सीआईएसएफ के उप कमांडेंट रोहित आदि ने अपने-अपने अधिकारियों व जवानों के साथ योगनगर में पूजा की.

24 राजस्व गांवों के मानकी मुंडा व ग्रामीणों में खुशी

चाईबासा । परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा के प्रयास से पश्चिमी सिंहभूम जिलान्तर्गत खूंटपानी अंचल से सदर अंचल में शामिल किए जाने की खुशी में शनिवार को लगिया हाट परिसर में तीन पंचायत बरकेला, पण्डावीर और बड़ालागिया के ग्रामीणों की बैठक हुई. बैठक में तीनों पंचायत के मानकी मुंडा एवं ग्रामीण शामिल हुए. सभी ने खूंटपानी अंचल से सदर अंचल में शामिल किए जाने की खुशी जताते हुए मंत्री दीपक बिरुवा के प्रति आभार जताया. उन्होंने कहा कि इन तीन पंचायतों के 24 राजस्व गांवों के ग्रामीणों की समस्याओं को देखते हुए मंत्री दीपक बिरुवा ने अपने प्रयास से इन तीन पंचायतों के 24 राजस्व गांवों को सदर अंचल में शामिल कराया. अब यहां के लोगों को प्रखंड व अंचल कार्यों के लिए काफी सुविधा होगी. यहां के ग्रामीणों को दो-दो प्रखंडों का चक्कर लगाना नहीं पड़ेगा. बैठक में ग्रामीणों ने स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, बिजली समेत अन्य समस्याओं को मंत्री के समक्ष रखी. मंत्री ने सभी समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया.

मनोहरपुर में रजत जयंती मना रहे गणेश पूजा समिति के पंडाल और मेला का सांसद ने किया उदघाटन, ढोल-नगाड़ों से किया गया स्वागत

जोबा ने गणपति से की सुख शांति, समृद्धि की कामना

- 18 सितंबर तक पूजा और मेला का होगा आयोजन

संवाददाता । चक्रधरपुर

पश्चिम सिंहभूम जिले का प्रसिद्ध गणेश पूजा पंडाल एवं मेले का उद्घाटन शनिवार को मुख्य अतिथि सांसद जोबा माझी ने फीता काटकर किया. इससे पूर्व मनोहरपुर पहुंचने पर सांसद एवं झामुमो के युवा नेता जगत माझी का पूजा समिति एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने बुके देकर स्वागत किया. स्वागत कार्यक्रम में बहरागोड़ा से आयी नगाड़ा एवं नृत्य मंडली आकर्षक का केंद्र रहा. पूजा एवं मेला 18 सितंबर तक चलेगा. सांसद जोबा माझी ने गणपति की पूजा अर्चना में शामिल होकर क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना की.

मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मनोहरपुर के बीडीओ शक्ति कुंज, सीओ प्रदीप कुमार एवं डीएसपी जयदीप लकड़ा, थाना प्रभारी अमित खाखा उपस्थित थे. पूजा समिति के संरक्षक सह जिला परिषद उपाध्यक्ष रंजीत यादव ने गणेश पूजा समिति के 25 वर्ष के गौरवशाली इतिहास की जानकारी देते हुए मनोहरपुर वासियों को बधाई दी.

सांसद जोबा माझी ने रजत जयंती के मौके पर समिति और क्षेत्र के लोगों को बधाई दी तथा गणेश पूजा का त्योहार आपसी भाईचारे एवं शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की. मौके पर जिप सदस्य जय प्रकाश महतो, मनोहरपुर पंचायत पूर्वी की मुखिया पूजा कुजूर, पंसस उषा देवी, मनोहरपुर पश्चिम की पंसस खुशबू कुमारी पिंकी, अमर महतो, अध्यक्ष अश्विनी कुमार बघेल, इरूष खाखा, हीरालाल नायक, राजेश सिंह, अभय शूलपाणि, रविद्र कुमार, पिंकी डागा, विश्वसुशील विभव उर्फ बब्बू, विजय साहु, लखींद्र दास, जगन्नाथ साहु, बिट्टू महतो, राजेश राउत, विवेक बर्घेल, लालू मंडल, भोला शंकर यादव, बसंत हरलालका, बिनोद सिंह समेत स्थानीय गणमान्य व प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे.

दूसरी ओर चक्रधरपुर व आसपास के क्षेत्रों में शनिवार को गणेश चतुर्थी की पूजा अर्चना हर्षोल्लास के साथ की गई. पूजा समिति की ओर से पंडाल का निर्माण कर विधि विधान के साथ भगवान गणेश की पूजा अर्चना की जा रही है. चक्रधरपुर के मुनीबाबा धर्मशाला में किशोर संघ की ओर से पंडाल निर्माण कर आकर्षक प्रतिमा स्थापित की गई है. चक्रधरपुर के पुरानी बस्ती स्थित भगवान गणेश मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालु पूजा अर्चना के लिए जुटे रहे. यहां लोगों ने भगवान गणेश को लड्डू व मोदक प्रसाद के रुप में चढ़ाया. साथ ही सुख-समृद्धि की कामना की. मौके पर शहर के अन्य स्थानों से भी लोगों ने गणेश मंदिर में आकर पूजा अर्चना की. चक्रधरपुर की पुरानी बस्ती, पोर्टरखोली, झुमका मोहल्ला, शीतला मंदिर, टोकलो रोड, थाना रोड, आरई कॉलोनी, इतवारी बाजार समेत अन्य स्थानों पर पंडाल का निर्माण कर पूजा अर्चना की गई. इधर गोइलकेरा बाजार स्थित गणेश पूजा में सांसद जोबा माझी, झामुमो युवा नेता जगत माझी में शामिल हुए. पूजा अर्चना कर क्षेत्र के सुख समृद्धि की कामना की. वहीं मनोहरपुर में गणेश पूजा के अवसर पर लगे मेले में तरह-तरह के झूले, खानपान के स्टॉल व जरूरत के सामान की दुकान लगाई गई है. इस अवसर पर झामुमो युवा नेता जगत माझी ने भी झूले का आनंद उठाया.

मनोहरपुर में पूजा पंडाल का उद्घाटन करतीं सिंहभूम की सांसद जोबा माझी व अन्य.

मनोहरपुर में गणेश पूजा के दौरान लगाया गया मेला में बिजली और अन्य झूला

मेला में झुला झुलते सांसद जोबा माझी के पुत्र जगत माझी व रंजीत यादव.

गणपति बप्पा मोरया की गूंज के साथ शहर में गणेश उत्सव शुरू

चक्रधरपुर में पूजा पंडाल में उपस्थित मुख्य अतिथि व कमेटी के सदस्य.

चाईबासा । शिव शंकर क्लब द्वारा ओवर ब्रिज टुंगरी, चाईबासा में आयोजित गणेश उत्सव शुरू हो गया है. इस पंडाल का मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष रमेश खिरवाल तथा जिला बीस सूत्री सदस्य त्रिशानु राय ने फीता काटकर तथा पूजा अर्चना कर पंडाल का उद्घाटन किया. इसके पूर्व आयोजन समिति के सदस्यों ने अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया. मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष रमेश खिरवाल ने कहा कि गणपति के बिना किसी कार्य का श्री गणेश नहीं होता है. सभी बाधाओं को दूर करने वाले, बुद्धिदाता भगवान गणपति से प्रार्थना करता हूं कि हम सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करें. गणेश उत्सव समाज को भाईचारे, सौहार्द एवं समरसता का संदेश देता है. जिला बीस सूत्री सदस्य त्रिशानु राय ने रिद्धि-सिद्धि के दाता, प्रथम पूज्य भगवान गणेश जी के जन्मोत्सव गणेश चतुर्थी की अनेकों शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि इस पावन पर्व पर भगवान गणेश जी हम सभी के जीवन से विघ्न हर कर सुख-समृद्धि प्रदान करें. पूरे क्षेत्र में शांति बनी रहे और लोगों की तरक्की हो. उन्होंने पूजा समिति की तारीफ की और लोगों से शांतिपूर्व उत्सव मनाने की अपील की. मौके पर क्लब के शिवम मिश्रा, निकेश नायक, चिकू गोप, मिलन राय, बाजू दास, प्रेम नायक, राजू गोप, जितु ठाकुर, विक्की गोप ,अभय नायक, संदीप गोंड, सुजीत नायक, धनुसार नायक, अनिकेत गोप, निपुन नायक, बादल रवानी , मोना मजूमदार, प्रेम नायक, संदीप, अजय, विक्की सहित काफी संख्या में समिति के सदस्य तथा स्थानीय लोग उपस्थित थे.

अनुमंडल क्षेत्र में भगवान गणपति की हुई आराधना

पूजा पंडाल का उद्घाटन करते बीडीओ व अन्य.

चांडिल । चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में चारों ओर प्रथम पूज्य भगवान गणेश की पूजा की धूम मची है. शनिवार को भक्तों ने अपने घर और पूजा पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की और विधि विधान से पूजा-अर्चना की. गणेशोत्सव को लेकर शुक्रवार को दिनभर लोगों को अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देते देखा गया. शनिवार को श्रीश्री सार्वजनिक गणेश पूजा कमेटी चालियामा द्वारा आयोजित गणेशोत्सव को लेकर बनाए गए पंडाल का उद्घाटन नीमडीह के प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमार एस अभिनव ने किया. मौके पर चालियामा के मुखिया मंगली सिंह, पूर्व मुखिया हरिपद सिंह, कमेटी के सदस्य बुलेट नाग, अमिय प्रमाणिक, अरुण गोराई, ऋषिकेश गोराई, देवाशीष नाग, निर्मल प्रमाणिक, गुणधार गोराई, विधान मंडल समेत कमेटी के सभी सदस्य और ग्रामीण श्रद्धालु मौजूद थे.

गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से गूंजा चांडिल अनुमंडल

चांडिल बाजार विवेकानंद केंद्र गली में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणेश पूजा का आयोजन किया गया. सुबह गणपति बप्पा मोर्या के जयकारों के साथ भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित की गई. पूजा आयोजन समिति के संयोजक दुर्गा चौधरी ने बताया कि यहां 21 वर्षों से गणेश पूजा का आयोजन हो रहा है. रविवार को दोपहर एक बजे से खिचड़ी भंडारा और सोमवार को संध्या छह बजे से खीर प्रसाद का वितरण किया जाएगा. कुकड़ प्रखंड अंतर्गत हाटतोला मैदान में गणेश पूजा को लेकर आकर्षक पूजा पंडाल का निर्माण कराया गया है. पंडाल में भगवान गणपति की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है. शनिवार को पूजा पंडाल का उद्घाटन भाजपा के जिला महामंत्री मधुसूदन गोराई ने फीता काटकर किया.

अजीत महतो आज तय करेंगे कुड़मी समाज की रणनीति

चांडिल में कुड़मी समाज की बैठक में शामिल लोग.

संवाददाता । चांडिल

चांडिल प्रखंड क्षेत्र के डोबो, रुगड़ी स्थित कुड़मी भवन में शनिवार को आदिवासी कुड़मी समाज के केंद्रीय उपाध्यक्ष जितेन महतो की अध्यक्षता में बैठक हुई. मौके पर जमशेदपुर में होने वाले कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विचार-विमर्श किया गया. जमशेदपुर में आयोजित कार्यक्रम में चांडिल, ईचागढ़, नीमडीह, कुकड़ आदि जगहों से भारी संख्या में लोगों के कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना जताई गई.

गौरतलब है कि रविवार को आदिवासी कुड़मी समाज की एक दिवसीय विशेष निर्णायक बैठक सोनारी स्थित शहीद निर्मल महतो भवन में सुबह 11 बजे से रखी गई है. बैठक में आदिवासी कुड़मी समाज के संयोजक मुलखूंटी मूलमांता अजीत प्रसाद महतो उपस्थित रहेंगे. वे आगे की रणनीति तय करेंगे. यह जानकारी आदिवासी कुड़मी समाज के जनसंपर्क सचिव गुणधाम मुतरुआर ने दी. बैठक में केंद्रीय कमेटी, झारखंड, ओडिशा व पश्चिम बंगाल के प्रदेश स्तरीय कमेटी, जिला स्तरीय कमेटी एवं प्रखंड कमेटी के सभी पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहेंगे.

कांकीबेड़ा में सुखराम हेम्ब्रम लगाएंगे बिरसा मुंडा की मूर्ति

बैठक में ग्रामीणों के साथ उपस्थित सुखराम हेम्ब्रम.

संवाददाता । चांडिल

चांडिल प्रखंड के तिरिलपिड़ी कांकीबेड़ा चौक में शनिवार को रूसु मुंडा की अध्यक्षता में ग्रामीणों की बैठक हुई. मौके पर गांव की समस्याओं पर विचार-विमर्श किया गया. ग्रामीणों ने बताया कि हेंचाकोचा पंचायत अंतर्गत टोला केंदगोड़ा में चलने लायक सड़क नहीं है. इससे गांव के लोगों को आवागमन में परेशानी होती है.

बैठक में ग्रामीणों ने झारखंड आंदोलनकारी सह स्वच्छ चांडिल स्वस्थ चांडिल के संस्थापक सुखराम हेम्ब्रम को आमंत्रित किया था. बैठक में सुखराम हेम्ब्रम ने आने वाले विधानसभा चुनाव और क्षेत्र की ज्वलंत मुद्दों पर मंथन किया. ग्रामीणों के साथ समस्याओं पर चर्चा करने के बाद उन्होंने कहा कि जितना हो सकेगा वे समस्याओं के निदान के लिए प्रयास करेंगे. ग्रामीणों ने गांव में सुखराम हेम्ब्रम से बिरसा मुंडा की मूर्ति स्थापित करने की मांग की. सुखराम हेम्ब्रम ने ग्रामीणों को आश्वास्त किया वे निजी स्तर से जल्द ही सड़क की मरम्मत कराएंगे और 15 नवंबर को गांव में भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति स्थापित की जाएगी.

पुरुषोत्तम फुटबॉल क्लब मंझारी ने जीता 1.30 लाख

विजेता टीम को पुरुस्कृत करते विधायक सुखराम उरांव.

संवाददाता । चक्रधरपुर

शिक्षक दिवस के अवसर पर रोलाडीह मैदान में आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन शनिवार की शाम में हुआ. समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव मौजूद थे. विधायक सुखराम उरांव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया. फाइनल मैच पुरुषोत्तम फुटबॉल क्लब मंझारी भरभरिया व मुंडा फुटबॉल क्लब राईपीडी कुचाई के बीच खेला गया. निर्धारित समय में दोनों टीमों के खिलाड़ी एक भी गोल नहीं कर सके. इसके बाद दोनों टीमों के बीच पेनल्टी शूटआउट खेला गया. इसमें पुरुषोत्तम फुटबॉल क्लब मंझारी भरभरिया ने चार और मुंडा फुटबॉल क्लब तीन गोल कर पाई. इसके साथ ही पुरुषोत्तम फुटबॉल क्लब ने विजेता का खिताब जीत लिया. मुंडा फुटबॉल क्लब राईपीडी कुचाई उपविजेता रही. इस दौरान मुख्य अतिथि विधायक सुखराम उरांव ने प्रतियोगिता की विजेता टीम को 1,30000 रुपए एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को 80,000 रुपए नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया.

न्यूज अपडेट

राकाडबरा और जोजोपी का जलमीनार निर्माण अधूरा

किरीबुरु । छोटानागरा पंचायत अन्तर्गत जोजोपी और राकाडबरा टोला स्थित सोलर चालित जलापूर्ति योजना वर्षों से अधूरी है. इस कारण दोनों टोला के ग्रामीणों को पेयजल की भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है. मुखिया मुन्नी देवगम ने कहा कि जोजोपी गांव स्थित जलमीनार, सोलर व पानी टंकी लगा दिया गया है, लेकिन डीप बोरवेल/चापाकल में लगा समरसेबल मोटर से जलमीनार में पानी पहुंचाने के लिए पाइप व अन्य कनेक्शन नहीं दिया गया है. पाइप एक घर में रखा गया है.

चाईबासा में कांग्रेस का संवाद कार्यक्रम होगा कल

चाईबासा । राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के जिला संयोजक रितेश कुमार तमसोय की अध्यक्षता में चाईबासा में बैठक हुई. बैठक में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नौ सितंबर को चाईबासा आगमन को लेकर चर्चा हुई. प्रदेश अध्यक्ष 9 सितंबर को संवाद आपके साथ कार्यक्रम में कांग्रेस भवन चाईबासा में दोपहर 10 बजे से सभी कांग्रेसियों से वार्ता करेंगे. झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के सचिव अशरफुल होदा ने कहा कि जिला के कांग्रेसियों का दायित्व है कि सभी कांग्रेसियों की भागीदारी सुनिश्चित कराएं.

बीओआई मेघाहातुबुरु शाखा ने 119वां स्थापना दिवस मनाया

किरीबुरु । बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) की मेघाहातुबुरु शाखा ने 119वां स्थापना दिवस शनिवार को बैंक परिसर में पूरे बैंक परिवार के साथ मनाया. इस दौरान बैंक को बैलून आदि से अच्छी तरह सजाया गया था. शाम में सभी पदाधिकारियों व कर्मियों ने मिलकर केक काट एक-दूसरे को खिलाया एवं खुशियां मनाई. इस दौरान सभी ने कहा कि हम सभी मिलकर ग्राहकों की सेवा के लिये हमेशा तत्पर रहेंगे. इस दौरान संजय सिंह, स्मिता कुमारी लकड़ा, अर्चना कुमारी, हितेश बिरुली, मनोज तामसोय, बैंक सखी सुमित्रा दास, सनातन बिरुली मौजूद थे.

चांडिल : श्रीश्री कालाक्ष रुद्रभैरव मंदिर की प्रतिष्ठा आज

चांडिल । चांडिल प्रखंड के गौरडीह स्थित शिव मंदिर का पुनर्निमाण कार्य पूरा हो गया है. गौरडीह का शिव मंदिर इस क्षेत्र के प्रमुख शिवालयों में से एक है. वर्षों से यहां चैत्र संक्रांति के अवसर पर शिव पूजा का आयोजन किया जाता रहा है. शिव पूजा के अवसर पर गौरडीह में ही छऊ नृत्य का आयोजन किया जाता है. श्रीश्री कालाक्ष रुद्रभैरव का नया भव्य मंदिर बनकर पूरा होने से क्षेत्र के श्रद्धालुओं में हर्ष व्याप्त है. मंदिर की प्रतिष्ठा रविवार को की जाएगा. इस संबंध में शेखर गांगुली ने बताया कि मंदिर प्रतिष्ठा अनुष्ठान को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. रविवार को सुबह 8:30 बजे से मंदिर प्रतिष्ठा के लिए अनुष्ठान प्रारंभ होगा.

सेलकर्मियों की ड्यूटी के लिए जारी किया गया निर्देश

किरीबुरु । सेल की गुवा खदान प्रबंधन के उप महाप्रबंधक नरेन्द्र झा ने 8 सितम्बर गुवा शहीद दिवस के मद्देनजर अपने सेलकर्मियों को जरुरी निर्देश जारी किये हैं. निर्देश में कहा गया है कि 8 सितम्बर को गुवा में शहीद दिवस मनाया जा रहा है. विशेष सुरक्षा के मद्देनजर, गुवा अयस्क खान प्रबंधन द्वारा निर्णय लिया गया है कि सात सितम्बर को रात्रि पाली ड्यूटी के लिए एवं 8 सितम्बर को प्रथम एवं द्वितीय पाली ड्यूटी के लिए कर्मचारी परिवहन बसों का परिचालन सीआईएसएफ चेक गेट से माइन्स एवं माइन्स से सीआईएसएफ चेक गेट तक होगा. इसके अलावे उपरोक्त कारणों से 8 सितम्बर को बड़ाजामदा रेलवे स्टेशन से यात्रियों के परिवहन हेतु जाने वाली गाड़ियों का परिचालन स्थगित रहेगी.

हवा-हवाई 8 सितंबर 2023 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बाइक देने की घोषणा की थी

एक साल बाद भी 50 मानकी-मुंडा को सरकार से नहीं मिली मोटरसाइकिल

- ग्रामीणों की समस्याएं आज भी जस की तस हैं

संवाददाता । किरीबुरु

सारंडा के कई गावों के मानकी-मुंडा 8 सितम्बर को गुवा में आयोजित मुख्यमंत्री की श्रद्धांजलि सभा में शामिल नहीं होंगे. ये सभी सलाई चौक पर स्थित शहीद स्थल पर शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे. 8 सितम्बर 2023 को गुवा गोलीकांड के शहीदों के श्रद्धांजलि स्थल से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पश्चिम सिंहभूम के कुछ मानकी-मुंडाओं को मोटरसाइकिल देकर सम्मानित किया था.

उन्होंने कहा गया कि सभी मानकी-मुंडाओं को मोटरसाइकिल देंगे. इस कार्यक्रम में उपस्थित सारंडा के प्रायः गांवों के मानकी-मुंडाओं को लगा था कि उन्हें भी मुख्यमंत्री मोटरसाइकिल देकर सम्मानित करेंगे. लेकिन अंततः जब सारंडा के किसी भी मानकी-मुंडाओं को मोटरसाइकिल नहीं मिला तो वे निराश होकर इस आशा के साथ लौटे थे कि शायद बाद में उन्हें भी मिल जाये. लेकिन एक साल बीत गया और किसी को मोटरसाइकिल नहीं मिली.

गुवा सभा स्थल पर मोटरसाइकिल की तस्वीर के साथ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का फाइल फोटो.

सारंडा पीढ़ के मानकी लागुड़ा देवगम, जामकुंडिया के मुंडा कुशु देवगम, राजाबेड़ा के मुंडा जामदेव चाम्पिया, जोजोगुटु मुंडा कानुराम देवगम, छोटानागरा मुंडा बिनोद बारिक आदि ने बताया कि गुवा गोलीकांड सारंडा जंगल व यहां के ग्रामीणों की समस्याओं से जुड़ी आंदोलन थी जो आज इतिहास बन गई है. सारंडा की भूमि पर हर वर्ष यह शहादत मेला लगता है. राजनीतिक रोटी सेंकी जाती है, लेकिन हमारे गांवों की समस्या यथावत है.

आज भी हम ग्रामीण लाल पानी पीने को मजबूर हैं, वनाधिकार का पट्टा नहीं मिला, हमारे खेत खदानों की लाल पानी व लौह चूर्ण से बंजर हो रही है. सारी बातों को अब तक की तमाम सरकारें देखती व सुनती आ रही है, लेकिन किसी सरकार ने भी हमारी समस्याओं को आज तक दूर नहीं किया.

बीते वर्ष गुवा मैदान स्थित श्रद्धांजलि सभा स्थल पर सारंडा के बाहर दूसरे विधानसभा क्षेत्र के एक विधायक के करीबी कुछ मानकी-मुंडाओं को गुवा बुलाकर सारंडा की धरती पर मोटरसाइकिल देकर सम्मानित किया गया. लेकिन सारंडा के गांवों के एक भी मानकी-मुंडाओं को सम्मानित नहीं किया गया.

उन्होंने कहा कि जिन मानकी-मुंडाओं को सरकार ने मोटरसाइकिल दी उसके हम विरोधी नहीं हैं, बल्कि आंदोलन की भूमि सारंडा, जिसके कई गांवों के मानकी-मुंडा इस आंदोलन में शहीद होते-होते बचे थे, उन्हें भी सरकार मोटरसाइकिल देकर सम्मानित की होती तो आज हम सबों को यह आरोप नहीं लगाना पड़ता.

धर्म-कर्म : भगवान गणेश की पूजा करने वालों के घरों में सुख, शांति व समृद्धि का होता है वास : चंद्रप्रकाश चौधरी

गणपति बप्पा मोरया... से गूंजा चितरपुर, सुकरीगढ़ा और रजरप्पा क्षेत्र

संवाददाता। रामगढ़

गणपति बप्पा मोरया, सिद्धिविनायक नमो नमः जैसे भक्ति गीतों से पूरा चितरपुर सहित आसपास का क्षेत्र गुंजायमान होता रहा. शनिवार से चितरपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में चार दिवसीय गणेश उत्सव की उमंग देखी गई. इस दौरान अहले सुबह भक्त पूजा पंडाल में पहुंचकर भगवान गणेश की आरती में शामिल हुए. इसके बाद लोगों द्वारा पूजा भी शुरू की गई. इससे पूर्व शुक्रवार देर शाम चितरपुर काली चौक में स्थापित भगवान गणेश के पंडाल का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी व विशिष्ट अतिथि चितरपुर प्रमुख द्रौपती देवी, आजसू

अहले सुबह भक्त पंडाल में पहुंचकर भगवान गणेश की आरती में शामिल हुए.

नेता अमृतलाल मुंडा द्वारा किया गया.

मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि भगवान गणेश की पूजा अर्चना से भक्तों को उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है, जिससे उनके घरों में सुख, शांति व समृद्धि का वास होता है. भगवान गणेश की स्थापना व पूजा पंडालों के पट खुलने के बाद पंडालों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. देर रात तक पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी रही. चितरपुर स्थित भगवती मुहल्ला में आकर्षक पंडाल में भगवान गणेश की भव्य प्रतिमा प्रतिमा स्थापित की गई थी. वहीं सुकरीगढ़ा व छोटकीपोना में भी भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर पूजा की गई. उधर रजरप्पा आवासीय कॉलोनी में भी भगवान गणेश की भव्य प्रतिमा स्थापित कर पूजा की गई. इस दौरान पंडालों में शाम की आरती भी गई.साथ ही पूजा पंडालों को आकर्षक बनाने के लिए विद्युत सज्जा भी किया गया. मौके पर दीपक साव, डब्लू साव, प्रकाश दीप पटवा, तापस चंद्र पोद्दार, मुनिलाल साव, प्रमेश पटवा, सुमित पटवा सहित भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे.

हिंदू स्वराज क्लब ने किया गणेश पूजा का आयोजन

हजारीबाग। हिंदू स्वराज क्लब की ओर से सरदार चौक के निकट गणेश चतुर्थी के अवसर पर गणेश पूजा का भव्य आयोजन किया गया. इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तों ने भगवान गणेश की आराधना में भाग लिया. पूजा विधिवत मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुई, जिसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया. इस धार्मिक आयोजन में स्थानीय समुदाय के अलावा, क्लब के सदस्यों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. कार्यक्रम की शुरुआत गणपति स्थापना से हुई, जिसके बाद वैदिक मंत्रों के साथ भगवान गणेश का पूजन किया गया. भक्तों ने भगवान गणेश से सुख-समृद्धि और विघ्नों से मुक्ति की प्रार्थना की. क्लब के अध्यक्ष प्रिंस कसेरा ने कहा कि हम इस प्रकार के आयोजन के माध्यम से समाज को एकजुट करने और धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने का प्रयास करते हैं. गणेश पूजा हमारे क्लब की प्रमुख गतिविधियों में से एक है, और हमें इस बात की खुशी है कि यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ. मौके पर अध्यक्ष प्रिंस कसेरा, कृष सहनी, प्रिंस चंद्रवंशी, उज्ज्वल कुमार, रिशू कश्यप आदि मौजूद थे.

आईसेक्ट विवि के तरबा-खरबा कैंपस में विराजे गणपति बप्पा

संवाददाता। हजारीबाग

गणेश चतुर्थी के मौके पर आईसेक्ट विश्वविद्यालय के तरबा-खरबा स्थित मुख्य कैंपस के प्रांगण में कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, कुलपति डॉ पीके नायक, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ, वोकेशनल निदेशक डॉ बिनोद कुमार सहित अन्य ने संयुक्त रूप से भगवान गणेश जी को विधिवत पूजा के साथ स्थापित किया गया. इस दौरान सर्वप्रथम भगवान गणेश जी की प्रतिमा को "गणपति बप्पा मोरया" के नारों के बीच विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार तक लाया गया. इसके बाद पूरे विधि विधान के साथ गणपति बप्पा को स्थापित किया गया. इस प्रक्रिया में कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद,

कुलपति डॉ पीके नायक, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ, वोकेशनल निदेशक डॉ विनोद कुमार सहित अन्य ने इसमें हिस्सा लिया. बताते चलें कि सात दिनों तक भगवान गणेश विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में स्थापित रहेंगे, जहां हर शाम 5:30 बजे आरती होगी.

ब्रीफ खबरें

96 आंदोलनकारियों को मंत्री ने किया सम्मानित

चतरा। जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय कक्ष में आयोजित झारखंड आंदोलनकारी सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि राज्य के श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण तथा उद्योग मंत्री सत्यानंद भोगता शामिल हुए. इस दौरान मंत्री ने जिले भर से आए 96 आंदोलनकारी को साल उठाकर तथा पौधा देकर सम्मानित किया. उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले आंदोलनकारियों को हमारी सरकार ढूंढ ढूंढ कर सम्मानित कर रही है. मौके पर उपायुक्त रमेश घोलप, उप विकास आयुक्त पवन कुमार मंडल सहित अन्य पदाधिकारी तथा आंदोलनकारी उपस्थित थे.

फरार अभियुक्त गिरफ्तार, भेजा जेल

हंटरगंज(चतरा)। प्रखंड हंटरगंज अंतर्गत वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र के ग्राम सजनी टोला गिद्धातरी निवासी प्रमोद गंझू उर्फ निर्मल गंझू पिता तुलसी गंझू को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया गया. उसकी गिरफ्तारी गुप्त सूचना के आधार पर उसके घर से की गई. इस बाबत वशिष्ठ नगर थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि आरोपी वशिष्ठ नगर कांड संख्या 70/21 तथा 71/21 का नामजद अभियुक्त था. इसके विरुद्ध वशिष्ठ नगर थाना में आर्म्स एक्ट तथा एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज थी.

रामगढ़ एसपी कार्यालय में शिविर 10 को लगेगा

रामगढ़। जन शिकायत समाधान को लेकर आगामी 10 सितंबर को रामगढ स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है. यह जानकारी रजरप्पा थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडेय ने दी. इस बाबत उन्होंने कहा कि रजरप्पा थाना क्षेत्र अंतर्गत किसी भी ग्रामीणों को किसी भी तरह की समस्या हो, तो वे इस शिविर में जरूर पहुचे. शिविर में जिला के वरीय पदाधिकारियों की मौजूदगी में ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा.

14 वर्ष बाद आश्रित को मिला नियुक्ति पत्र

मयूरहंड(चतरा)। जून 2010 की नक्सली घटना में मारे गए महुगाई निवासी स्व. बिनोद सिंह के पुत्र विभूति कुमार सिंह को 14 वर्षों के संघर्ष के बाद शनिवार को श्रम नियोजन व कौशल विकास मंत्री सत्यानंद भोक्ता द्वारा नियुक्ति पत्र दिया गया. ज्ञात हो कि विनोद कुमार सिंह की हत्या एसपीएम नक्सली संगठन ने 23 जून 2010 को इटखोरी-चतरा रोड निर्माण मुंशी के रूप में कार्य करने के दौरान कर दी थी.

हजारीबाग रेंज के डीआईजी ने कई महत्वपूर्ण सवालों पर दिए जवाब, कहा

साइबर क्राइम बड़ी समस्या सजगता-सक्रियता ही समाधान

- प्रेस वार्ता में भारतीय नागरिक सुरक्षा, संहिता और पुलिस के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी
- नए कानून के तहत अब पुलिस और भी सजग और सामुदायिक हो गई है

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग रेंज के डीआईजी सुनील भास्कर ने शनिवार को प्रेस वार्ता का आयोजन कर आगामी दिनों में पुलिस द्वारा किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी. बताया कि नए कानून के तहत अब पुलिस और भी सजग और सामुदायिक हो गई है. पुलिस विभाग जीरो एफआईआर के तहत काम कर रहा है और जन शिकायत के माध्यम से शिकायतों का निवारण भी कर रहा है. जानकारी दी कि अब पीड़ित का जो भी नजदीक का थाना होगा जहां उन्हें सहूलियत होगी आवेदन दे सकते हैं. पुलिस उसे मामले में जीरो एफआईआर दर्ज कर संबंधित थाना को भेज देगी. कहा की अगर ऐसा नहीं हो तो इसके लिए पुलिस पदाधिकारी पर कार्रवाई का भी प्रावधान किया गया है. डीआईजी ने यह भी जानकारी दी कि साइबर क्राइम आज के समय में सबसे बड़ी और जटिल समस्या बनती जा रही है. सजगता और सक्रियता से इससे बचा जा सकता है. बावजूद इसके पुलिस विभाग इस दिशा में कई कदम उठाए हैं.

कोयला व बालू के भी मुद्दे पर क्या बोले डीआईजी

डीआईजी के प्रेस वार्ता में कोयला खनन और बालू के भी मुद्दे उठे. बताया गया कि आप जीरो एफआईआर की बातें कर रहे हैं और मंगलवार को बरकट्ठा थाने द्वारा बालू लगे तीन ट्रैक्टरों को केवल इसलिए पकड़ कर छोड़ दिया गया कि जिस क्षेत्र में ट्रैक्टर पकड़े गए थे वह एरिया बरही थाने का था. इसके अलावा चूरचू, बड़कागांव और जिद्दी से हो रही कोयला की तस्करी पर भी डीआईजी का ध्यान आर्टिस्ट कराया. पूछा गया कि बड़े पैमाने पर बालू से लेकर कोयले की तस्करी की जा रही है. शहर जाम से कराह रहा है. इस पर डीआईजी ने कहा कि जो भी मामले मेरे संज्ञान में लाए जा रहे हैं उन पर कार्रवाई की जाएगी.

1930 पर साइबर ठगी से संबंधित जानकारी दें

डीआईजी ने जानकारी दी कि डायल 1930 पर साइबर ठगी से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई जा सकती है. आने वाले दिनों में कई माध्यमों से पुलिस विभाग द्वारा जन शिकायत के समस्याओं को समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है. अब जो भी आवेदन थानों में दिए जाएंगे, उनकी सूचना और रसीद आपको दी जाएगी. हर जिले में ऑनलाइन शिकायत हेतु मोबाइल व्हाट्सएप नंबर तथा ईमेल आईडी उपलब्ध कराया गया है, जिससे नागरिक ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज कर सकते हैं. थानों में या विभिन्न प्राधिकारियों के यहां दी जाने वाले आवेदन पर कार्रवाई ही नहीं होगी, बल्कि शिकायतकर्ता को एक रसीद भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे उक्त आवेदन पर क्या कार्रवाई की जा रही है उसकी जानकारी प्राप्त की जा सके.

शिकायतकर्ताओं की पहचान गोपनीय रखी जाएगी

डीआईजी ने आगे कहा कि अपराधी एवं नक्सलियों से संबंधित शिकायतों पर शिकायतकर्ताओं की पहचान गोपनीय रखी जाएगी. ग्रामीण क्षेत्र में अधिक से अधिक सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से सर्किल इंस्पेक्टर तथा अनुमंडल सीडीपीओ कार्यालय में दो से तीन थानों को जोड़कर जन शिकायत समाधान का कार्यक्रम सुनिश्चित किया जाएगा. डीआईजी ने यह भी बताया कि संबंधित क्षेत्र में सुरक्षा मूलक उपाय किए जा रहे हैं और आगामी दिनों में कई और उपाय किए जाएंगे. जानकारी दी की सीसीटीवी का अधिष्ठापन, नागरिक सुरक्षा समिति का गठन और शहरी क्षेत्र में रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन का गठन करने हेतु पुलिस विभाग प्रेरित करेगी.

पॉकेट से मोबाइल फोन चोरी करते रंगे हाथ चोर को पकड़ा

हजारीबाग। सदर थाना क्षेत्र के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पॉकेट से मोबाइल चोरी करते रंगे हाथ चोर को पकड़ा गया. चोर की पहचान सरदार चौक निवासी मो राजा के रूप में हुई है. इस संबंध में वादी मनीष कुमार पिता शंकर प्रसाद ने थाना में आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई है. आवेदन के अनुसार शनिवार दोपहर को वादी अस्पताल स्थित दवाखाना में दवा लेने के लिए लाइन में खड़ा था. उसी दौरान उसके पीछे खड़े मो राजा ने उसकी पॉकेट से मोबाइल निकालने का प्रयास किया. मनीष को कुछ महसूस हुआ और उसने पॉकेट में हाथ डाला और आरोपी को दौड़कर पकड़ लिया. बाद में वह सदर थाना से भी भागने का प्रयास कर रहा था, जहां गार्ड मनोज कुमार सिन्हा ने उसे दौड़ाकर पकड़ा.

पुलिस ने नाबालिग बच्चों को सकुशल बरामद किया

चतरा। हंटरगंज प्रखंड के वशिष्ठ नगर थाना के एक माह पूर्व परिजनों को बिना बताए खेल-खेल में अपनी मर्जी से घर से गुम हो गए थे. परिजनों ने काफी खोजबीन के बाद वशिष्ठ नगर थाना में 16 अगस्त को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. बच्चों के परिजनों ने थाना प्रभारी को जानकारी दी थी कि दोनों बच्चे स्कूली छात्र हैं, लेकिन कभी-कभी सोशल मीडिया मंच टिक टॉक और इंस्टाग्राम पर वीडियो भी बनाया करते थे. इस मामले में थाना प्रभारी ने अपने स्तर से जांच पड़ताल शुरू की. लगभग 20 दिनों की खोजबीन के बाद दोनों बच्चों को मुंबई से बरामद कर लाया गया. दोनों बच्चों को सीडब्ल्यूसी चतरा में भेजा गया है. इसके साथ ही अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है.

न्यूज अपडेट

पुलिस ने चोरी के कई मामलों का किया खुलासा

विष्णुगढ़। चोरी के कई मामलों में लिप्त आरोपी मन्नू कुमार पिता सूरज महतो को विष्णुगढ़ पुलिस ने शुक्रवार को टाटीझरिया थाना अंतर्गत होलांग के उसके घर से चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया है. उसकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी गए लाखों के सामान बरामद किया है. बरामद सामान चोरी की अलग अलग घटनाओं के हैं. बरामद सामानों में दो बाइक्, मोबाइल फोन, बैट्री, लैपटॉप, मोटर पम्प,लाइट्स और दूसरे कई बिजली के उपकरण हैं. उसने पुलिस के सामने चोरी की कई घटनाओं में अपने अन्य साथियों के साथ शामिल होने की बात स्वीकारी है.

मंत्री सत्यानंद ने किया कृषि मेले का उद्घाटन

चतरा। जिला मुख्यालय के तपेज स्थित कृषि विभाग कार्यालय परिसर में आयोजित किसान मेले का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने शनिवार को दीप प्रज्वलित कर किया. इस दौरान मंत्री ने कृषि उत्पादों का निरीक्षण किया और किसानों को कृषि क्षेत्र में बेहतर मुकाम हासिल करने की बात कही. उन्होंने उपस्थित किसानों के बीच पंपसेट स्प्रेयर मशीन सहित अन्य कृषि उपकरणों का वितरण किया. मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी, उपाध्यक्ष बृजकिशोर तिवारी, उपायुक्त रमेश घोलप, उप विकास आयुक्त पवन कुमार मंडल, राजद जिला अध्यक्ष नवल किशोर यादव आदि उपस्थित थे.

विधायक अंबा ने किया खिलाड़ियों को पुरस्कृत

केरेडारी। प्रखंड क्षेत्र की पतालपंचायत के सरना क्लब पताल की ओर से कोले स्टेशन मैदान में आयोजित फूटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल मैच में स्थानीय विधायक अंबा प्रसाद बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं. इस दौरान विधायक ने विजेता एमएन क्लब खलारी और उपविजेता सुपर स्पोर्टिंग क्लब को ट्रॉफी सहित इनाम राशि देकर सम्मानित किया. मौके पर बचरा विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र गुप्ता, पंचायत अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी फूलेश्वर महतो, दिलीप महतो, अजय मुंडा, राज किशोर प्रसाद, रामानंद राम, मंगल सिंह, हीरा राम, बैजू सिंह, बालू सिंह, सेतु सिंह, कमला महतो आदि उपस्थित थे.

सांसद काली चरणसिंह के पुत्र ने की आर्थिक सहायता

चतरा। चतरा लोकसभा सांसद काली चरणसिंह के सुपुत्र नीतेश कुमार सिंह उर्फ छोटू शुक्रवार की देर शाम हंटरगंज पहुंचे. इस दौरान उन्होंने नावाडीह गांव निवासी मोती साहू को आर्थिक मदद दी. दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा रहने की बात कही. विदित हो कि 10 दिन पूर्व नावाडीह गांव में एन एच 22 के समीप पुलिया को बंद कर दिए जाने से करीब एक दर्जन से अधिक घरों में पानी घुस गया था, जिसके कारण मृतक के घर में लगे चापाकाल में भी दूषित पानी आ जाने और इस पानी को पीने से मां बेटे की मौत हो गई थी. जमे पानी की निकासी अभी भी पूर्ण रूप से नहीं हो सकी है. स्थानीय लोगों के सहयोग से कुछ हिस्सों में जमे पानी की निकासी की गई है. अभी भी कुछ भाग में दूषित पानी जमा होने के कारण आसपास में बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है. इस मौके पर मंडल अध्यक्ष अरुण चौरसिया, चंदन सिंह आदि उपस्थित थे.

चौपारण मंडल कार्यसमिति की बैठक संपन्न

चौपारण। चौपारण पूर्वी व पश्चमी मंडल कार्यसमिति की बैठक मंडल अध्यक्ष मुकेश सिन्हा व राजेंद्र चंद्रवंशी की अध्यक्षता में हुई. बैठक में मुख्य रूप से विधानसभा प्रभारी बिनय सिंह व पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव उपस्थित रहे. बैठक में बूथ कमेटी एवं पन्ना प्रमुख का सत्यापन एवं सुझाव संग्रह अभियान चलाया गया. साथ ही संगठन मजबूती व आगामी विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने हेतु विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई. मौके पर महामंत्री अरविंद सिंह, जिला उपाध्यक्ष सुनील साव, गजाधर प्रसाद, मुखिया बिरेंद्र रजक, रेखा देवी, संतोष सिंह, प्रतिनिधि रंजीत सिंह, रिशु बर्णवाल आदि उपस्थित थे.

सरकार तक पहुंचेगी सफाई कर्मियों की आवाज : मुन्ना

सफाई कर्मियों की मांगों के बारे में बात करते कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह.

- कांग्रेस नेता ने समस्याओं के समाधान का दिया आश्वासन

संवाददाता। हजारीबाग

नगर निगम के सफाई कर्मी अपनी मांगों को लेकर पिछले 14 दिनों से हड़ताल पर हैं. सफाई कर्मियों की समस्याओं को समझने और उनका समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने नगर निगम कार्यालय में सफाई कर्मियों से मुलाकात की. मुन्ना सिंह ने कर्मियों की मांगों को जायज ठहराते हुए कहा, "आप सभी की मांगें जायज़ हैं. मैं इन समस्याओं को लेकर जल्द ही नगर निगम के प्रतिनिधियों, नगर विकास मंत्री तथा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समक्ष रखने, तथा इस मामले का शीघ्र समाधान करवाने का पूर्ण प्रयास करूंगा." मुन्ना सिंह ने सफाई कर्मियों को आश्वासन दिया कि उनकी आवाज सरकार तक पहुंचेगी और उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा.

कांग्रेस नेता ने कटकमसांडी प्रखंड के कई गांवों में किया जनसंपर्क

किसान का बेटा हूं, अन्नदाताओं को सशक्त बनाना मेरा कर्तव्य है : मेहता

संवाददाता। हजारीबाग

कांग्रेस नेता डॉ आरसी मेहता ने शनिवार को कटकमसाडी प्रखंड की छडवा, कंचनपुर, पकरार, बरगडा, पंचायत के दर्जनों गांवों में जनसंपर्क किया. पकरार के सभा में डॉ मेहता ने कहां कि किसान का बेटा हूं, निर्धन अन्नदाताओं को सशक्त बनाना मेरा कर्तव्य है. खेत खलिहान में खेला हूं, किसानों के फटेहाली को सतह से जानता हूं. ऐसे में कृषि उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य सरकार से निर्धारित कराउंगा. उन्होंने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है, जबकि किसान का पर्यायवाची शब्द गरीब है. केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण देश के सैकड़ों सरकारी उपक्रम व्यापारियों को देना न्याय संगत नहीं है, जबकि झारखंड सरकार हजारों नौकरियां दे रही है. सरकार ने बहनों को मंईयां सम्मान योजना के तहत 18 वर्ष से 51 वर्ष तक के बहनों को 1000 प्रत्येक महीना दे रही है. इसके साथ ही बालिका समृद्धि योजना के तहत शादी के लिए 2 लाख तक रुपये दे रही है. 2 लाख तक का कृषि कर्ज माफ किया गया है. 200 यूनिट बिजली फ्री दी जा रही है. उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हजारीबाग का बेटा हूं, आजीवन संघर्ष करता रहूंगा. कार्यक्रम में मुख्य रूप से पकरार मुखिया प्रतिनिधि महेश कुशवाहा, बरगडा पंचायत के मुखिया रवि कुमार दास, एडवोकेट संजय रविदास, प्रो भुनेश्वर महतो, प्रो विवेक मेहता, सुरेंद्र कुशवाहा, प्रामेश्वर मेहता, मौलाना मुख्तार, आशीष राम, अमित पांडे, रोजी तिर्की, देवेंद्र सिंह, सुरेंद्र कुशवाहा आदि उपस्थित थे.

समस्या सड़क ग्राम्य अभियंत्रण संगठन के अधीन सड़क की सुध लेने वाला कोई नहीं

घंघरी-दंतार पथ जर्जर, आवागमन में परेशानी

संवाददाता। चतरा

हंटरगंज प्रखंड के घंघरी से दंतार जाने वाला पथ जर्जर हो गया है. सड़क पर कई जगह गड्ढे निकल गए हैं. बरसात के दिनों में इन गड्ढों में पानी भरा रहता है तथा कीचड़ जमा होता है. यह स्थिति तब है जब इस सड़क से अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मां कुलेश्वरी पर्वत पर श्रद्धालुओं का आना-जाना रहता है. मां भद्रकाली जाने का यह सबसे सुगम और शॉर्टकट रास्ता है. पूर्व में यह सड़क वन विभाग की हुआ करती थी, लेकिन दो दशक पूर्व इस सड़क ग्राम्य अभियंत्रण संगठन के अधीन हो गई. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत इस सड़क का जीर्णोद्धार एक दशक पूर्व किया गया था. इस सड़क में सबसे बड़ी समस्या ग्राम कटैया के पास बना छोटा पुलिया तथा ग्राम पैनीकला के नजदीक रसरसी नाला पर बना छलका है. हल्की बारिश में भी इसके ऊपर से पानी बहने लगता है, जिससे कई कई घंटे तक आवागमन बाधित रहता है. यह समस्या वन विभाग की ओर से कटैया ढोंढा पर चेक डैम बना देने के कारण पिछले 10 वर्षों से उत्पन्न हुई है. इस संबंध में पूछे जाने पर वन क्षेत्र पदाधिकारी सूर्यभूषण कुमार ने कहा कि कटैया के ग्रामीणों की मांग पर सिंचाई के लिए चेक डैम का निर्माण कराया गया है.

घंघरी दंतार का जर्जर पथ.

पहले यह सड़क जब वन विभाग की थी, तब हम लोग इसका देखभाल करते थे. अब यह सड़क ग्राम्य अभियंत्रण संगठन के अधीन हो गई है. इसलिए इस पथ पर कोई भी निर्माण कार्य या तोड़फोड़ हम लोग नहीं कर सकते हैं. इसके लिए ग्राम्य अभियंत्रण संगठन ही कुछ कर सकता है. स्थानीय लोगों ने इस सड़क की मरम्मत करने की माग की है.

टाइगर जयराम महतो पहुंचे रामगढ़, बदलाव का लिया संकल्प

रामगढ़। बदलाव संकल्प महासभा रामगढ़ कॉलेज मैदान रामगढ़ में आयोजित की गई. कार्यक्रम में देवानंद महतो, द्वारिका प्रसाद, संतोष महतो के साथ मुख्य अतिथि झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा व झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के केंद्रीय अध्यक्ष टाइगर जयराम महतो तथा विशिष्ट अतिथि पार्टी के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो उपस्थित हुए. महतो ने कहा कि झारखंड जिस उद्देश्य के साथ बना उससे वह कोसों दूर है. उन्होंने बदलाव का संकल्प लेते हुए कहा कि अगर सरकार में हमलोग आते हैं तो गैर मजरूआ जमीन की रसीद कटवाने का काम करेंगे तथा जीएम लैंड जमीन झारखंड में नहीं रहेगी, क्योंकि अन्य राज्य में जीएम लैंड नहीं है.

कार्यक्रम : 112 और 1930 नंबर डायल कर तुरंत समाधान पाएं : एसडीपीओ

जन शिकायत कार्यक्रम में आए 17 मामले

संवाददाता। चरही

चरही थाना के सभागार भवन में शुक्रवार को जन-शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया, ताकि पुलिस एवं नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सके. यह जन शिकायत कार्यक्रम विष्णुगढ़ अनुमंडल के तीनों थाने चरही, चुरचू और अंगो में आयोजित किया गया.

कार्यक्रम का संचालन चरही थाना प्रभारी गौतम कुमार ने किया. एसडीपीओ बैजनाथ प्रसाद ने बताया कि त्वरित समस्याओं के समाधान के लिए 112 डायल करें. साथ ही साइबर क्राइम से संबंधित 1930 पर डायल करें. वहीं जन शिकायत कार्यक्रम में कुल 17 मामले प्राप्त किए गए, जिसमें अंगो थाना से 3, चुरचू थाना से 2, और चरही थाने से 12 मामले प्राप्त किए गए. सभी आवेदनों को त्वरित जांच पड़ताल के बाद निष्पादन के लिए अगली तिथि तक शिकायतकर्ता को रसीद दी गई. कार्यक्रम में एसडीपीओ विष्णुगढ़, बैजनाथ प्रसाद, पुलिस निरीक्षक चुरचू, विद्यावती ओहदार, चरही थाना प्रभारी, गौतम कुमार, चुरचू थाना, हरेन्दर सिंह, अंगो थाना प्रभारी, जानू कुमार, चुरचू सीओ राजमोहन तुरी, अंचल निरीक्षक चुरचू, अमर सिन्हा, एएसआई बैजनाथ प्रसाद, एएसआई जितमोहन महतो आदि उपस्थित थे.

कार्यक्रम के दौरान जनता की शिकायतें सुनते पुलिस अधिकारी.

गुवा गोलीकांड पर विशेष

शहीदों को श्रद्धांजलि देने आएंगे नेता और सेकेंगे राजनीतिक रोटी

गुवा गोलीकांड के शहीदों के मजार पर आज लगेगा मेला

संवाददाता । किरीबुरु

एक बार फिर से 8 सितंबर को गुवा गोलीकांड के शहीदों के मजार पर लगेगा राजनीतिक मेला. शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद सारे नेता विशेष मंच से चुनावी राजनीतिक रोटी सेंकने के साथ-साथ सारंडा के वनवासियों व आदिवासियों को आश्वासन की घूंट पिलायेंगे. ऐसे राजनीतिज्ञों की केवल कथनी होगी, लेकिन करनी कुछ नहीं. कारण यह कि गुवा गोलीकांड जिस आंदोलन की याद दिलाता है, इस गोलीकांड में शहीद हुए लोगों ने जो सपना देखा था, वह आज तक पूरा नहीं हुआ है. सिर्फ शहीदों के आश्रितों को सरकार ने नौकरी देकर खानापूर्ति कर दी. जल, जंगल, जमीन पर मालिकाना हक, जंगल कटाई से संबंधित दर्ज मुकदमे वापस करने, खदानों से निकलने वाले लाल पानी को रोकने, इस लाल पानी से बंजर हुई ग्रामीणों के खेतों का मुआवजा, खदानों से प्रभावित गांव के लोगों को खदान में नौकरी, सारंडा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास आदि में से कुछ भी नहीं हुआ.

गुवा का शहीद स्मारक

क्या है गोलीकांड का इतिहास

झारखंड अलग राज्य अर्थात् झारखंड आंदोलन, वनों पर वनवासियों का अधिकार व गुवा खदान से निकलने वाली लाल पानी से प्रभावित व बंजर हो रही खेतों को नुकसान पहुंचाने से रोकने आदि मांगों से जुड़ी घटना का उदाहरण है गुवा गोलीकांड. इस गोलीकांड में दर्जनों आदिवासी आंदोलनकारी व पांच बीएमपी के जवान शहीद और दर्जनों घायल हुए थे. लेकिन आज भी गुवा स्थित शहीद स्थल पर इस गोलीकांड से जुड़े 10 शहीदों के ही नाम दर्ज हैं. उल्लेखनीय है कि वर्ष 1980 के दशक में झारखंड आंदोलन के नाम पर राज्य के अन्य जिलों से आए ग्रामीणों द्वारा भारी पैमाने पर सारंडा के जंगलों की कटाई कर मैदान बना उस वन भूमि पर कब्जा करने का कार्य चल रहा था. इसके खिलाफ गुवा वन विभाग ने कार्रवाई करते हुये इस अभियान में शामिल लोगों समेत कुछ निर्दोषों को भी पकड़ कर जेल भेजना प्रारंभ कर दिया. हालांकि उस समय झारखंड अलग राज्य को लेकर पूरे राज्य में व्यापक आंदोलन चल रहा था और उसी समय यह कार्य भी सारंडा में झारखंड आंदोलन के नाम पर जारी था. इसके खिलाफ वन विभाग की इस कार्रवाई ने आग में घी डालते हुए दोनों कार्य में लगे लोगों को संगठित कर दिया. इन दोनों आंदोलनों के अलावा उस समय की इस्को की गुवा खदान (अब सेल) से निकलने वाले लाल पानी से सारंडा के गांवों के खेत व नदी-नाले प्रदूषित हो गए थे. इससे भी सारंडा के ग्रामीण नाराज थे. इन तीनों मामलों को लेकर चक्रधरपुर के तत्कालीन विधायक (अब स्व.) देवेन्द्र मांझी के आह्वान पर सारंडा, कोल्हान व पोड़ाहाट रिजर्व वन क्षेत्र के हजारों ग्रामीण 8 सितंबर 1980 की सुबह से ही गुवा में वन विभाग व तब की इस्को प्रबंधन के खिलाफ पारंपरिक हथियारों के साथ संगठित होने लगे. आंदोलनकारियों की मांग थी कि जंगल कटाई के नाम पर फर्जी मुकदमा कर जेल भेजे गये लोगों को रिहा किया जाए व फर्जी मुकदमों को वापस लिया जाए. खदानों से निकले लाल पानी को नदी-नालों व खेतों में छोड़ना बंद किया जाए आदि मांगों को लेकर वन विभाग व इस्को प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी होती रही. इस आंदोलन की विस्फोटक स्थिति को देखते हुए गुवा में धारा 144 लगा बीएमपी व बिहार पुलिस के जवानों को तैनात कर दिया गया.

जिलाध्यक्ष को गिरफ्तार किया तो हुई स्थिति विस्फोटक

आंदोलन में पूर्व विधायक बहादुर उरांव, झामुमो नेता भुवनेश्वर महतो, सुखदेव भगत, सुला पूर्ति आदि आदिवासियों के दर्जनों प्रमुख नेता शामिल थे. सभी आंदोलन का आयोजन करने वाले पूर्व विधायक स्व. देवेन्द्र मांझी के आने का इंतजार आंदोलन स्थल पर करते रहे, लेकिन देवेन्द्र मांझी नहीं पहुंच पाये. इसी बीच आंदोलन व नारेबाजी वन विभाग व इस्को प्रबंधन के खिलाफ तेज होता रहा. आंदोलनकारियों को वन विभाग कार्यालय की तरफ पारंपरिक हथियारों के साथ बढ़ता देख स्थिति को सामान्य व नियंत्रित करने हेतु आदिवासियों के नेता व झामुमो के वर्तमान जिलाध्यक्ष भुवनेश्वर महतो को बीएमपी जवानों ने अरेस्ट कर लिया. इसके बाद स्थिति विस्फोटक हो गई व नारेबाजी और भड़काऊ ब्यानबाजी भीड़ ने तेज कर दिया. साथ ही भीड़ में से कुछ लोगों ने बीएमपी जवानों पर तीर चला दिया, जिसमें बीएमपी के पांच जवान शहीद हो गए व दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई.

जवानों ने अस्पताल में जाकर मारी गोली : इस गोलीबारी में दर्जनों आंदोलनकारी घायल हुए, जिन्हें वर्तमान का गुवा अस्पताल इलाज हेतु ले जाया गया. इस बीच बीएमपी जवानों को पता चला कि घायल आंदोलनकारी गुवा अस्पताल में इलाज के लिए गये हैं, तो जवानों ने वहां पहुंच घायलों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी. इसमें कई मारे गये व दर्जनों घायल हुए थे. इस घटना के बाद लगभग तीन वर्षों तक सारंडा क्षेत्र में दहशत व आक्रोश व्याप्त रहा.

ये हुए थे शहीद

गुवा गोलीकांड में जो आंदोलनकारी मारे गये थे उसमें ईश्वर सरदार (कैरोम), रामो लागुरी, चन्दो लागुरी (दोनों चुर्गी), रेंगो सुरीन (कुम्बिया), बागी देवगम, जीतू सुरीन (दोनों जोजोगुटू), चैतन चाम्पिया (बाईहातु), चुड़ी हंसदा (हतनाबुरु), जुरा पूर्ति (बुंडु), गोंडा होनहागा (कोलायबुरु) शामिल हैं. हालांकि शहीदों व घायलों की संख्या काफी थी. लेकिन उस वक्त पुलिस के डर से लोग सामने नहीं आये अर्थात कुछ मृतकों को गांव में दफना दिया गया. जबकि अनेक घायलों ने जंगल व गांवों में छुप कर अपना जख्म देहाती दवाओं से भरने का कार्य किया. गुवा के शहीदों के आश्रितों को सरकार द्वारा नौकरी दे दी गयी है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष व्यापार भाव गत चंद्र राहु के नक्षत्र पर है. कोई बड़ा निर्णय लेने से बचें. व्यापार के लिए स्थिति सामान्य रहेगी. जीवनसाथी से विवाद हो सकता है. रिश्तों में मधुरता आएगी. जीवनसाथी का सहयोग और सांनिध्य मिलेगा. मछली को चारा दे.

वृष बहुत जरूरी हो तो ही किसी से उधार लें. साथ ही मौसमी रोग से बचें. आमोद-प्रमोद का अवसर प्राप्त होगा. भागदौड़ रहेगी. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी. चींटी को चीनी, सफेद तिल और चावल मिला कर दें.

मिथुन संतान की कार्य विधि पर नज़र रखें. प्रयास अच्छा से किया जाए तो शिक्षा में विशेष लाभ होगा. आपके प्रयास से रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे. पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी. रिश्तों में मधुरता आएगी. भागदौड़ रहेगी. संतान के दायित्व की पूर्ति होगी.

कर्क मानसिक तनाव बढ़ेगा. किसी से विवाद हो सकता है. पर धन की स्थिति सुखद रहेगी. गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी. संतान के दायित्व की पूर्ति होगी. भागदौड़ की स्थिति सुखद रहेगी. पर गुरु भाग्य का साथ देगा. गुरु गायत्री का जाप करें.

सिंह भाई के सहयोग से बिगड़ा कार्य बनेगा. यदि हो सके तो आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं. कोई ऐसा कार्य न करें, जिससे स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा प्रभावित हो. किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा. किसी गरीब को अन्न का दान करें.

कन्या आय के लिये पूर्व में किया गया प्रयास रंग लाएगा. पर खर्च पर नियंत्रण करें. पारिवारिक जीवन सुखमय होगा. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. शासन सत्ता का सहयोग रहेगा. कुत्ता को भोजन दें.

तुला कुछ तनाव को छोड़ दिया जाय तो मानसिक और शारीरिक सुख मिलेगा. जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी. संबंधों में निकटता आएगी. गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी, लेकिन जीवनसाथी से तनाव मिल सकता है.

वृश्चिक आय और धन में वृद्धि होगी.पारिवारिक जीवन सुखमय होगा. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी. अन्न का दान और गायत्री मंत्र का जाप करें.

धनु समय बहुत ही अनुकूल है. आय का नया मार्ग मिलेगा. पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी. उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. आपके मेहनत और ईमानदारी से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा.

मकर सरकारी कार्य में लाभ होगा. किसी रुके हुए सरकारी कार्य में वृद्धि होगी. साथ ही उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. रिश्तों में मजबूती आएगी. दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा. पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. काला कपड़ा और जूता किसी गरीब को दें.

कुंभ सामाजिक कार्य में लाभ लेने का मौका मिलेगा. आलस का त्याग करें. शासन सत्ता से सहयोग लेने में सफल होंगे. सुखद समाचार मिलेगा. व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. किसी वृद्ध की सेवा से बिगड़ा कार्य बनेगा.

मीन किसी से कहा-सुनी हो सकती है. बेकार की बहस से बचें. मित्र से सहयोग होगा. आपके अथक प्रयास से अपनों से रिश्तों में मधुरता आएगी. राजनीतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी. पुरातत्व शक्ति का सुख प्राप्त होगा. लड्डू का भोग लगावें.

10 दिवसीय गणेश महोत्सव शुरू

चतरा । चतरा और हजारीबाग जिले के सीमा में स्थित टंडवा के चुंदरू धाम में 10 दिवसीय गणपति महोत्सव का विधिवत रूप से शुभारंभ किया गया. पर्यटन स्थल चुंदरू में शनिवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई. यहां एक बड़े पंडाल में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई है, जिनकी विधिवत पूजा-अर्चना की जा रही है.

शनिवार को लालगुटवा बैंक्वेट हॉल में हुई बैठक

कांग्रेस की विस्तारित कार्यसमिति की बैठक में विस चुनाव पर मंथन

प्रमुख संवाददाता । रांची

प्रदेश कांग्रेस की विस्तारित कार्यसमिति की बैठक में विधानसभा चुनाव पर मंथन हुआ. शनिवार को लालगुटवा बैंक्वेट हॉल में हुई बैठक में तीन राजनीतिक प्रस्ताव पारित किए गए. इसमें प्रदेश में जातिगत जणगणना कराने, ओबीसी के लिए अलग मंत्रालय का गठन करने और रांची जिला व रांची महानगर कांग्रेस कमेटी की तर्ज पर राज्य के वैसे जिले, जहां नगर निगम कार्यरत हैं, जैसे जमशेदपुर, धनबाद, बोकारो चास, गिरिडीह, हजारीबाग, डालटनगंज एवं देवघर में महानगर कांग्रेस कमेटी का गठन करने का प्रस्ताव पारित किया गया.

हमने जनहित के सारे काम किए : प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि संगठन की मजबूती की दृष्टिकोण से जो भी विचार रखे गए है, उस पर अमल होगा. उम्मीदवार के चयन के साथ कई मुद्दों पर मंथन किया गया. साथ ही साथ नेताओं से फीडबैक भी लिया गया. आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए एक रूपरेखा जल्द तैयार करने का निर्णय लिया गया. उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा और न्याय यात्रा पूरे देश के लिए था.उस यात्रा ने जनता के दिलों में एक छाप छोड़ी, जिस कारण आज हम एक मजबूत विपक्ष में रूप में खड़े हैं. झारखंड में लोकसभा के चुनाव में हमें पिछली बार के मुकाबले 16 लाख मत अधिक मिले. इसे अपनी ताकत के रूप में इस्तेमाल करना है.

जनता की उम्मीदों को कर रहे हैं पूरा : कांग्रेस विधायक दल के नेता और राज्य के मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि हम जनता की उम्मीदों को पूरा कर रहे हैं. मंईयां सम्मान योजना सबसे सबल योजना के तहत हम 48 लाख बेटियों को लाभान्वित करने का काम किया. आज वो आर्थिक रूप से सबल हो रहीं हैं. पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि आज की बैठक आने वाले विधानसभा चुनाव की आगाज है. हमने आज से आगामी विधानसभा चुनाव की शुरूआत कर दी है, हमें पिछले बार से और अच्छे परिणाम देने हैं. बैठक में सांसद कालीचरण मुंडा, धीरज प्रसाद साहू, विधायक प्रदीप यादव, बादल पत्रलेख, सोनाराम सिंकु, शिल्पी नेहा तिर्की, नमन विक्शल कोनगाड़ी, भूषण बाड़ा, राजेश कच्छप, शहजादा अनवर, केएन त्रिपाठी, उपाध्यक्ष ब्रजेन्द्र प्रसाद,प्रदीप तुलस्यान, डॉ जयप्रकाश गुप्ता,आदि बह्रम, प्रदेश महासचिव अमुल्य नीरज खलखो, राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुजनी, मदन मोहन शर्मा, मानस सिन्हा, मणिशंकर सहित कई अन्य शामिल थे.

तीन प्रस्ताव पारित

- झारखंड में जातिगत जनगणना कराने की जोरदार वकालत
- ओबीसी के लिए अलग मंत्रालय बनाने का प्रस्ताव पारित
- रांची की तर्ज पर महानगर व ग्रामीण कमेटी के गठन की भी वकालत

केंद्र अब नहीं कर सकती तानाशाही: सप्तगिरि

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सह झारखंड के सह प्रभारी सप्तगिरि शंकर उल्का ने कहा कि आपकी मेहनती ही आपकी ताकत बनेगी. जनता ने लोकसभा के चुनाव में हमें इनता मजबूत कर दिया है कि केंद्र अब तानाशाही नहीं कर सकता. समय कम है, काम ज्यादा है, कमजोर कड़ी को ढूंढ़ना है और उसे मजबूत करना है.

युवा आजसू की झा. नवनिर्माण संकल्प सभा आज

सरकार को बेरोजगार युवाओं का डेटा सौंपेगा युवा आजसू

संवाददाता । रांची

झारखंड नवनिर्माण संकल्प सभा का आयोजन रविवार को दिन के 11.30 बजे से धुर्वा स्थित प्रभात तारा मैदान में होगा. इससे पूर्व आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो बिरसा चौक, रांची से पदयात्रा करते हुए प्रभात तारा मैदान पहुंचेंगे. पदयात्रा में पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता व बेरोजगार युवा शामिल होंगे, संकल्प सभा के पूर्व सुदेश कुमार महतो गुवा गोली कांड के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे.

नवनिर्माण संकल्प सभा में वरीय उपाध्यक्ष सह गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, केंद्रीय प्रधान महासचिव सह पूर्व मंत्री राम चंद्र सहिस, केंद्रीय महासचिव सह गोमिया विधायक लंबोदर महतो, केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व मंत्री उमाकांत रजक, रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी, केंद्रीय समिति के पदाधिकारी, जिला, प्रखंड, पंचायत समिति के पदाधिकारी, युवा आजसू, आजसू छात्र संघ के पदाधिकारी तथा पार्टी के सभी अनुसंगी ईकाई के पदाधिकारियों के साथ-साथ राज्य के हजारों शिक्षित बेरोजगार युवा शामिल होंगे.

बॉयोडाटा अभियान से जुड़े लाखों युवा

युवा आजसू द्वारा 24 अगस्त से 7 सितंबर तक राज्यभर के बेरोजगार शिक्षित युवाओं को डेटा एकत्रित करने के लिए बॉयोडाटा संग्रह अभियान चलाया गया. इस दौरान प्रदेशभर से ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से प्राप्त हुए बॉयोडाटा को झारखंड नवनिर्माण संकल्प सभा में सरकार के समक्ष रखा जाएगा. अभियान में एक लाख से अधिक युवाओं ने अपना बॉयोडाटा जमा किया है, युवा आजसू द्वारा हर प्रखंड में डोर टू डोर जाकर ऑफलाइन व वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन बॉयोडाटा जमा किया गया है.

अवैध खनन के खिलाफ 566 दिनों से धरना-प्रदर्शन

पलामू । जिले के हुसैनाबाद प्रखंड क्षेत्र में सोहेया पहाड़ बचाओ संघर्ष समिति का अवैध खनन के खिलाफ चलाया जा रहा आंदोलन चरम पर है. समिति के सदस्यों और ग्रामीणों का धरना 566 दिनों से लगातार जारी है. सोहेया पहाड़ की तलहटी में खनन गतिविधियों को रोकने की मांग को लेकर समिति ने 16 फरवरी, 2023 से धरना जारी रखा है. इसके बावजूद प्रशासन द्वारा अवैध खनन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है. संघर्ष समिति के सदस्यों ने प्रशासनिक अधिकारियों, जिला उपायुक्त, खनन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी और अंचल अधिकारी हुसैनाबाद को बार-बार अवैध खनन की जानकारी दी है.

इसके बावजूद आज तक खनन गतिविधियों पर कोई रोक नहीं लगाई गई. समिति के सदस्यों का आरोप है कि पत्थर माफिया और खनन विभाग के बीच गठजोड़ है, जिसके चलते अवैध खनन रुकने का नाम नहीं ले रहा. समिति के सदस्यों ने कहा कि उन्हें खनन माफिया से कई बार धमकियां मिली हैं और उनके खिलाफ गलत मुकदमे भी दर्ज कराए गए हैं लेकिन वे पीछे हटने को तैयार नहीं हैं. उनका कहना है कि खनन बंद कराने के लिए वे अंतिम समय तक संघर्ष करते रहेंगे.

चतरा सांसद व विधायक ने किया पुल का शिलान्यास

संवाददाता । चतरा

जिले के पत्थलगडा और सिमरिया प्रखंड के कई उग्रवाद प्रभावित गावों की बहुप्रतीक्षित मांग भुराही नदी पर पुल का आज शिलान्यास किया गया. चतरा सांसद कालीचरण सिंह और सिमरिया विधायक किशुन कुमार दास ने फीता काटकर शिलान्यास किया. मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना अंतर्गत विधायक किशुन कुमार दास की अनुशंसा पर बरवाडीह में भुराही नदी पर पुल निर्माण कार्य होगा. मौके पर पत्थलगडा और सिमरिया प्रखंड के कई गणमान्य, पंचायत प्रतिनिधि और ग्रामीणों ने सांसद और विधायक के पहुंचने पर यहां पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया. सांसद ने कहा कि ग्रामीणों की बहुप्रतिक्षित मांग पूरी हो रही है. विधायक दास ने कहा कि

उनके कार्यकाल में पत्थलगडा ही नहीं पूरे विधानसभा में दर्जनों पुल व पुलिया के अनुशंसा की गई है. कई पुल बनकर तैयार हो गए हैं. ग्रामीणों ने जो आशा और उम्मीदें रखी थी उसे पर वे हर संभव खरा उतारने में शत-प्रतिशत योगदान दे रहे हैं. यहां के ग्रामीणों के साथ जो वादा किया उसे पूरा कर रहे हैं. भुराही नदी पर पुल बनाने के लिए ग्रामीण वर्षों से आंदोलनरत थे. ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल चतरा के द्वारा यहां उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कराया जाना है.

कोडरमा में डोभा में डूबकर बच्ची की मौत

कोडरमा । जिले के सतगावां थाना क्षेत्र के कटैया पंचायत के चुआंपहरी गांव में शनिवार को तीज पूजा के बाद प्रतिमा विसर्जन के दौरान एक मासूम बच्ची की मौत तालाब में डूबने से हो गई. मृतक बच्ची की पहचान सिकंदर तुरी की 6 वर्षीया पुत्री करिश्मा कुमारी के रूप में हुई है. बच्ची तीज पर्व के बाद गौरा गणेश की प्रतिमा का विसर्जन को लेकर गांव के ही बगल डोभा में विसर्जन के लिए मां सुशीला देवी व अन्य महिलाओं के साथ गई थी. इसी दौरान बच्ची पैर फिसल जाने से गहरे पानी में डूब गयी लेकिन वहां मौजूद बच्ची की मां व अन्य महिलाओं को इसकी भनक तक भी नहीं लगी. जब मूर्ति विसर्जन करने के बाद बच्ची की मां घर पहुंची और उसे खोजने लगी. वह डोभा की ओर गयी तो चीख पुकार मचाने लगी. गांव के ही लोगों की मदद से बच्ची को पानी से बाहर निकाला गया लेकिन तबतक बच्ची की मौत हो चुकी थी.

डोमचांच क्षेत्र के पत्रकार के साथ मारपीट का मामला

थाना में आवेदन देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं, आक्रोश

संवाददाता । कोडरमा

जिले के डोमचांच क्षेत्र के पत्रकार महादेव कुमार दास के साथ मारपीट की घटना हुई. संबंधित नवलशाही थाना में आवेदन देने के बाद भी अबतक कोई कार्रवाई नहीं हुई. शुक्रवार की इस घटना के बाद महादेव की स्थिति गम्भीर होने पर उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. बताया जाता है कि भूमाफिया द्वारा सरकारी जमीन को कब्जा किए जाने की खबर को दैनिक नव प्रदेश के संवाददाता महादेव दास ने सोशल मीडिया पर चलाया था. इसके बाद गांव के कुछ लोगों ने उनके साथ बुरी तरह मारपीट की और अपमानित भी किया. मामले को लेकर उनके द्वारा नवलशाही थाना में आवेदन दिया गया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई. मामले को पत्रकार संघ ने गंभीरता से लिया है और अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर सोमवार को पुलिस अधीक्षक से मिलने और उसके बाद पुलिस महानिदेशक से मिलने का निर्णय लिया है.

इधर, दलित शोषण मुक्ति मंच के जिला अध्यक्ष दिनेश रविदास ने दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है. पीड़ित पत्रकार ने अजीत यादव, बलराम यादव, बिरेंद्र साव, रौनक यादव, राजेश यादव, सुनील यादव, संदीप यादव सहित अन्य 5-6 व्यक्तियों सभी साकिन नवादा के खिलाफ आवेदन दिया है.

पुलिस ने हंगामा कर रहे किन्नर को भेज दिया जेल

पलामू । किन्नरों के दो गुटों में शनिवार को नावाटोली कुंजड़ा पट्टी में तीन घंटे तक बवाल हुआ. अंत में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नेग को लेकर बवाल करने वाली एक गुट की आयशा किन्नर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. इसके बाद दूसरे गुट की किन्नर शांत हुई. दरअसल, आयशा किन्नर और उसके साथियों की मनमानी पर गढ़वा से आई राधा किन्नर उसके साथी ने नावाटोली कुंजड़ा पट्टी में हंगामा किया. सभी आयशा किन्नर को साथ ले जाने पर अड़ी थी. सूचना पर शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने मौके पर पहुंचकर हंगामा कर रहे किन्नरों को समझाया और कार्रवाई करने की बात कही. हालांकि, इसके बाद भी किन्नर उसी जगह पर अड़े रहे. मौके पर बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मियों की तैनाती की गयी थी. थाना प्रभारी ने इसकी पुष्टि की है.

कोडरमा

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के तत्वावधान में होगा आयोजन

10 सितंबर को कैंसर वैन के जरिए होगी जांच

संवाददाता । कोडरमा

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के तत्वावधान में झुमरी तिलैया मारवाड़ी युवा मंच प्रेरणा शाखा द्वारा 10 सितंबर को निशुल्क कैंसर जांच शिविर का आयोजन होगा. इसके लिए अग्रसेन भवन में पोस्टर का विमोचन किया गया. मौके पर मारवाड़ी युवा मंच मंडल एक की सहायक मंत्री श्रेया केडिया ने कहा कि इस निःशुल्क कैंसर जांच शिविर में कैंसर की जांच के अलावा अन्य विभिन्न प्रकार की जांच सेवाएं भी दी जाएंगी. इसमें ग्लूकोज शुगर, वजन, रक्तचाप जांच, विभिन्न प्रकार के रक्त परीक्षण, सीए 125, मैमोग्राफी, एंडोस्कोपी, पैप स्मीयर स्वैप कलेक्शन, एक्स-रे, हेड एंड नेक डेंटल चेकअप जैसी सेवाएं भी शामिल हैं. प्रेरणा शाखा की अध्यक्ष सारिका लड्ढा ने कहा कि इस तरह के शिविर समाज में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण साधन है. उदय सोनी और महेश दारूका ने कहा कि समाज के लिए जो पहल की है, वह वास्तव में तारीफ के काबिल है. इस अवसर पर मंच की उपाध्यक्ष नेहा हिसारिया, शालू चौधरी, कोषाध्यक्ष नेहा बजाज, परियोजना निर्देशक कृतिका मोदी, उषा शर्मा, प्रिया अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, दीपा गुप्ता, स्वेता गुटगुटिया, रश्मि गुटगुटिया, प्रीति गुटगुटिया, और मीणा हिसारिया भी उपस्थित थीं.

कोडरमा में करंट लगने से एक की मौत

कोडरमा । जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत रायडीह मोड के समीप शनिवार को करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई. मृतक की पहचान विकास यादव (28) निवासी ग्राम पूर्णडीह डोमचांच के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार रायडीह मोड़ के पास यह युवक गिरा हुआ पड़ा था. करंट कहीं और लगा है और रायमोड़ के पास पड़ा हुआ मिला. इसकी सूचना उसके घर वालों को और पुलिस को देने के बाद पुलिस के मदद से कोडरमा सदर अस्पताल भेज गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया.

चतरा के लेंबोईया पहाड़ी में सदियों से हो रही गणेश की पूजा

चतरा । जिले के पत्थलगडा प्रखंड के लेंबोईया पहाड़ी में भगवान गणेश की एक प्राचीन प्रतिमा है. यहां का इतिहास बारह सौ साल प्राचीन बताया जा रहा है. यहां प्राचीन मां दक्षिणेश्वरी देवी चामुंडा मंदिर में भगवान गणेश की भी एक दुर्लभ प्रतिमा है, जिनका प्रतिदिन पूजा-अर्चना किया जाता है. यहां आने वाले श्रद्धालु बड़े ही श्रद्धा पूर्वक भगवान गणपति की पूजा अर्चना कर सुखमय जीवन की कामना करते हैं. भगवान गणेश के साथ यहां अन्य देवी देवताओं की प्राचीन प्रतिमा की भी पूजा-अर्चना होती है. झारखंड कला संस्कृति व पुरातत्व विभाग के पूर्व सहायक निदेशक डॉ हरेंद्र सिन्हा ने बताया कि लेंबोईया पहाड़ी में पाल कालीन प्रतिमाएं हैं, जो आठवीं से 10 वीं शताब्दी की हैं.

पेज एक का शेष

मणिपुर में फिर हिंसा...

फिर से दो मिसाइल हमले हुए हैं. इन्हें लगभग 7 किमी की दूरी से दागा गया है. इसे चिन-कुकी नार्को-आतंकवादी समूहों की ओर से घातक हमलों में से एक माना जा रहा है, जिन्होंने आसपास के पहाड़ी इलाकों में शरण ली हुई है.

स्कूल-कॉलेज बंद : इस बीच, मणिपुर सरकार ने शनिवार को राज्य के सभी शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने का आदेश दिया है. साथ ही तनावपूर्ण हालात को देखते हुए सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रहने और उग्रवाद रोधी अभियानों को तेज करने का आदेश दिया है. इससे पहले मणिपुर के पूर्व सीएम मैरेम्बम कोइरेंग के विष्णुपुर जिले में स्थित आवास पर बम से हमला किया गया था. इस हमले में एक बुजुर्ग की मौत हो गई थी और छह अन्य घायल हो गए थे. पुलिस के अनुसार, बम को काफी दूर से फेंका गया था, जो पूर्व सीएम के आवास के परिसर में गिरा. इस घटना के दौरान कोइरेंग और उनके परिवार के सदस्य घर पर मौजूद नहीं थे.

ड्रोन के डर से लोगों ने बंद की लाइट : इससे पहले मणिपुर के बिष्णुपुर और इंफाल पूर्वी जिले के इलाकों में लोगों ने कई ड्रोन देखे जाने के बाद अपनी घरों की लाइट बंद कर दी. बता दें कि हाल में ही इंफाल पश्चिम जिले में दो स्थानों पर लोगों पर बम गिराने के लिए ड्रोन का प्रयोग किया गया था. बिष्णुपुर जिले के नारायणसेना, नाम्बोल कामोंग और इंफाल पूर्वी जिले के पुखाओ, दोलाईथाबी, शांतिपुर में कई ड्रोन देखे गए थे. इसके बाद घबराए ग्रामीणों ने घरों की लाइटें बंद कर दीं. हिंसा को देखते हुए प्रशासन ने शनिवार को राज्यभर में स्कूल और कॉलेजों को बंद करने का आदेश दिया है.

> “ऐसे काम न करें, जिनसे समाज में गलत संदेश जाता है. अच्छे काम करें, ताकि लोग उनसे सीख ले सके
> हमें ऐसे कामों से बचना चाहिए, जिनकी वजह से घर-परिवार और समाज में गलत संदेश जा सकता है.
> हमेशा अच्छे काम करते रहेंगे तो सभी का जीवन सफल हो सकता है. -रामकृष्ण परमहंस”

क्रोध नियंत्रण में रखना है सज्जन की पहचान

कविता कलम

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

क्रोध और क्षमा दोनों मनोभाव हैं. इन पर युगों-युगों से विमर्श होते रहे हैं. अध्यात्म कहता है मोह से उत्पन्न मन के आवेशमय परिणाम को क्रोध कहते हैं. यह मन का स्वाभाविक भाव है. जब कभी प्रतिकूलता आती है तो क्रोध का जन्म होता है. अतृप्त इच्छाएं क्रोध के लिए अनुकूल वातावरण का सृजन करती हैं. क्रोधवश मनुष्य किसी की भी बात सहन नहीं करता. प्रतिशोध के बाद ही शांत होने का अभिनय करता है किंतु दुखद यह कि यह चक्र किसी सुख पर समाप्त नहीं होता. क्रोध एक ऐसी धधकती आग है, जो पल में सबकुछ जला कर खाक करने की क्षमता रखती है. क्षमा भी वैसा ही मनोभाव है, जो क्रोध की आग पर पानी फेरने में सफल होती है. क्रोध पर नियंत्रण आवश्यक है तो क्षमा उसका सबसे सफल माध्यम है. क्रोध उपद्रव का कारण बनता है तो क्षमा शांति स्थापित करती है. क्रोध में जलन है तो क्षमा शीतलता प्रदान करती है. क्रोध पर नियंत्रण बहुत बड़ी विपदा से रक्षा करता है तो क्षमा बिगड़ी बात को पल में बना देने की क्षमता रखती है. जीवन के लिए क्षमा आवश्यक है, लेकिन हर समय क्षमा अच्छी नहीं मानी जाती. दिनकर जी ने कहा है-क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो, उसको क्या जो दंत हीन विषहीन विनीत सरल हो. यह भी सत्य है कि किसी हिंसक प्राणी को क्षमा अहिंसक नहीं बना सकती है. क्षमा के संबंध में कवियों और विचारकों के विचार हैं, लेकिन हमारे मनीषियों ने तो यही कहा है-क्षमा शस्त्रं करे यस्य, दुर्जनः किं ते करिष्यति. अर्थात जिसके हाथ में क्षमा रूपी शस्त्र हो, उसका दुर्जन क्या बिगाड़ सकता है. रांची की

कवयित्री **पुष्पा पाण्डेय** क्रोध और क्षमा के प्रति अपनी अलग ही धारणा रखती हैं. सार छंद में निबद्ध उनका विचार उनकी इस रचना के माध्यम से प्रस्तुत है-

कहते व्यास महाभारत में, क्षमा बड़ा है दान।
क्रोध नियंत्रण में रखना है, सज्जन की पहचान।।
क्षमा संत का बल होता है, रहते हैं वे धीर।
अलंकार है धीरज उनका, खुद को देते पीर।
हुए पराजित कौशिक राजा, ब्रह्म तेज बलवान।
क्रोध नियंत्रण में रखना है, सज्जन की पहचान।।
एकनाथ जी बड़े संत थे, क्षमा किए सौ बार।
हार गया मानव दुर्जन था, देखा धैर्य अपार।
क्षमा वहीं पर शोभा पाती, जहाँ सिद्धि, बलवान।
क्रोध नियंत्रण में रखना है, सज्जन की पहचान।।
कायर कभी नहीं बनना है, करना है तब रोष।
रक्षित हो हिन्दुत्व हमारा , मिलता है संतोष।
देश, धर्म का मान सदा हो, सह न सकें अपमान।
क्रोध नियंत्रण में रखना है, सज्जन की पहचान।।
कालकूट से युक्त फणी का, माफी है अनमोल।
क्षमा दान का अधिकारी हो, तभी मुक्ति का मोल।
सोचे खूब विचारक अब तो, किसमें है कल्यान।
क्रोध नियंत्रण में रखना है ,सज्जन की पहचान।।

मनोविज्ञान के अनुसार क्रोध हमारे सबसे शक्तिशाली रक्षा तंत्रों में से एक है. आपके इरादे चाहे कितने भी अचेतन क्यों न हों, यह उग्र भावना आपके आत्मसम्मान की रक्षा करती है और आपको उस रिश्ते में महसूस की गई भावना के विपरीत शक्ति का एहसास कराती है, जिसने आपको इतना दुख पहुंचाया. इन आत्म-सुरक्षात्मक कार्यों का विस्तार करने के लिए क्रोध आम तौर पर विनाशकारी भावना है. क्रोध तो आग के समान है, लेकिन आग की भी अपनी उपयोगिता है. आग के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती. इसलिए यदि आग है तो उसे जलना चाहिए. रांची से चलकर अब बेंगलुरू में निवास करनेवाली सुप्रसिद्ध कवयित्री **गीता चौबे गूंज** का भी यही मानना है कि आग विध्वंसक ही नहीं उपयोगी भी होती है.

कवयित्री का कहना है-

हर जलनेवाली आग
विध्वंसक नहीं होती,
कुछ सकारात्मक भी
होती है जैसे ढिबरी की आग
जो रोशनी दिखाकर सही मार्ग प्रशस्त करती है.
जैसे चूल्हे की आग जो स्वयं जलकर
दूसरों को सुकून प्रदान करती है.
चूल्हे की इस जलती आग ने जठराग्नि को बुझाने का
संकल्प लिया है. लोहा लोहे को काटता है
वैसे ही एक आग दूसरी आग के काम आती है.
आग ही आग का मर्म समझती है जैसे औरत की संवेदना
औरत से अधिक कौन समझ सकता है!
तसली में जब भात पकता है तो उसके साथ
खदबदाती है एक माँ की आस मचल उठती है भूख
बढ़ जाती है प्यास क्योंकि मुट्ठी भर भात
पूरे कुनबे की क्षुधा-तृप्ति में स्वयं को असहाय पाती है,
ऊंट के मुंह में जीरा कहावत और पुख्ता हो आती है.

गीता जी जब आग की महिमा का बखान करती हैं तो बरबस ही चूल्हा-चौके की याद आ जाती है. ऐसा क्यों न हो? चूल्हे चौके ही तो मानव जीवन के आधार हैं. इनमें केवल क्षुधा शांत करने की ही क्षमता नहीं है, बल्कि ये परस्पर स्नेह और सबल संबंधों के प्रतीक भी हैं और कारण भी. इन्हीं की बदौलत याद आती हैं जीवन संगिनी, मां, बहनें, बेटियां. जमशेदपुर की

कवयित्री **सविता सिंह मीरा** की इस रचना में कुछ ऐसा ही भाव है, जिसमें स्नेह के रिश्ते गहराई तक महसूस किये जाते हैं. कविता का नायक मन ही मन कहता है-

क्या कहूं तुझको प्रिये
जब भी जाऊं ऑफिस तो
ध्यान रहता है बस उधर, कब बजें दोपहर के डेढ़
निकालूं कब अपनी टिफिन. भूख की नहीं है कोई तड़प
बस तीन डिब्बों में दिखता मेरे अपनों का स्नेह दुलार
बहन, मां, भार्या देती जब टिफिन, हो जाता मन भाव विभोर.
चाहे ठिठुरन भरी हो ठंड या फिर झुलसती गर्मी
पर जब तैयार करती वह टिफिन तब मौसम नहीं होता हावी.
पुत्र, पुत्री, भाई, पति का प्रेम सेहत ही होता प्रमुख.
कैसे बंध जाती यह डोर एहसान भी नहीं जताती
बस वो अपना फर्ज निभाती. जब आता हूं लौट कर घर
खुशियां तैर जाती उनके चेहरे पर, हाथों से लेती वह टिफन का डब्बा
खोल कर देखती झांकती कहीं कोई खाना तो नहीं छूटा.
जब पाती वह डब्बा खाली चेहरे पर मुस्कान तैर जाती
महसूस करता हूं उनकी भावनाएं मन ही मन प्रभु की लेता बलाएं
कितना मोहक यह रिश्ता बनाए खुशी से बाछे मेरी खिल जाए
दूर करें ईश्वर अपशकुन सारे इन्हें किसी की नजर न लग जाए.

भादो के साथ चहलकदमी करती बरसात अब जाने की तैयारी में है, लेकिन दिल कहता है-अभी न जाओ छोड़ कर कि दिल अभी भरा नहीं. जो आता है, उसे तो जाना भी पड़ता ही है. इसलिए यह बरसात भी आश्विन के साथ ही चली जाएगी, लेकिन उसका सुहाना रूप तो याद रहेगा ही.

वरिष्ठ कवयित्री **प्रभा कुंडल** की यह रचना तो वर्षा ऋतु के उसी सुहाने रूप को प्रकाशित कर रही है. इनकी रचना का शीर्षक है-रूप सुहाना बारिश का.

घूंघट की ओट लेकर बादलों से दामिनी ने दीप जलाए.
घनघोर बारिश में भी विद्युत सी चमक चमकाए.
शीतल मंद बयार भी, सृष्टि संग रास रचाए.
धानी चुनर पहन, धरती भी मुस्काए.
कोयल, चातक, मोर , पपीहा अपनी राग सुनाए.
मेंढक दादुर भी, अपनी मस्ती में गाएं.
बारिश की शीतल फुहारें मन में प्रेम जगाए.
बारिश के झूलों की, लंबी पींगे.
प्रणय निवेदन कर जाए.

जीवन में मौसमों का चक्र भी आवश्यक है. गरमी के बाद बरसात आयी तो इसके बाद शरद ऋतु का आनंद भी ले लिया जाये, लेकिन प्यारे बादलों से निवेदन अवश्य ही होगा-फिर आना, हमें भूल न जाना. इसी के साथ लेते हैं विश्राम. जय हिंद! जय झारखंड!!

दूध में दरार पड़ गई

खून क्यों सफ़ेद हो गया?
भेद में अभेद खो गया।
बँट गये शहीद, गीत कट गए,
कलेजे में कटार दड़ गई।
दूध में दरार पड़ गई।
खेतों में बारूदी गंध,
टूट गये नानक के छंद
सतलुज सहम उठी, व्यथित सी बितस्ता है।
वसंत से बहार झड़ गई
दूध में दरार पड़ गई।
अपनी ही छाया से बैर,
गले लगने लगे हैं ग़ैर,
ख़ुदकुशी का रास्ता, तुम्हें वतन का वास्ता।
बात बनाएँ, बिगड़ गई।
दूध में दरार पड़ गई।

- अटल बिहारी वाजपेयी

प्रवासियों का देश

चौराहा

प्रमोद कुमार झा

आप देखते, सुनते, पढ़ते आये होंगे कि कैसे प्रवासियों के जीवन में कभी स्थायित्व का बोध नहीं हो पाता! आप थोड़े दार्शनिक रूप में कह सकते हैं कि यह संसार भी तो एक सराय है. फिर तो सबको अपने घर लौट ही जाना है. आत्माओं का अंततः मिलन परमात्मा से ही तो होना है. ज्ञानियों ने कहा कि इंसान की मुक्ति उसके अपने जीवन की कृत्यों पर निर्भर करता है! कोई भोग-विलास, लिप्सा में अपने अंत तक आकांक्षाओं के संग शरीर त्याग करता है और एक बार फिर जन्म से मृत्यु के चक्र में फंस जाता है. बड़ी विचित्र सी बात लगती है, जब हम सभी लोगों के मूल स्थान के बारे में सोचने लगते हैं. 'बेहतर' जीवन की तलाश में मनुष्य अपने मूल स्थान को छोड़कर बेहतर अवसर, सुविधा की तलाश हो या बेहतर रोजगार या आर्थिक प्रगति के अवसर हों. मानवशास्त्री और जैव विज्ञानी भले ही सारे मनुष्यों के मूल स्रोत एक मानते हों, पर कालांतर में ₹सभ्य₹ मनुष्य में सबसे बड़ी 'बीमारी' अपने नस्ल, देश, सम्प्रदाय और जाति की श्रेष्ठता का दम्भ हो गया है. हम सभी नाज़ी जर्मनी में यहूदियों के विरुद्ध हुए अमानवीय अत्याचार की कहानी भूले नहीं है. आर्यों ने मध्य पूर्व एशिया से पूर्वी देशों में अपनी जगह बनाई और पूरा साम्राज्य ही बना लिया है. सारे भारत में आर्यों ने अपना सिक्का जमा लिया और यहां के मूल निवासियों के मूल अधिकार का ही हनन करने लगे. उन्हें जल, जंगल, जमीन से भी विलग करने लगे. भारत में जनजातियों के अस्तित्व पर ही खतरा मंडरा रहा है. उनकी संस्कृति, सभ्यता, प्राकृतिक सोच और प्रकृति पूजा की मान्यताओं को अलग अलग ढंग से मिटाने की कोशिश की जाती रही. भौगोलिक,राजनैतिक और सामरिक सत्ता के बटवारे ने मानव जीवन संकट में आ गया है. मजदूर के रूप में गए मॉरीशस में भारतीय मूल के लोग कई बार वहां के प्रधान मंत्री बने. अमेरिका में केन्याई मूल के बराक ओबामा राष्ट्रपति बने, भारतीय मूल की कमला हैरिस अमेरिका के आगामी चुनाव में प्रबल दावेदार हैं. भारतीय मूल के लोग सिंगापुर, इंडोनेशिया, मलेशिया, कंबोडिया आदि अनेक देशों में भारतीय मूल के लोग सशक्त हैं. भारत के लाखों तकनीकी विशेषज्ञ अमेरिका, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस, नॉर्वे, स्वीडन, कनाडा आदि देशों में भारतीयों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है. चाहे राजनीतिक स्तर पर जो भी उक्तियां दी जाएं संसार प्रवासियों से ही बना है. अण्डमान और निकोबार के जंगलों को काटकर विकसित करने के लिए छोटानागपुर क्षेत्र के जनजातीय लोगों को ले जाया गया. उन्होंने अपनी मिहनत से उसे खेती योग्य ही नहीं बनाया, वहीं के होकर रह गए. देश के उत्तर पूर्व के चाय बागानों की अर्थव्यवस्था के विकास में छोटानागपुर के कर्मठ जनजातियों के सबसे बड़ा योगदान रहा है. हज़ारों परिवार अब वहीं असम के विभिन्न क्षेत्रों में ही रच बस गए हैं. राजनीतिक विद्वेषों से उनपर यदा कदा आघात होता रहता है. अगर वर्तमान भारत के इतिहास का बिना किसी पूर्वाग्रह के अध्ययन करें तो पाएंगे कि यह भी प्रवासियों का ही एक देश है और ये भी एक निर्विवाद सत्य है कि सब को एक दिन अपने ₹घर₹ लौट जाना है!

भरत कूप अब कहिहहिं लोगा, अति पावन तीरथ जल योगा

यायावर

डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

चित्रकूट में अनेक दर्शनीय पवित्र स्थल हैं -राम घाट, जानकी घाट, लक्ष्मण घाट, गुप्त गोदावरी, कामतानाथ, सती अनुसूया आश्रम, हनुमान धारा, तुलसी पीठ, भरत कूप, स्फटिक शिला, तुलसी की जन्मभूमि राजापुर आदि. चित्रकूट की भूमि वह पवित्र भूमि है, जहां प्रभु श्रीराम 14 वर्षों की वनवास की अवधि में लगभग 12 वर्ष चित्रकूट में रहे. प्रभु श्रीराम के वनगमनोपरांत भरत जी अपने ननिहाल से शत्रुघ्न जी के साथ-साथ अयोध्या आए और जब उन्हें पता चला कि भैया राम सीता मैया और अनुज लक्ष्मण के साथ 14 वर्षों के लिए तपस्वी के वेश में वनवास चले गये हैं और पिता श्री की मृत्यु उनके वियोग में हो गई है, तब अत्यंत दुखित हुए. इन सारे प्रकरणों में अपने को कारण मानकर दुःख के सागर में डूब गयेः-

भरतहि बिसरेउ पितु मरन, सुनत राम वन गौन.
हेतु अपनेउ जानि जिय, थकित रहे धरि मौन.

भरत परिजन पुरजन सहित प्रभु श्रीराम को मनाने के लिए चित्रकूट गये. वे अपने साथ सभी नदियों और तीर्थों का पावन जल प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक के लिए लेकर गये थे. अत्रि मुनि के कहने पर उन्होंने उस जल को पर्वत के समीप ही एक कुआं में रखवा दियाः-

अत्रि कहेउ तब भरत सन, सैल समीप सकूप.
राखिअ तीरथ तोय तहं, पावन अमिय अनूप.

तब से उस कूप का नाम भरत कूप पड़ गया. आज भी वह कूप भरत कूप के नाम से जाना जाता है. इस कूप के पवित्र जल से स्नान करने पर प्राणी निर्मल और परम पवित्र हो जाते हैं.

महाकवि गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस में इस भरत कूप की महिमा का वर्णन करते हुए लिखा है किः-

भरत कूप अब कहिहहिं लोगा.
अति पावन तीरथ जल जोगा.
प्रेम सनेम निमज्जत प्रानी.
होइहहि बिमल कर्म मन बानी.

चित्रकूट के दर्शनीय स्थलों में भरत कूप एक महत्वपूर्ण स्थल है. भरत कूप चित्रकूट से कोई 20 किलोमीटर दूर एक रमणिक पर्वत के समीप भरतपुर गांव में स्थित है. वहां एक सुंदर मंदिर है, जिसमें राम लक्ष्मण जानकी के साथ भरत शत्रुघ्न की भी मूर्ति स्थापित है. वहां एक सरकारी मध्य विद्यालय भी स्थापित है. जहां एक ओर इस विद्यालय में नामांकन के लिए मारा-मारी होती है, वहीं भरत कूप के जगत पर स्नान करने वालों का तांता लगा रहता है. भरत कूप विश्व का अकेला ऐसा कूप है, मंकर संक्रांति के पावन पुनीत अवसर पर स्नान करने वालों की संख्या दो लाख से ऊपर होती है. ऐसी किंवदंती है कि भरत कूप में स्नान करने वालों को सारे तीर्थो का पवित्र फल(धर्म अर्थ,काम और मोक्ष) एकत्र प्राप्त हो जाते हैं. चित्रकूट आने वाले भक्त अवश्य ही भरत कूप के जल से स्नान कर अपने पापों का प्रक्षालन करना चाहते हैं. भरत कूप की प्राकृतिक सुंदरता अनुपम एवं अद्वितीय है.

नाश्ता और आस्था दोनों जरूरी

नश्तर

सुधीर राघव

नाश्ता और आस्था दोनों जरूरी हैं. जैसे कुछ भी खा लेना नाश्ता नहीं है, वैसे ही कुछ भी मान लेना आस्था नहीं है. स्वस्थ जीवन के लिए नाश्ता हल्का और पौष्टिक होना चाहिए. उसमें फल और सलाद जैसे कुछ कच्चे भोज्य शामिल हों. इसी तरह मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि हमारी आस्था शिक्षा में हो. आस्था आंखें मूंदने वाली नहीं, बल्कि आंखें खोलने वाली हो. विवेक की आंख ही, इंसान का तीसरा नेत्र है. जो ध्यान विवेक की आंख खोल दे, वही आस्था है. फिरकू फिरकी ले रहा है - मुझे भगवान ने धरती पर भेजा है. कुछ करने आया हूं, कुछ करके जाऊंगा. विवेक से अंधे भक्त फिरकू की इस फिरकी पर झूम रहे हैं. वे समझ ही नहीं पा रहे कि अगर फिरकू को भगवान ने भेजा है तो उन्हें भी भगवान ने ही भेजा है. वे भी उसी रास्ते इस दुनिया में आए हैं, जिससे फिरकू आया है. तब फिरकू फिरकी क्यों ले रहा है?

फिरकू फिरका परस्त है, इसलिए उसे कोई सवाल नहीं चाहिए. वह खुद ही सवाल करता है और खुद ही जवाब देता है. वह भक्तों की भीड़ से पूछता है कि बताओ किसको अच्छे दिन चाहिए? फिर खुद ही जवाब देता है - अच्छे दिन सबको चाहिए. यह सुनकर भक्त निहाल हो जाते हैं. सबको लगता है फिरकू अंतर्यामी है. ये बाबा सबके मन की बात जानता है. सचमुच सभी अच्छे दिन चाहते हैं. भक्तों की भीड़ हाथ उठाकर नाचती हैं. गाती है - फिरकू फिरकू! इधर भी सरकूं! उधर भी सरकूं! पुण्य कमाऊं, जाऊं घरकूं! भक्तों की भीड़ पर भक्त ही फूल बरसा रहे हैं. नाम फिरकू का हो रहा है. भक्तों के बटुए खाली हो रहे हैं, माल फिरकू पर चढ़ रहा है. भीड़ में पांव भक्तों के कुचले गए हैं. हल्दी चंदन का लेप फिरकू को लग रहा है. मीडिया इसे आस्था का मेला कह रहा है. मगर इससे बेहतर गोलगप्पे का ठेला है. जिसके चटपटे पानी के लिए भीड़ जुटती है. फिरकू तो बस अपनी दो कौड़ी की बातें बेच रहा है. भीड़ इस उम्मीद से आ रही है कि उनके जीवन में भी चमत्कार होगा. मगर कोई चमत्कार नहीं होता. सिर्फ खास चेले चमत्कार की कहानी सुनाते हैं. इधर अक्ल के अंधों के बाजार में आस्था का धंधा जोरों पर है, उधर धर्म अपने लिए किसी जाग्रत विवेक वाले को ढूंढ रहा है. मगर धर्म की राह कोई नहीं जा रहा, क्योंकि फिरकू ने फिरकी छोड़ दी है कि धर्म का ठेका उसके पास है.

बिना आंखों वाली पेंटिंग्स से बनी अनुपम की पहचान

कला-संवाद

मनोज कुमार कपरदार

आंखों को अक्सर सच्चाई, स्पष्टता, प्रकाश, दृष्टि, भविष्यवाणी, जागरूकता और अवलोकन से जोड़ा जाता है, लेकिन जमशेदपुर के अनुपम पाल ने बिना आंखों वाली पेंटिंग्स बना कर अनोखी पहचान बनायी है. बचपन से ही ड्रॉइंग बनाने का शौक रखने वाले अनुपम पाल माता-पिता से छिपकर कॉपी के पीछे ड्रॉइंग बनाते थे, जिसके कारण कई बार उन्हें डांट भी पड़ती थी. कई बार उन्होंने माता-पिता से छिपाकर ड्रॉइंग प्रतियोगिताओं में भाग लिया. धीरे-धीरे कला के क्षेत्र में पुरस्कार मिलने लगे, तब माता-पिता ने उन्हें रवींद्र भवन, जमशेदपुर में ड्रॉइंग सीखने के लिए दाखिला कराया. इसके बाद उन्हें हमेशा माता-पिता का समर्थन मिला.

अनुपम पाल की कला ने समय के साथ एक अद्वितीय स्थान बनाया है. बिना आंखों वाली पेंटिंग्स इनकी विशेषता बन चुकी हैं, जो इनकी कला की रहस्यमयी और गहन प्रकृति को उजागर करती हैं. अनुपम का मानना है कि आंखें एक व्यक्ति की आत्मा का प्रतिबिंब होती हैं और उनकी गैरमौजूदगी से दर्शक को पेंटिंग्स की गहराई में जाने और उनके भीतर छिपे अर्थों को समझने का मौका मिलता है. उनकी पेंटिंग्स की मांग दुनिया भर में है और उनकी कलाकृतियों को अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनियों में प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है. अनुपम पाल ने अब तक 150 से अधिक आर्ट एग्जीबिशन, आर्ट कैंप और आर्ट रेजिडेंसी में भाग लिया है. उनकी पेंटिंग्स आज भारत की प्रमुख ऑनलाइन और ऑफलाइन गैलरीज में देखी जा सकती हैं और लाखों में बिकती हैं. उनकी पेंटिंग्स में न केवल भारतीय, बल्कि विदेशी कला प्रेमियों की भी बड़ी रुचि है.

हाल ही में, अनुपम की कुछ पेंटिंग्स को संजय लीला भंसाली की फिल्म हीरामंडी के लिए लाइफस्टाइल एशिया मैगजीन के कवर फोटोशूट में चुना गया. यह पहली बार है जब किसी फिल्म के कवर फोटोशूट के लिए पेंटिंग्स का उपयोग किया गया है और यह अनुपम की कला के महत्व को दर्शाता है. यह उपलब्धि कला के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और अनूठी शैली की पहचान का प्रतीक है. अनुपम की कला यात्रा एक प्रेरणादायक कहानी है. इनका सफर जमशेदपुर की गलियों से शुरू हुआ और अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचा. इनकी सफलता की कहानी उनके परिवार के समर्थन और इनकी अटूट मेहनत का परिणाम है. अनुपम पाल ने अपनी कला के माध्यम से जमशेदपुर और भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर ऊंचा किया है.

इनकी मां मौसमी पाल और पिता शिशिर पाल ने हमेशा उन्हें प्रोत्साहित किया और इनके सपनों को साकार करने में मदद की. अनुपम की पत्नी शारबानी पाल ने भी हर कदम पर उनका साथ दिया. उनके परिवार का समर्थन कला के प्रति उनकी निष्ठा को और मजबूत बनाता है. अनुपम पाल की कला यात्रा उन सभी के लिए प्रेरणादायक है, जो अपनी कला के माध्यम से दुनिया को कुछ नया देना चाहते हैं. इनकी पेंटिंग्स की रहस्यमयी और आकर्षक शैली कला प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर देती है और इनकी सफलता की कहानी इनके परिवार की प्रेरणा और समर्थन का प्रमाण है. अनुपम की यह अनूठी यात्रा भविष्य में भी कला जगत में नई ऊंचाइयों को छूने का संकेत देती है. इनकी कला ने यह साबित कर दिया है कि जुनून और समर्पण से हर चुनौती को पार किया जा सकता है.

आखर

किरण निशांत

कहानी

मास्क

खुशगवार व्यक्तित्व के पीछे से असली वाली एक दुखी आत्मा अवतरित होने लगी. उसी दुख को जिस पर दुनिया आमतौर पर मजे लेती है.

एक बड़े-से संस्थान के ऊंचे पद पर कार्यरत रोमा चौधरी गंभीर, सक्षम, खुद्दार और कर्मठ महिला अधिकारी हैं. आज छुट्टी के दिन, सर्दियों की धूप सेंकतीं, उनकी निगाह अखबार के एक समाचार पर गयी- लिखा था- "एक पत्नी ने अपने पति के अत्याचारों से तंग आकर पति की हत्या कर दी". ये कैसी खबर है? आम तौर पर तो पत्नियां, अत्याचार से तंग आकर आत्महत्या कर लेती हैं. यह कैसी दुसाहसी पत्नी है, जिसने पति को ही मार डाला? वही पति, जिसके दीर्घायु होने की कामना करती पत्नियां तीज-त्योहार, उपवास किया करती हैं. उसे ही मार डाला...! सही कहते हैं, कलियुग आ गया है... घोर कलियुग... धूप में बैठी-बैठी वह सोच में डूबने उतारने लगी... कैसी होगी वह? क्या- क्या सोचती होगी? कैसे किया होगा यह सब कुछ? वह भी तो पिछले तीस वर्ष से सुमित की सभी ज्यादतियां सह रही है. उसके साथ सुमित का अपमानजनक व्यवहार, घर में हमेशा सदा हिटलरी अंदाज में रहना, रोमा की कोई बात नहीं सुनना... अपमान और केवल अपमान... कई बार तलाक लेने का खयाल भी आया. पर सोचती ही रह गयी, नहीं ले पायी. उसकी तो इतनी भी हिम्मत नहीं हुई कि इस विषय पर किसी से बात कर सके. समाज उनकी छवि एक आदर्श कपल की जो थी. उनसे इतना भी नहीं कहा गया कि आइडियल कपल जैसी कोई बात होती ही नहीं है. सब कुछ समझौते पर निर्भर होता है. रिश्तों में कहीं एक को तो, कहीं दोनों को, लेकिन समझौते तो करने ही पड़ते हैं. विशेष रूप से अगर दोनों सक्षम, समर्थ व्यक्तित्व हों.

धूप तेज होने लगी थी, लेकिन रोमा अपनी जगह से हिल भी नहीं रही थी. एक धुन-सी जो चढ़ गयी थी. वह बस आज कुछ नहीं कर केवल अपने चेहरे पर ओढ़े मुखौटों के हिसाब-किताब में उलझे रहना चाहती थी. आज बहुत दिनों बाद फुर्सत में जो बैठी थी. वे सोच में पड़ गयी थीं- लोग अपने चेहरे पर कितने-कितने मुखौटे लगाए रहते हैं. पहचान में ही नहीं आता-कौन असली है, कौन नकली...

एक मास्क उसके चेहरे पर भी है, एक मुखौटा उसकी जिंदगी में भी है, सुमित नाम का. सुमित सामान्यतया एक सभ्य, सुशील, समझदार, संवेदनशील, सहज, सुलझा हुआ व्यक्ति, लेकिन जब उसका मुखौटा उतरता है, कोई भी आश्चर्य में पड़े बगैर नहीं रह सकता. यह कोई सुलझा हुआ संवेदनशील आदमी तो छोड़ो, एक सामान्य व्यक्ति भी नहीं है. यह बात अलग है कि उसका मुखौटा कभी-कभी ही उतरता है, लेकिन जब उतरता है, हर बाधा तोड़ कर उतरता है. बहुत ही कम बोलने वाले सुमित गलियां भी दे सकते हैं, यह कोई सोच भी नहीं सकता; और वह भी अपनी सुशील, विदुषी पत्नी को. कई बार घर के लोग के सामने भी सुमित का यह मुखौटा उतर गया है. आश्चर्य से भरे परिवार वाले कनफ्यूज हो जाते हैं. क्या यह सुमित ही हैं? वैसे रोमा, उस मुखौटे से बखूबी परिचित है. हर पल का साथ जो है.

दूसरी ओर तृप्ति है. हर वक्त मुसकुराती रहने वाली तृप्ति. किसी की भी सहायता करने को हर वक्त तत्पर. चुलबुली-सी. रोमा के इस ऑफिस में आने के बाद से तृप्ति उसे एक दोस्त के रूप में मिली. रोमा ने कभी तृप्ति से उच्च अधिकारी की तरह व्यवहार नहीं किया. उसे कभी एक कम उम्र की, अपने अधीन काम करने वाली कनिष्ठ अधिकारी नहीं समझा. खुशदिल तृप्ति के बिंदास व्यक्तित्व को रोमा ने हमेशा पसंद किया. कहां मिलते है ऐसे लोग आजकल ?

जिसको देखो उदासी की चादर ओढ़े, गंभीर बना, और कभी चाटुकारिता से लैस ही दिखता है. चेहरे पर ओढ़ी गई गंभीरता जैसे ऑफिस में काम करने वाले लोगों के व्यक्तित्व का एक हिस्सा हो.

रोमा, खुद से हट कर अब तृप्ति के बारे में सोचने लगीं. रोमा के ऑफिस का एक रूटीन-सा था. रोमा के ऑफिस पहुंचती कि तृप्ति का हंसता- मुसकुराता चेहरा, दरवाजे को ठेलता, उसके चैंबर में गुड मॉर्निंग कहता आ दिखता था. जब कभी तृप्ति छुट्टियों पर होती, रोमा का वह दिन उदास बीतता, जैसे कुछ खो गया हो. दिन किसी तरह बिता कर वापस घर लौट आती. उस दिन ऑफिस में जैसे समय ही नहीं बीतता था, और उसे घर जाने की जैसे जल्दी सी मची रहती. मानो वह ऑफिस काम करने नहीं, तृप्ति के साथ कुछ खुशगवार पल जीने की लालसा में ही जाती थी. रोमा को तृप्ति की उपस्थिति खुश करती तो उसकी अनुपस्थिति उसे उदास कर जाती.

वह अक्सर ही अपने आप से सवाल करने लगती- "तृप्ति इतनी खुश कैसे रहती है?" कई बार वह पूछ ही बैठती, "इतनी खुश कैसे रहती हो यार, हजार गम हैं जिंदगी में, परेशानियां हैं, जिन्हें झेलते-झेलते हर कोई परेशान है और एक तुम हो जो हमेशा खुशगवार बनी रहती हो! मैंने देखा है, ऑफिस में कुछ लोग तुम्हें परेशान करते हैं, लेकिन तुम उन परिस्थितियों को बड़े आराम से, बिना किसी प्रतिकार के टाल जाती हो." रोमा जानती है- जानती क्या है, सब देखती है. कुछ लोग ऑफिस में विभाग के जरूरी कामों के साथ-साथ एक दूसरे को परेशान करने, नीचा दिखाने की कोशिश में ही लगे रहते हैं. यह हर जगह आम बात है. जैसे ऑफिस में महिलाओं की उपस्थिति मनोरंजन का एक साधन हो. उनकी रूमानियत रंगीनी बनी रहती है. तृप्ति को जब भी कोई वरिष्ठ अधिकारी डांट दे, तो कुछ पल को तो उसके चेहरे पर मायूसी छा जाती है, पर दूसरे ही पल चिर-परिचित मुस्कान उसके चेहरे पर छा जाती. उसके चेहरे से गुस्सा या उदासी क्षण भर में आसमान पर छाये बेमौसम बादल की तरह छंट जाते.

रोमा को हमेशा से सोचते रहने, अकेले बैठ कर खुद से बाते करने की आदत थी. सदा सोचते रहना और कुछ ज्यादा ही सोचते रहना, तभी तो, रात में सोने जाने पर उसे कितनी भी थकान हो, जल्दी नींद ही नहीं आती थी, सोचती ही जाती और फिर कब नींद आ जाती पता ही नहीं चलता था. कई बार तो अच्छी भली सो रही होती है और जब नींद खुलती तो लगता वह किसी से बात ही कर रही थी, सोच ही रही थी.

रोमा चौधरी ने कई बार तृप्ति के बारे में कई अफवाहें सुनी थी. लेकिन उसने कभी उन बातों पर ध्यान नहीं दिया था. दफ्तरों में महिलाओं के बारे में इस तरह की बातें होती ही रहती हैं. इसलिए कभी आगे बढ़ कर उससे कुछ पूछा भी नहीं. रोमा का मानना था कि अगर दोस्ती की गांठ मजबूत होगी तो तृप्ति कभी खुद ही उसे बतायेगी. वह चाहे लाख संभल कर बात करे, लेकिन उसके चेहरे का सदा खुश रहने वाले मास्क को सरकना ही है.

अभी उस दिन की बात है, रोमा अपने चैंबर में फाइलों में डूबी परेशान बैठी थी कि कुछ पूछती हुई तृप्ति अंदर आयी. रोमा ने फ़ाइलों से नजर उठा कर तृप्ति की ओर देखा. उसके चेहरे पर सदा बिखरी रहने वाली मुस्कुराहट कहीं खो गयी थी. उसकी जगह एक उदासी ने ले ली थी. बड़ी-बड़ी आंखों की चमक कहीं लुप्त हो गयी थी.

काम में उलझी हुई रोमा को मज़ाक सुझा, वह अपने टेबुल पर कुछ ढूंढने का स्वांग करने लगी. तृप्ति पूछ बैठी –'क्या ढूंढ रही हैं मैडम?'

अरे भाई, तुम्हारे चेहरे की मुस्कुराहट... जो कहीं खो गयी है, उसे ही ढूंढ रही हूं. कहां गई वह? तृप्ति एक फीकी-सी हंसी हंसती मुस्कुरा पड़ी- 'आप भी न मैडम...'

'क्या हुआ? चेहरा क्यों सूजा हुआ है तुम्हारा? कहां छोड़ आयी अपने चेहरे पर सदा खिलने वाली हंसी ?

हर वक्त तृप्ति का मुस्कुराता चेहरा, प्रफुल्ल, आनंददायी व्यक्तित्व देखते हुए रोमा ने मान लिया था कि उसे कोई कष्ट या परेशानी ही नहीं है.

फिर तो वो हुआ जिसकी उम्मीद नहीं थी. तृप्ति के चेहरे पर चस्पा हंसी का मास्क धीरे-धीरे खिसकने लगा. खुशगवार व्यक्तित्व के पीछे से असली वाली एक दुखी आत्मा अवतरित होने लगी. उसी दुख को जिस पर दुनिया आम तौर पर मजे लेती है. लोगों के मजे लेने को नकारने के लिए ही उसने अपने सारे दर्द को पीकर अपने चेहरे पर एक मास्क लगा लिया था. खुशगवार इंसान का. लेकिन आज बरसों के अथक प्रयासों से अपने चेहरे पर सजाया उसका मास्क गर्म तवे पर सहानुभूति की एक बूंद पड़ते ही गिर पड़ा.

कुछ पल ही बीते होंगे कि एक झटके से तृप्ति के चेहरे का मास्क हटा और जमीन पर गिर कर छन से टूट गया. उसके चेहरे से पहले तो उसकी नकली हंसी, मस्ती का आलम छंटा, फिर रंग बदलने लगे. उदासी, रिक्तता, दुख और फिर फूटती रुलाई... कुछ पलों में ही उसके चेहरे पर कितने भाव आये और गये, रोमा के लिए बताना थोड़ा मुश्किल था. आंसुओं से भींगा चेहरा पल भर को उठा, दोनों की आंखें मिली, फिर झुकीं आंखों से बादल बरसने लगे, जो चेहरे के साथ ही तृप्ति के कुर्ते को भी भिगोने लगे थे. रोमा सहम-सी गयी थी. पता नहीं जो बादल बरस रहे थे, कब से उसके अंदर उमड़ घुमड़ रहे होंगे. एक ठहरी हुई नदी मानो बह चली हो, मानो उसमें बाढ़ आ गयी हो, जो हर बाधा तोड़ कर बहती चली जा रही हो. मानो कोई तूफान आ गया हो. रोमा ने भी उसे टोका नहीं था. उसके आंसुओं को बहने दिया. रोमा जानती है हर किसी की जिंदगी में कई कई अंधेरे बंद कमरे होते है, जहां हम दुनिया से छुपा कर, उस तहखाने में कई स्मृतियां दफन कर देते हैं. जब कभी मन उदास होता है, उधर का चक्कर भी लगा लेते हैं. पर अपने सिवा जल्दी किसी को उस तहखाने में प्रवेश नहीं करने देते हैं.

उसने भी उन आंसुओं को बहने दिया था. मानो ठान रखा हो कि बहुत हो गया छुपना-छिपाना, यह छुपा-छुपी का खेल. आज और अभी जो दिल में है वो बाहर आना ही चाहिए. और हुआ यह कि कई दुख भरी कहानियां कमरे में फैल गयी थीं. थोड़ी देर को सांस लेना मुश्किल लगने लगा था. कई सवाल मन में तैरने लगे थे. जो हुआ, वो क्यों हुआ. लेकिन वो खुल चुकी थी, थोड़ी अस्वस्त, थोड़ी निश्चिंत दिल पर रखा पत्थर सरक रहा था. थोड़ी मुखर भी हो रही थी. रिश्तों की गरमाहट पा कर उसके दिल पर जमी बर्फ, दरकने लगी थी, पानी बन बहने लगी थी. बगैर किसी लाग लपेट के उसने कहा, "मैडम आप शायद नहीं जानती है, सभी मुझे अविवाहित समझते हैं, लेकिन मैं तलाक़शुदा हूं."

अब चौकने की बारी रोमा की थी. इतनी उज्ज्वल भविष्य वाली लड़की, यह उम्र और तलाक? तृप्ति ने बताया कि उसका पति शादी से पहले किसी और लड़की से प्यार करता था, लेकिन हिम्मत नहीं हुई घर में कहने की तो परिवार के दवाब में आकर शादी तो कर ली, लेकिन तृप्ति को पत्नी का दर्जा, मान, सम्मान, स्नेह सभी से वंचित रखा. एक बार भी उसने तृप्ति के बारे में नहीं सोचा. तृप्ति ने तब खुद आगे बढ़ कर तलाक लेकर अपने पति को मुक्त कर दिया और खुद तलाक़शुदा होने का दंश झेलती, लोगों के ताने, उपहास, घृणा, आरोपों को झेलती रह गई.

रोमा तृप्ति का दुख महसूस कर रही थी और साथ ही सोच रही थी, इसका मास्क तो उतर गया, मेरे मास्क का क्या? उसने भी तो कब से एक नहीं, कितने मास्क पहन रखे हैं.

कविता/गज़ल

कुमार बृजेंद्र

गीत लिखता हूं मैं बहारों के

एक सहमे हुए शहर के लिए
एक ठहरे हुए पहर के लिए
गीत लिखता हूं मैं बहारों के
एक जलती हुई उमर के लिए.

उनकी सांसें बिकीं जुलूसों में
उनकी आहें टंगी सभाओं में
कह रहे वे जहां तुम्हारा है
और वे मर रहे हैं घर के लिए.

एक खुदा था- अब हैं हजारों खुदा
रात दिन सर झुकाए गुजरें हैं
कौन मस्जिद है, कौन मयखाना
फर्क भी मिट गया नजर के लिए.

आज मंदिर के पुजारी चुप हैं
भीड़ में मंत्र चले आए हैं
तोड़ दो बंद पड़े दरवाजे
कब से बैठे हैं हम सहर के लिए.

शम्भुनाथ मिस्त्री

धरी रह गयी फिर से बात

क्यों न कहा जो कहना चाहा
धरी रह गयी फिर से बात.

टूटे सपने निखर न पायीं
कलियाँ बनकर फूल;

सूनापन लेकर लौटा तो
बिखरे मन के सोच,
लेटी वोटिल हुई उमंगें
पांवों में ज्यों मोच;

इतना गदराया बादल था
गुजरा बिना किये बरसात.

कुण्ठाएँ कुछ दह जाने दो
निखरेगी तब साध,
बेड़ी का बंधन यह कैसा
मन का क्या अपराध;

मत पूछो उस दम की बाबत
कैसे सहा गया आघात.

रही तरस कर सूखी धरती
छायी मरु की धूल,

रात अगर गुजरी बिन चंदा
होगा कैसे दीप्त प्रभात.

उमेश पंकज

डीह पड़ेगा

जंगल के बीच कभी रहा मेरा गांव
अब तो जैसे हो गया है उजाड़
कुछ सालों में देखते ही देखते
कटते गए अधिकांश पेड़
खेतों की मेड़ से निकली पगडंडियां
जो ले जाती थी शहर की ओर
चौड़ी सड़क में तब्दील हो गई
उन पर धुआं उड़ाते
चलती हैं अब ट्रक और बसें.
धीरे धीरे शहर
घुसता आया है गांव में
और गांव
दूर होता गया है गांव से.
सालों बाद गांव आया हूं
देख कर अचंभित हूं विकास
बाबूजी जी को कहते सुना हूं
खेत बधार छोड़कर
लोग इसी तरह यदि
भागते रहे दिल्ली आ बंबई

त अनाज कैसे उपजेगा
बज्जर पड़ेगा
बंजर हो जाएंगे खेत.
क्या खाएंगे लोग
सोना चांदी
हीरा मोती?
हवा पीएंगे और
खाली थरिया बजाएंगे ?
स्याह अंधेरी रातों में
सियारिनें फेंकरेंगी
सभी घरों में ताले झूलेंगे
डीह पड़ेगा ! डीह ! !
अपने जरूरी कपड़ों के साथ
बाबूजी की चिंताओं को भी
अपनी आत्मा की झोली में
मैंने सहेज लिया और
अगले ही दिन
मुंबई के लिए गाड़ी पकड़ ली
क्या मुझे सोचना चाहिए बाबूजी की तरह?

जो मुड़ के देखता हूं

कथा–लेखकों के विराट सागर में एक बूंद की तरह मेरा नाम

रतन वर्मा

अकस्मात 1982 में चास महाविद्यालय, चास, बोकारो में हिन्दी प्राध्यापक के पद पर नियुक्त होकर भारत यायावर चास चले गये. फिर कुछ ही दिनों बाद प्राणेश कुमार की नियुक्ति भी अस्थायी तौर पर सेंसस में हो गयी. हालांकि रह तो प्राणेश हज़ारीबाग में ही रहे थे, लेकिन उनका मित्रों से मिलना- जुलना कम हो गया. सम्भावना-संगोष्ठी की गोष्ठियां भी अब शिथिल पड़ने लगी थीं. वैसे भी मैं अक्सर अपनी नौकरी के सिलसिले में शहर से बाहर ही यात्राओं पर रहा करता था. जब किसी रविवार को हज़ारीबाग में उपलब्ध होता, तभी गोष्ठी में सम्मिलित होता. लेकिन अब तो गोष्ठियां आयोजित ही यदा-क़दा हो पातीं. हां, प्राणेश कुमार को जब समय मिलता, तो वे मेरे घर पर आ जाते। मेरे बच्चों से वे बहुत घुले - मिले थे. उनके साथ भी खेला करते. यानी, भारत यायावर और प्राणेश कुमार के साथ हमारे पारिवारिक रिश्ते इतने आत्मीय बन गये थे कि हमारे हर सुख-दुख में अपने सामर्थ्य से बढ़कर भी आपस में हम सहयोगी हुआ करते. फिर 1985 में प्राणेश कुमार की भी सरकारी नौकरी लग गयी और वे धनबाद चले गये. ले-देकर हज़ारीबाग में मैं, कथाकार सुनील सिंह, कवि शंकर ताम्बी और ज़हीर ग़ाज़ीपुरी रह गये थे, जिनसे लगातार मिलना-जुलना होता रहता. हां, कथाकार सुनील सिंह चूंकि मेरे सरकारी क्वार्टर से थोड़ी ही दूरी पर रहते थे, इसलिये रोजाना सुबह की चाय वे मेरे निवास पर मेरे साथ ही लिया करते और चाय पर हमारी घंटों बातें होतीं.

***

भारत यायावर से मेरे निरन्तर पत्राचार होते रहते. मैं उन्हें लम्बे-लम्बे पत्र लिखा करता. मेरे पत्र की भाषा और शिल्प पर अक्सर उनकी टिप्पणी के साथ सलाह हुआ करती कि मुझे कहानी लिखनी चाहिये ...कि मुझमें एक कथाकार बनने की जबरदस्त सम्भावना है.

सच कहूं, तो मेरे अंदर भी एक अकुलाहट सी थी, ख़ुद को एक बड़े फ़लक के साथ अभिव्यक्त करने की. मगर कैसे, यह समझ नहीं पा रहा था. ....

मैं जब यात्राओं पर होता, तब बस या ट्रेन की सफर की ऊब से बचने के लिए पत्र-पत्रिकाएं अपने साथ ज़रूर रखा करता था. खास तौर पर उस समय की सर्वाधिक महत्वपूर्ण पत्रिका सारिका और हंस. तो यात्रा के क्रम में ही पहले पटना जाना हुआ, फिर वहां से मुजफ्फरपुर होते हुए दरभंगा जाना था. उन दिनों पटना के महेंद्रू घाट से गंगा नदी में पहलेजा घाट के लिये स्टीमर चला करती थी. फिर पहलेजा से ही मुजफ्फरपुर की ट्रेन.

पटना के काम से निपट कर दूसरी सुबह छः बजे की स्टीमर पकड़ ली थी मैंने. गर्मियों के दिन थे. गंगा की लहरों को स्पर्श कर बहती हुई शीतल हवा तन और मन को भी शीतलता प्रदान कर रही थी. मैंने सारिका पत्रिका में एक कहानी पढ़नी शुरू की. शीर्षक था – "पीले गुलाबों वाली लड़की" एक प्रेम कहानी थी वह. कहानी समाप्त करने के साथ ही, जैसे मेरे अवचेतन में संचित अनुभवों से एक स्त्री पात्र झांक कर मेरे अंतर्मन को आंदोलित सी करने लगी. जैसे कह रही हो, 'भारत यायावर ग़लत थोड़े ही कह रहे हैं ? बस, ज़रूरत है, मुझे अपने भीतर से बाहर निकालने की..." मेरे भीतर एक बेचैनी सी उत्पन्न करने लग गयी थी वह पात्र. फिर तो मुजफ्फरपुर में एकदिवसीय प्रवास और दरभंगा -प्रवास के दौरान उस पात्र ने एक पूरी कहानी का रूप अख्तियार करके ही दम लिया था, जिसका शीर्षक दिया था मैंने "हालात". वह भी एक प्रेम कहानी ही थी.

हज़ारीबाग लौटा, और जब भारत जी से भेंट हुई, उन्हें कहानी दिखाई मैंने. पढ़कर उसे अपने झोले में डालते हुए प्रतिक्रिया दी उन्होंने, "पहली ही कहानी इतनी धांसू ? आज रात की बस से मैं पटना निकल रहा हूं. प्रगतिशील समाज ' पत्रिका के सम्पादक हंसराज जी ने अप्रैल अंक के सम्पादन का दायित्व मुझे सौंपा है. आपकी कहानी उसी अंक में छापूंगा.₹

अप्रैल 1984 अंक में वह कहानी छपी और अगले अंक में उसपर पाठकों की कई सारी प्रतिक्रियाएं भी छपीं, जिसने कथालेखन के प्रति मेरे मन में एक

आश्वस्ति सी पैदा कर दी कि मैं भी कहानियां लिख सकता हूं. उसके बाद "मोहरा सांप" शीर्षक से कहानी लिखी, जिसे शम्भु बादल जी ने अपने सम्पादन में प्रकाशित होने वाली पत्रिका प्रसंग में प्रकाशित की. कुछ दिनों बाद प्रतिष्ठित कथाकार रामधारी सिंह दिवाकर का उस कहानी पर प्रशंसा भरा पत्र मिला. मेरे लिए वह पत्र प्रोत्साहन की पराकाष्ठा था. फिर ' इस्माइल ' कहानी लिखी, जो ' प्रगतिशील समाज ' में ही छपी और जिस अंक को प्रसिद्ध कवि-कथाकार राणा प्रताप ने सम्पादित किया था. उसके बाद से तो अवचेतन मन में संचित अनुभवों से क्रमशः एक- एक पात्र और परिवेश बाहर निकल -निकलकर कथारूप धारण करते चले गये. लेकिन अपनी परिपक्वता का एहसास मुझे तब हुआ, जब ' हंस ' के अक्तूबर 1988 अंक में मेरी कहानी "दस्तक" छपकर पाठकों की प्रतिक्रियाओं और पत्रों से नवाजी जाकर एक बड़े पाठक -वर्ग में मेरी पहचान बना पाने में कामयाब हो गयी. उसके बाद तो जैसे मुझे ऐसा लगने लगा, जैसे मेरे अवचेतन मन के पिंजड़े में क़ैद अनुभवों के परिन्दे एक-एक कर उड़ान भरने लग गये हों और गुलबिया, नेटुआ, सबसे कमज़ोर जात, परमेसरा बैकवर्ड हो गया ... आदि शीर्षक कहानियों के रूप धरकर विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के उन्मुक्त आकाश में उड़ान भरने लग गए हों. पुस्तक-प्रकाशकों की दृष्टि में भी मेरी कहानियां आने लगीं, तो मेरे संग्रह और उपन्यास भी प्रकाशित होने लगे. इस प्रकार कथा-लेखकों के विराट सागर के जल में एक बूंद की तरह मेरा नाम भी जुड़ गया.

समीक्षा

कविताओं में दिखती इनकार की आत्मीय व विवेकवान भाषा

डॉ. नीरज दइया

हिंदी कविता-यात्रा में युवा कवि शंकरानंद ने अपना विशिष्ट स्थान बनाया है. वह अपने आसपास की भाषा से कविता में सहज-सरल रहते हुए ऐसी द्युति उत्पन्न करने की क्षमता रखते हैं कि कविता बहुत कम शब्दों में गहरे अर्थों को व्यंजित करती है. उनके तीसरे काव्य-संग्रह 'इनकार की भाषा' में उनकी काव्य-भाषा का उत्थान देख सकते हैं और सर्वाधिक उल्लेखनीय यह है कि उनके यहां इनकार की भाषा में भी आत्मीयता और विवेकवान होना अपने आप में एक अतिरिक्त विशेषता है.. संभवतः ऐसे ही कुछ कारण रहे होंगे कि उन्हें 'इनकार की भाषा' संग्रह के लिए वर्ष 2022 का 'मलखान सिंह सिसोदिया कविता पुरस्कार' अर्पित किया गया है.

इस संग्रह की पहली कविता 'आवाज़' का यह अंश इस बात का प्रमाण है कि वर्तमान समय के कोलाहल में किस प्रकार छोटे-बड़े स्वरों को दबाया जा रहा है. 'इन दिनों असंख्य आवाज़ हवा में गूंज रही है/ इसमें अन्याय की आवाज़ सबसे अधिक है/ यह शोर का समय है/ जब चीख को दबाना भी एक कला है.' कवि का मानना है कि आवाजों के इस शोर में जो दूसरी आवाज़ है, उसके लिए भी जगह बची रहनी चाहिए. यह हमारे समय का इतना निराशाजनक परिदृश्य है कि इस कविता की अंतिम पंक्ति के रूप में कवि जैसे विवश होकर लिखता है- 'आवाज़ की दुनिया के लोकतंत्र का सूर्यास्त हो गया है.'

कवि शंकरानंद की काव्यगत विशेषताओं में विशेष उल्लेखनीय यह है कि वे अपनी कविताओं में नए तरह के प्रतीक और बिंब सामने लाते हैं, जिससे उनकी काव्य-अनुभूतियां बहुत सहजता के साथ पाठकों से जुड़ती चली जाती है. उदाहरण के लिए 'गिरना' कविता को देखें- 'एक बच्चा जो अभी चलना सीख रहा है/ उसके हिस्से में अभी/ चलने से ज्यादा गिरना है/वह एक कदम उठाता है तो/ दो बार गिरता है/ दो कदम उठाता है तो पांच बार गिरता है/ उसके चलने के औसत से ज्यादा/ उसके गिरने का औसत है,/फिर भी वह मेरे बार-बार मना करने के बावजूद चल रहा है/ मैं

पुस्तक – इनकार की भाषा
(काव्य संग्रह)
कवि : –शंकरानंद
प्रकाशक – अनंग प्रकाशन,नई दिल्ली
मूल्य – 195 रुपए , पृष्ठ सं .– 112

हाथ पकड़ता हूँ तो/ वह हाथ छुड़ा कर भाग जाता है.'

कवि शंकरानंद के यहां बच्चा एक संभावना और प्रश्न के रूप में बार-बार उपस्थित होता है, साथ ही वे आवाज की बात अनेक कविताओं में करते हैं. ऐसी कविताओं से पाठक जब आत्मसात होता है तो उसे ये अनुभूतियां अपनी लगने लगती है.

यहां यह भी कहना होगा कि इनकी कविताएँ अपने विन्यास में भले ही शाब्दिक रूप में छोटी दिखाई देती हो, किंतु वे अपनी संरचना में पूरी रचनात्मक शक्ति को लेकर चलती है। शायद यही कारण है कि वे मानवीय संवेदनाओं का वाहक बनती हुई, हमारी चेतना को बारंबार झंकृत करती है.

हमारे समय में रंगहीन होती इस दुनिया के सांस्कृतिक क्षरण के लिए 'मेला' जैसी कविता बेहद प्रासंगिक है, इस कविता में कवि वर्तमान समय की त्रासदियों को उजागर करते हुए अपनी उसी पुरानी दुनिया में लौटने का आह्वान करता है. समय में लौटना संभव नहीं, किंतु उस समय के मूल्यों का बचना बेहद जरूरी है. इस कविता में अंतिम संदर्भ के रूप में कवि कविता में प्रेमचंद जैसे महान कथाकार की कहानी ईदगाह का जिक्र हामिद के बहाने करता है. यह एक ऐसा संकेत है जिसे समय रहते समझा जाना चाहिए कि आधुनिता का अर्थ यह कदापि नहीं है कि हम मेलों की उस दुनिया को पृथ्वी से गायब कर दें और चिमटा खरीदने का विकल्प बच्चों के सामने से देखते ही देखते लुप्त कर दें. जाहिर है कि कवि यह आह्वान करते हुए वांछित बदलाव चाहता है- 'मैं वह चिट्ठी नहीं बनना चाहता जो/ लिखी तो गई पर पहुंची नहीं/ बिना पते के ताखों पर ही गल गई अपनी नमी में/ उस तरह बाकी नहीं रखना चाहता हूं कुछ.' (कविता- 'एक पल में') कवि का विश्वास है कि हमारी इच्छाशक्ति और भाषा में ही वह शक्ति और सामर्थ्य है कि वह स्थितियों को परिवर्तित कर सकती है. 'अलग करना' कविता में भाषा की इसी क्षमता को रेखांकित किया गया है- 'एक मनुष्य से दूसरे की दूरी के लिए/ एक भाषा काफी है/ वहाँ दीवार हो या न हो/ इससे फर्क नहीं पड़ता. परंपरा और अपनी जमीन से जुड़े लोगों के प्रति बदलते नजरिये पर भी संग्रह में कविताएं हैं, तो अनेक कविताएं हमारे आत्मीय संबंधों की भी हैं.

अगर कहा जाए कि कवि की रचनात्मकता के उत्कर्ष को देखने के लिए इस संग्रह की कोई एक कविता प्रस्तुत करें, तो मेरा मत रहेगा कि 'पहाड़' कविता देखें- 'ये पहाड़ की ऊंचाई है/ किताबों में जिसे/ बित्ते भर में दिखा दिया गया/अब अगर इसे देखा जाए तस्वीरों में/ यह ऐसा ही दिखेगा/ जैसे नाप लिया जाए दो कदम में/ और सारा पहाड़/ पैरों के नीचे आ सकता है/यह तस्वीर सच नहीं है/ इससे नहीं जाना जा सकता एक पहाड़.'

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

यूएस ओपन : 2002 के बाद पहली बार अमेरिकी महिला और पुरुष एकसाथ एकल फाइनल में, पुरुष फाइनल मैच आज

खिताबी मुकाबले में सिनर से भिड़ेंगे टेलर फ्रिट्ज

एजेंसी। न्यूयॉर्क

टेलर फ्रिट्ज अब संयुक्त राज्य अमेरिका के पुरुष ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन के लिए 21 साल के सूखे को समाप्त करने से सिर्फ एक जीत दूर हैं. 12वें वरीय खिलाड़ी ने शुक्रवार को अपने करीबी दोस्त और साथी अमेरिकी फ्रांसेस टियाफो को 4-6, 7-5, 4-6, 6-4, 6-1 से हराकर यूएस ओपन में अपने पहले प्रमुख फाइनल में प्रवेश किया. ग्रैंड स्लैम जीतने वाले आखिरी अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी एंडी रॉडिक थे, जिन्होंने 2003 में फ्लशिंग मीडोज में जीत हासिल की थी. अब, फ्रिट्ज खिताब जीतने के लिए रविवार को शीर्ष वरीयता प्राप्त जानिक सिनर का सामना करेंगे. एटीपी के अनुसार, 26 वर्षीय फ्रिट्ज के लिए फाइनल तक का सफर चुनौतीपूर्ण रहा, वे मॉन्ट्रियल और सिनसिनाटी में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में सिर्फ एक जीत के साथ टूर्नामेंट में आए. लेकिन उन्होंने 2009 में विंबलडन में रॉडिक के बाद ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले पहले अमेरिकी पुरुष के रूप में इतिहास रच दिया. टियाफो के खिलाफ मैच उतार-चढ़ाव भरा रहा, जिसमें फ्रिट्ज बेसलाइन रैलियों को नियंत्रित करने के लिए संघर्ष कर रहे थे. न्यूयॉर्क की भीड़ से उत्साहित और अपनी पहचान बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित टियाफो तीसरे सेट को जीतने के बाद नियंत्रण में दिखे. हालांकि, फ्रिट्ज ने संयम बनाए रखा और चौथे सेट में देर से टियाफो को ब्रेक मिला, जिससे फैसले के लिए निर्णायक सेट में मुकाबला हुआ. पांचवें सेट में, फ्रिट्ज ने जल्दी से नियंत्रण हासिल किया, जिससे उन्हें शुरुआती ब्रेक हासिल हुआ. हालाँकि उन्होंने कुछ समय के लिए

डबल-ब्रेक एडवांटेज को खो दिया, लेकिन उन्होंने अपना ध्यान फिर से हासिल किया और अंतिम 34 में से 25 अंक जीतकर तीन घंटे और 18 मिनट में जीत हासिल की. फ्रिट्ज ने कहा, "मैंने खुद से कहा कि इसमें बने रहो और जितना संभव हो सके स्कोरबोर्ड पर दबाव बनाओ." पूर्व पेशेवर टेनिस खिलाड़ी कैथी मे और जी फ्रिट्ज के बेटे फ्रिट्ज ने इस पल की महत्ता पर विचार किया. "यही कारण है कि मैं जो कहता हूं, वही करता हूं, यही कारण है कि मैं इतनी मेहनत करता हूं. मैं यूएस ओपन के फाइनल में हूं." उन्होंने रोते हुए कहा, "यह एक सपना सच होने जैसा है, और मैं इसके लिए अपना सबकुछ देने जा रहा हूं." सेमीफाइनल में दो बार के एटीपी फाइनल्स चैंपियन अलेक्जेंडर ज़ेवरेव को हराने के बाद, फ्रिट्ज आत्मविश्वास से भरपूर हैं.

पुरुष एकल में अमेरिकी ओपन जीतने वाला अमेरिका का आखिरी खिलाड़ी भी रोडिक थे. उन्होंने 2003 में यह उपलब्धि हासिल की थी. जब कैलिफोर्निया के 26 वर्षीय फ्रिट्ज और मैरीलैंड के 26 वर्षीय टियाफो सेमी फाइनल मैच खेलने के लिए कोर्ट पर उतरे तो दर्शकों को भी समझ में नहीं आ रहा था कि वह किसका समर्थन करें.

यह 2009 के बाद पहला मौका है जबकि अमेरिका का कोई पुरुष खिलाड़ी किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है. वह रॉडिक थे जो 2009 के विंबलडन फाइनल में पहुंचे थे जहां उन्हें फेडरर से हार का सामना करना पड़ा था. वहीं, 2006 के बाद पहली बार कोई अमेरिकी यूएस ओपन के पुरुष एकल के फाइनल में पहुंचा है. इसमें कोई संदेह नहीं कि रविवार को होने वाले फाइनल में दर्शकों का भरपूर समर्थन फ्रिट्ज को मिलेगा.

इससे पहले न्यूयॉर्क की 30 वर्षीय छठी वरीयता प्राप्त पेगुला ने करोलिना मुचोवा को 1-6, 6-4, 6-2 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया. महिला एकल के एक अन्य सेमीफाइनल में पिछले साल की उपविजेता सबालेंका ने अमेरिका की एम्मा नवारो को 6-3, 7-6 (2) से हराया था और फाइनल में जगह बनाई थी. इन दोनों का फाइनल आज खेला जाएगा.

ब्रीफ खबरें

स्पेन की टीम से बाहर हुए मिकेल ओयारजाबल

मैड्रिड। स्पेन की राष्ट्रीय टीम के कोच लुइस डे ला फुएंते रविवार को स्विट्जरलैंड के खिलाफ होने वाले यूईएफए नेशंस लीग मुकाबले में रियल सोसिएदाद के फारवर्ड मिकेल ओयारज़ाबल के बिना खेलेंगे, क्योंकि स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन ने पुष्टि की है कि गुरुवार को सर्बिया के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ के दौरान उनका बायां टखना चोटिल हो गया है. यारज़ाबल खेल में अंतिम समय में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में आए अंतिम चरण में उन्हें चोट लग गई. स्पेन में वापस परीक्षण के बाद, चोट की गंभीरता की पुष्टि हुई. ओयारज़ाबल बैसाखी के सहारे आरएफईएफ मुख्यालय छोड़कर सैन सेबेस्टियन लौट गए.

सहरसा ने सीवान को पराजित किया

सहरसा। 14वीं हॉकी बिहार सब जूनियर मैन स्टेट चैंपियनशिप 6 से 9 सितम्बर 2024 तक सिवान में आयोजित है.शनिवार को इस प्रतियोगिता में कुल 3 मैच का आयोजन हुआ, जिसमे सहरसा ने दूसरा मैच सिवान के साथ खेला और किसी के होम ग्राउंड में जितना बहुत ही मुस्किल होता है फिर भी सहरसा ने सिवान को उनके ही होम ग्राउंड में 2 - 1 से पराजित किया,जिसमे पहला गोल आदित्य राज और दूसरा गोल सोनू कुमार ने किया. इसी के साथ सहरसा ने विजय हासिल किया. इसमें टीम मैनेजर के रूप में रिशु राज और कोच अंकित कुमार के देख रेख में सहरसा जीत की ओर कदम बढ़ा रही है.

दलीप ट्रॉफी: श्रेयस अय्यर की टीम ने तीसरे दिन ही गंवाया मुकाबला

ऋतुराज गायकवाड़ की इंडिया सी ने 4 विकेट से जीता मैच

एजेंसी। नयी दिल्ली

इंडिया सी ने शनिवार को चार दिवसीय दलीप ट्रॉफी के दूसरे मैच में इंडिया डी को चार विकेट से हरा दिया है. ऋतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व वाली इंडिया सी को तीसरे दिन जीत के लिए 233 रन चाहिए थे, जिसे टीम ने 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया. इंडिया डी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अक्षर पटेल के अर्धशतक की बदौलत 164 रन बनाए. इसके जवाब में इंडिया सी की टीम पहली पारी में 168 रन ही बना सकी और सिर्फ चार रन की बढ़त हासिल कर सकी. इंडिया डी की टीम ने दूसरी पारी में 236 रन बनाए और इंडिया सी को जीत के लिए 233 रनों का लक्ष्य रखा, जिसे गायकवाड़ के नेतृत्व वाली टीम नेटॉप आर्डर के दमदार प्रदर्शन से जीत लिया. इससे पहले इंडिया सी ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया और उसके गेंदबाजों ने इस फैसले को सही ठहराते हुए इंडिया डी के बल्लेबाजों को टिकने नहीं दिया. अंशुल कंबोज ने चार रन के स्कोर पर ही सलामी बल्लेबाज अथर्व तायडे को वापस पैवेलियन भेज दिया. तायडे ने चार रन बनाए थे. गेंदबाजों के शानदार

प्रदर्शन की बदौलत इंडिया सी ने पहले दिन इंडिया डी को 164 रनों के मामूली स्कोर पर समेट दिया. इंडिया डी की ओर सेअक्षर पटेल ने (86) रनों की अर्धशतकीय पारी खेलकर टीम को सम्मान जनक स्कोर पर पहुंचाया.दूसरे दिन इंडिया सी नेअपनी पहली पारी में बाबा इन्द्रजीत (72) के अर्द्धशतक की मदद से 168 रन बनाये. इसके अलावा अभिषेक पोरेल ने 34 रनों का योगदान दिया एवं टीम को स्कोर 168 रनों तक पहुंचाया. इसके अलावा कोई बल्लेबाज उल्लेखनीय योगदान नहीं दे सके. छह बल्लेबाज को दहाई अंक में भी नहीं पहुंच पाए जबकि हिमांशु चौहान शून्य पर नाबाद रहे. इंडिया सी के गेंदबाज हर्षित राणा ने 13 ओवर में 33 रन देकर चार विकेट लिए. इसके अलावा अक्षर पटेल , सारांश जैन को दो-दो विकेट मिले, जबकि अर्शदीप सिंह एवंआदित्य ठाकरे को एक-एक बल्लेबाज को आउट किया. मात्र 19 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि अंशुल कंबोज एवं हिमांशु चौहान को दो-दो विकेट मिले तथा मानव सुथर तथा रितिक शौकीन ने एक-एक विकेट लिया. इसके बाद इंडिया डी ने अपनी दूसरी पारी में संभलकर खेलते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर (54) एवं देवदत्त पड़िक्कल (56) के

अर्द्धशतकों एवं रिकी भुई के 44 रनों की बदौलत दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक आठ विकेट पर 206 रन बनाए थे. श्रेयस अय्यर के नेतृत्व वाली इंडिया डी की टीम अपने कल के स्कोर में 30 रन की जोड़ सकी और ऑल आउट हो गई. 233 रनों के लक्ष्य का पीछा करनेउतरी इंडिया सी की टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने

अच्छी शुरुआत दिलाई. दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी हुई. साई सुदर्शन 22 रन बनाकर आउट हुए. कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ 48 गेंद में 46 रन बनाकर पवेलियन लौटे. इसके बाद रजत पाटीदार और आर्यन जुयाल के बीच साझेदारी हुई. रजत 44 और आर्यन 47 रन बनाकर आउट हुए. बाबा ने 7 और शौकीन बिना खाता खोलेआउट हुए. अभिषेक पोरेल नाबाद 35 और मानव ने 19 रन बनाए. इंडिया सी ने 61 ओवर में 6 विकेट खोकर 233 रन बनाए और मैच जीता. इंडिया डी की ओर सेसारांश जैन ने 4, अर्शदीप-अक्षर को 1-1 विकेट मिला.

पेरिस पैरालिंपिक में इतिहास रच स्वदेश लौटे भारतीय पैरालिंपियन

दिल्ली में हुआ भव्य स्वागत

नई दिल्ली। पेरिस

पैरालिंपिक में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करने के बाद भारतीय पैरालिंपिक एथलीटों का स्वदेश लौटने पर दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत किया गया.शनिवार की सुबह, पेरिस पैरालिंपिक में हिस्सा लेने के बाद भारतीय दल के आधे सदस्य स्वदेश लौट आए. अवनी लेखरा, मोना अग्रवाल, प्रणव सूरमा, राकेश कुमार और मनीष नरवाल उन लोगों में शामिल हैं जो दिल्ली पहुंचे. दिल्ली के बाहर बड़ी संख्या में प्रशंसक एकत्रित हुए और पैरा-एथलीटों पर फूल बरसाकर उनका स्वागत किया. भारतीय दल के अन्य एथलीट पैरा मल्टी-स्पोर्ट इवेंट के समापन के बाद वापस लौटेंगे. स्टार इंडिया पैराशूटर अवनी लेखरा ने कहा कि पेरिस पैरालिंपिक में यह एक शानदार यात्रा थी.भारत की स्टार पैराशूटर अवनी लेखरा ने कहा कि पेरिस पैरालिंपिक में यह एक शानदार यात्रा रही.भारतीय पैरा शूटर मोना अग्रवाल ने कहा कि उनका पैरालंपिक सफर बहुत अच्छा रहा. उन्होंने कहा,"यह मेरा पहला पैरालंपिक था और मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं."मौजूदा पैरालंपिक चैंपियन अवनी ने अपना सिलसिला जारी रखते हुए

शुक्रवार को पेरिस पैरालंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में स्वर्ण पदक जीता. वह खेलों के इतिहास में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला भी बनीं. इसी स्पर्धा में निशानेबाज मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक जीता. इस बीच, पैरा-तीरंदाज राकेश कुमार ने जीत का सारा श्रेय अपने कोचों को दिया.

राकेश कुमार और शीतल देवी की भारतीय तीरंदाजी जोड़ी ने चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में इटली के एलोनोरा सारती और माटेओ बोनासिना पर जीत के साथ मिश्रित टीम कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक जीता. उन्होंने सोमवार को चल रहे मार्की इवेंट के कांस्य पदक मैच में इतालवी जोड़ी को 156-155 के स्कोर से हराया.चल रहे पैरालिंपिक में भारत ने 27 पदक जीते हैं, जिसमें छह स्वर्ण पदक, नौ रजत पदक और 12 कांस्य पदक शामिल हैं. यह

किसी पैरालिंपिक खेल आयोजन में भारत द्वारा जीता गया अब तक का सर्वाधिक स्वर्ण है, जिसने टोक्यो 2020 में जीते गए कुल पांच स्वर्ण को पीछे छोड़ दिया है. विशेष रूप से भारतीय पैरा-एथलीटों ने तीन स्वर्ण, छह रजत और छह कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है, जिससे उन्हें कुल 15 पदक मिले हैं.

हॉकी एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी आज से

खिताब बचाने उतरेगी भारतीय हॉकी टीम

एजेंसी। हुलुनबुइर (चीन)

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम हीरो पुरुष एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी 2024 में अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए तैयार है. मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम खिताब बचाने के लिए प्रबल दावेदार के रूप में मैदान पर उतरेगी. भारत के साथ मेजबान चीन, जापान, पाकिस्तान, कोरिया और मलेशिया जैसी टीमें हैं. यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट रविवार 8 सितंबर से चीन के हुलुनबुइर शहर में होगा. पिछले साल भारत ने घरेलू मैदान पर यह खिताब जीता था, जिससे वह टूर्नामेंट के इतिहास में चार खिताब जीतने वाली एकमात्र टीम बनी. टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह इस साल भी चैंपियनशिप में भारत का दबदबा जारी रखने के लिए उत्सुक हैं.

हॉकी इंडिया की ओर से शनिवार को जारी बयान में हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि पिछले साल एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी ने हमें एशियाई खेलों में जाने के लिए सही गति दी. इसके बाद ओलंपिक खेलों में फिर से पोडियम पर खड़े होने की जीत मिली. इस बार भी हम इस टूर्नामेंट को जीतकर नए ओलंपिक चक्र की शुरुआत करना चाहते हैं. उन्होने कहा कि खेल के दृष्टिकोण से, हमारा आक्रमण और पेनल्टी कॉर्नर हमारी ताकत है लेकिन हम एक संरचित रक्षा की कोशिश करेंगे, खासकर जापान, मलेशिया और पाकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ. विश्व रैंकिंग अंकों के लिहाज से यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है.

इस साल क्रिकेट नहीं खेलेंगे मार्क वुड

इंग्लैंड को लगा 440 वोल्ट का झटका

एजेंसी। लंदन

इंग्लैंड को श्रीलंका टेस्ट सीरीज के दौरान 440 वोल्ट का झटका लगा है. इंग्लैंड के धाकड़ तेज गेंदबाज मार्क वुड लंबे समय के लिए बाहर हो गए हैं। वह कोहनी में चोट के कारण इस साल क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे . उनकी वापसी अब 2025 में होगी. इंग्लैंड को इस साल पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के दौरे पर तीन-तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है. वुड की कमी को पूरा करना इंग्लैंड के लिए आसान नहीं होगा। 37 वर्षीय पेसर इंग्लैंड के लिए 37 टेस्ट, 55 वनडे और 34 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं, जिसमें क्रमशः 119, 77 और 77 विकेट चटकाए. वुड को श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मेंदाईं

जांघ में इंजरी हुई थी. उन्हें जांघ की परेशानी के चलते श्रीलंका सीरीज से बाहर होना पड़ा। इसके बाद, गेंदबाज को कोहनी के जोड़ मेंअसुविधा महसूस हुई. वुड ने जब नियमित कोहनी का स्कैन कराया तो उन्हें पता चला कि पुरी तरह रिकवर होने में कई महीने लगेंगे. इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में बताया कि गर्मियों की शुरुआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान वुड को कोहनी में जकड़न और तकलीफ बढ़ती हुई महसूस हुई थी. वुड के अगले साल की शुरुआत में वापसी करने की संभावना है. इंग्लैंड को अगले साल जनवरी से भारत दौरे पर सीमित ओवरों की सीरीज खेलनी है. उसके बाद फरवरी मेंआईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज होना है. वुड ने लंबे समय के लिए इंग्लैंड टीम से बाहर होने पर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने इंस्टाग्राम पर

लिखा कि एक बहुत ही बुरी खबर है. पहले से ही परेशान करने वाली कोहनी की नियमित जांच के दौरान मुझे यह जानकर झटका लगा कि मेरी दाहिनी कोहनी में बोन स्ट्रेस है.

न्यूजीलैंड के लिए चुनौती साबित होगी अफगानिस्तान की टीम : रहमत शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

अफगानिस्तान के बल्लेबाज रहमत शाह को भरोसा है कि उनकी टीम ग्रेटर नोएडा में होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड को कड़ी चुनौती देगी, क्योंकि वे वहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं. 31 वर्षीय यह खिलाड़ी अफगानिस्तान के टी20 क्रिकेट में एक बेहतरीन बल्लेबाज है. वह टेस्ट और वनडे दोनों में अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं और जोखिम भरे शॉट लगाने से बचते हैं, और विकेट बचाने को प्राथमिकता देते हैं. क्रिकबज ने रहमत के हवाले से कहा, यह टेस्ट महत्वपूर्ण है. हमें उनके खिलाफ केवल एक टेस्ट मैच खेलना है. हम उन्हें कड़ी चुनौती देने की कोशिश

करेंगे. उन्होंने आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप जीती है, तो हमने भी सर्वश्रेष्ठ तैयारी करने की कोशिश की है. हम आगे आने वाली चुनौती का इंतजार कर रहे हैं. उन्होंने कहा, भारत में हमारा पिछला अनुभव हमारी मदद करेगा. नोएडा और लखनऊ में हमारे घरेलू मैदान थे. हमने यहां बहुत सारे मैच खेले हैं.

टूर्नामेंट **21 से 29 सितंबर चलेगा जिम एफ्रो टी-10 सीजन-2 का खुमार**

दिखेगा वार्नर, नीशम, विली, ब्रैथवेट और मुनरो का जलवा

एजेंसी। हरारे

क्रिकेट का सबसे तेज और सबसे मनोरंजक फ़ॉर्मेट रोमांचक मुकाबलों के एक और ब्लॉकबस्टर सीज़न के साथ वापस आ गया है. टी10 क्रिकेट का यह आगामी सीज़न बड़ा और बेहतर होने जा रहा है और इसकी शुरुआत हरारे में जिम एफ्रो टी10 के सीज़न 2 के साथ होगी.अगले चार महीनों में, बेहद रोमांचक टी10 फ़ॉर्मेट एशिया, उत्तरी अमेरिका और अफ्रीका में घूमेगा. सीज़न की शुरुआत 21 से 29 सितंबर तक हरारे में जिम एफ्रो टी10 की वापसी के साथ होगी, जिसका प्लेयर्स ड्राफ्ट 8 सितंबर को होगा.जिम एफ्रो में छह फ्रैंचाइज़ी ने ड्राफ्ट में जाने से पहले अपने आइकन और वैश्विक सुपर स्टार को सीधे साइन किया है, ताकि उनके 15-सदस्यीय दल को उनके वैश्विक आइकन के रूप में एक अतिरिक्त 16वें खिलाड़ी के साथ पूरा किया जा सके.टीम में 6 स्थानीय जिम्बाब्वे खिलाड़ी होंगे और आइकन तथा वैश्विक स्टार भी जिम्बाब्वे से हो सकते हैं. ऑस्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वार्नर और वेस्टइंडीज के हार्ड हिटिंग बल्लेबाज कार्लोस ब्रैथवेट को बुलावायो ब्रेव्स जगुआर ने साइन किया है, जबकि केप टाउन सैम्प

आर्मी ने इंग्लैंड के डेविड विली और डेविड मलान, अफगानिस्तान के गुलबदीन नैब और कैस अहमद को खरीदा है.डरबन वॉल्व्स ने न्यूजीलैंड के कॉलिन मुनरो और मार्क चैपमैन के साथ पाकिस्तान के बाएं हाथ के पावर हिटर शारजील खान और यासिर शाह को टीम में शामिल किया है. इसी तरह हरारे बोल्ट्स ने जेम्स नीशम और जोबर्ग बांग्ला टाइगर्स ने ऑस्ट्रेलिया के क्रिस लिन को टीम में शामिल किया है.न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स लागोस की बात करें तो इस टीम ने जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मज़ूराबानी को अपने बड़े खिलाड़ियों में से एक चुना है, साथ ही थिसारा परेरा (श्रीलंका), आसिफ अली (पाकिस्तान) को भी टीम में शामिल किया है.

जिम एफ्रो टी10 के बाद यूएस मास्टर्स लीग का दूसरा सीज़न, अबू धाबी टी10 और उद्घाटन लंका टी10 दिसंबर में सीज़न का समापन करेगा. जिम्बाब्वे के बाद श्रीलंका टी10 को अपनाने वाला दूसरा आईसीसी पूर्ण सदस्य देश बनने के लिए तैयार है. लंका टी10 तुरंत ही श्रीलंकाई क्रिकेट कैलेंडर पर एक महत्वपूर्ण इवेंट के रूप में खुद को स्थापित कर लेगा, पिछले साल जिम्बाब्वे में मिली शानदार सफलता के बाद उत्साह चरम पर है, और हम हरारे में इसकी शुरुआत करने के लिए रोमांचित हैं. प्रत्याशा और उत्साह स्पष्ट है,

ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को रौंदा

एजेंसी। नयी दिल्ली

सीरीज में बनाई 2-0 की अजेय बढ़त

जोश इंग्लिस के रिकॉर्ड तोड़ शतक के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को दूसरे टी 20 में 70 रनों से हराकर तीन मैच की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है. इंग्लिस ने ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे तेज टी 20 शतक जड़ते हुए 49 गेंदों पर सात चौकों और इतने ही गगनचुंबी छक्कों की मदद से 103 रनों की धुआंधार पारी खेली. उनकी इस पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड के सामने जीत के लिए 197 रनों का टारगेट रखा था, इस स्कोर का पीछा करते हुए मेजबान टीम 16.4 ओवर में 126 रनों पर ही सिमट गई. जोश इंग्लिस को उनकी इस लाजवाब पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड से नवाजा गया. टॉस हारकर पहले

जोश इंग्लिस का शतक

बैटिंग करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही. पिछले मैच के हीरो ट्रेविस हेड बिना खाता खोले पहली गेंद पर आउट हो गए. ब्रैडली करी ने उन्हें गोल्डन डक पर बोल्ड किया. जेक फ्रेजर-मैकगर्क भी कमाल नहीं दिखा पाए और 16 के निजी स्कोर पर पवेलियन लौट गए. जोश इंग्लिस ने दो विकेट गिरने के बाद ऑस्ट्रेलियाई पारी को संभाला और कैमरून ग्रीन के साथ तीसरे विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी की. इसके बाद उन्होंने स्टोइनिस के साथ चौथेविकेट के लिए 64 रन जोड़े. जोश इंग्लिस ने इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के लिए 43 गेंदों पर सबसे तेज शतक जड़ा. इससे पहले यह रिकॉर्ड पूर्व कप्तान एरोन फिंच के नाम था जिन्होंने 47 गेंदों में यह कारनामा किया था, बता दें, इंग्लिस इस से पहले 47 गेंदों में भी टी20 शतक ठोक चुके हैं. जोश इंग्लिस की इस पारी के दम पर ऑस्ट्रेलियाई टीम निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 196 रन बोर्ड पर लगाने में कामयाब रही.

ब्रीफ खबरें

बाइक की चपेट में आने से बच्चे की मौत

बिहारशरीफ । नालंदा जिलान्तर्गत एकंगरसराय थाना क्षेत्र के सुंडी बिगहा गांव के पास शनिवार की सुबह एक अनियंत्रित बाइक की चपेट में आने से एक बालक की मौत हो गई. मृतक की पहचान पवन कुमार पिता अखिलेश प्रसाद के रूप में हुई है, जो अपने ननिहाल आया हुआ था और सड़क पर खेल रहा था. दुर्घटना के बाद घायल पवन कुमार को स्थानीय लोगों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है.

परीक्षा के दौरान रील बनाने पर छात्रा बर्खास्त

मोतिहारी । मोतिहारी के एमएस कॉलेज के परीक्षा हॉल में एक छात्रा ने रील बना ली और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया. यह मामला बीए पार्ट थ्री की परीक्षा का है. परीक्षा के दौरान उड़ी नियमों की धज्जी से एमएस कॉलेज की भारी किरकिरी हुई है. महाविद्यालय प्रशासन को मामला जब संज्ञान में आया तो अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है. उक्त छात्रा की पहचान शालू कुमारी के रूप में की गई है. उसने परीक्षा के अंतिम दिन परीक्षा संचालन में तैनात वीक्षक की उपस्थिति में ही खुशी का इजहार करने वाली एक रील बना ली और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया.

तीज व्रत रखी महिला के पति की मौत

नवादा । पत्नी ने अपने पति की लंबी उम्र के लिए हरतालिका तीज का व्रत रखा था. उसे क्या मालूम था कि उसके लिए शनिवार का दिन कयामत का दिन साबित होगा. एक तरफ पत्नी पूजा की तैयारी में लगी थी तो दूसरी तरफ पति का शव दरवाजे पर पहुंचा. नवादा में एक 42 वर्षीय युवक की करंट लगने से मौत हो गई है. जहां मौत की खबर मिलते ही परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है. पकरीबरावां प्रखंड के दियौरा गांव में करंट लगने से गणेश दत्त शर्मा की मौत हो गई है. जहां मौत की खबर के बाद परिवार में मातम छा गया है. परिजन ने बताया कि मृतक युवक किसान था.

17 सितंबर से शुरू होनेवाला है विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला

गया पहुंचे सीएम नीतीश कुमार मेले की तैयारियों का लिया जायजा

संवाददाता । गया

17 सितंबर से शुरू होनेवाले विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेले की तैयारियों का जायजा लेने शनिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गया पहुंचे. गया एयरपोर्ट से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सड़क मार्ग से विष्णुपद मंदिर पहुंचे. सर्वप्रथम उन्होंने विष्णुपद मंदिर के गर्भगृह में पूजा-अर्चना की. मंदिर में पूजा अर्चना के बाद मुख्यमंत्री फल्गु नदी के तट पर स्थित देवघाट से मानपुर बाइपास पुल तक बने विष्णुपद पाथ-वे का उद्घाटन किया. उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पितृपक्ष मेला क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों का जायजा लिया. साथ ही पितृपक्ष मेला को लेकर जिला प्रशासन द्वारा की जा रही तैयारियों का जायजा लिया. उसके बाद विष्णुपद मंदिर पहुंचे. जहां विष्णुपद मंदिर के गर्भगृह में विशेष पूजा-अर्चना की.

पाथ-वे के उद्घाटन से मिलेगी बेहतर सुविधा : पाथ वे का उद्घाटन हो जाने से पितृपक्ष में देश-विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों को बेहतर सुविधा मिले, इसका पूरा ख्याल रखा गया है. माड़नपुर बाईपास से बने पाथ वे से तीर्थयात्रियों को जाम से मुक्ति मिलेगी. बिना जाम में फंसे बाईपास से सीधा विष्णुपद मंदिर क्षेत्र तक पहुंचने में आसानी होगी. 450 मीटर लंबा और 12 मीटर चौड़ा पाथ वे का शुभारंभ किया गया है. एनएच 82 से विष्णुपद मंदिर जाने के लिए श्रद्धालुओं को 2 किमी पैदल दूरी तय करना पड़ता है. रास्ता संकीर्ण होने के कारण तीर्थयात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा था. जाम की समस्या से तीर्थयात्रियों को निजात मिलेगा.

समाहरणालय में समीक्षा बैठक की : सीएम गया समाहरणालय पहुंचे. मेला की तैयारियों का समीक्षा की. इस मौके पर सभी संबंधित अधिकारियों मौजूद थे. बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आलाधिकारियों को पितृपक्ष मेला को यादगार बनाने का निर्देश दिया. वहीं सीएम के कार्यक्रम में तब्दील कर दिया. गया समाहरणालय में समीक्षा बैठक के बाद गया एयरपोर्ट के लिए निकल गए.

बाइपास पुल तक बन रहे विष्णु पथ का जायजा लिया : इन चारों स्थानों पर मुख्यमंत्री की सुरक्षा व अन्य कार्यक्रमों के मद्देनजर डीएम डॉ त्यागराजन, एसएसपी आशीष भारती व सिटी एसपी प्रेरणा कुमार ने विष्णुपद मंदिर, देवघाट, गयाजी रबर डैम व देवघाट से बाइपास पुल तक बन रहे विष्णु पथ का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया. हालांकि, इस दौरान डीएम का मुख्य फोकस विष्णुपथ पर रहा. विष्णुपथ का उद्घाटन करने को लेकर डीएम ने संबंधित एजेंसी व उनके अधिकारियों का आवश्यक निर्देश दिए हैं. इधर, समाहरणालय के सभागार में मुख्यमंत्री की बैठक आयोजित को लेकर प्रशासनिक स्तर पर हर प्रकार तैयारी पूरी कर ली गई है.

पितृपक्ष मेला की तैयारियों में कोई कमी न रहे : वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का गया आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है. गया एयरपोर्ट से विष्णुपद मंदिर, समाहरणालय, सीताकुंड और बोधगया जाने वाले सड़क मार्ग के चप्पे-चप्पे पर पुलिस की तैनाती की गई है. वहीं पितृपक्ष मेला की तैयारियों में कोई कमी न रह जाए.

50 हजार रु का इनामी कुख्यात अपराधी आजाद ठाकुर गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर । मुजफ्फरपुर पुलिस ने 50 हज़ार रूपए का इनामी कुख्यात अपराधी आजाद ठाकुर को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधी पर कई संगीन मामले दर्ज है. पुलिस को इस अपराधी की पुलिस को काफी समय से तलाश थी. पूरे मामले को लेकर सिटी एसपी अवधेश दीक्षित ने बताया कि विगत 1 वर्ष से मुजफ्फरपुर पुलिस वांछित अपराधियों के विरुद्ध अभियान चला कर एसटीएफ की मदद से उन्हें गिरफ्तार कर रही है. समय-समय पर उनके विरोध इनामी राशि भी घोषित की जाती है. इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर अहियापुर थाना क्षेत्र के झपहा से पुलिस ने कुख्यात वांछित अपराधी आजाद ठाकुर को गिरफ्तार किया है.

पानी में डूबने से दो की मौत

गौरा-गणेश विसर्जन के बाद नहाने लगे थे दोनों

- मृतक की पहचान सेवदह गांव निवासी शंकर प्रसाद का 13 वर्षीय पुत्र रंजन कुमार के रूप में की गयी

संवाददाता । बिहारशरीफ

नालंदा जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र में शनिवार को नदी में डूबने से दो किशोर कि मौत हो गयी. पहली घटना पावापुरी थाना क्षेत्र के सेवदह गांव में सुबह नदी में डूब जाने से एक किशोर की मौत हो गयी. मृतक की पहचान सेवदह गांव निवासी शंकर प्रसाद का 13 वर्षीय पुत्र रंजन कुमार के रूप में की गयी है. दूसरी घटना इस्लामपुर थानाक्षेत्र बड़ाकर गांव में मूर्ति विसर्जन के दौरान रासबिहारी यादव के 13 वर्षीय पुत्र गुलशन की मौत हो गयी. घटना के संबंध में बताया जाता है कि उक्त युवक दोस्तों के साथ नदी में तीज पर्व स्थापित गौरा गौरी की पार्थिव मूर्ति को नदी में प्रवाहित कर नहाने लगा था. जहां नहाने के दौरान नदी की तेज धारा में बह गया डूबने से उसकी मौत हो गयी. घटनाक्रम की जानकारी ओपी थानाध्यक्ष और इस्लामपुर थाना पुलिस को दी गयी. पुलिस प्रशासन के सहयोग से गोताखोर टीम को नदी के पास भेजा गया जहां गोताखोर टीम ने किशोर का शव बरामद कर पुलिस के सहयोग से पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बिहारशरीफ भेज दिया है. किशोर की अचानक मौत से परिजनों में कोहराम मच गया है.

पैक्स अध्यक्ष और प्रबंधक पर 47 लाख गबन का आरोप, एफआईआर दर्ज होगी

संवाददाता । सहरसा

सहरसा से धान अधिप्राप्ति में गबन का मामला सामने आया है. जिले के सत्तर कट्टैया प्रखंड क्षेत्र के बरहशेर पैक्स अध्यक्ष और प्रबंधक पर लगभग 47 लाख रुपये गबन करने का आरोप लगा है. इसको लेकर सहकारिता प्रसार पदाधिकारी सत्तर कट्टैया नीरज कुमार कंठ ने बिहरा थानाध्यक्ष को एफआईआर दर्ज करने के लिए पत्र भेजा है.

पत्र में उन्होंने कहा कि सत्तर कट्टैया प्रखंड के बरहशेर पैक्स द्वारा धान अधिप्राप्ति वर्ष 2023-24 में 94 किसानों से कुल 592.660 एमटी धान की अधिप्राप्ति की गई है. पैक्स को उक्त अधिप्राप्ति मात्रा के समतुल्य कुल 403.008 एमटी सीएमआर की आपूर्ति राज्य खाद्य निगम सहरसा को करनी थी. लेकिन पैक्स द्वारा कुल 261 एमटी सीएमआर की आपूर्ति ही राज्य खाद्य निगम सहरसा को की गई है. इस प्रकार पैक्स द्वारा 142.008 एमटी सीएमआर की आपूर्ति राज्य खाद्य निगम सहरसा को नहीं की गई.

गौरतलब है कि बरहशेर पैक्स द्वारा इकरार नामित राइस मिल मीना राइस मिल गोरहो को कुल 380.025 एमटी धान की आपूर्ति की गई. इस प्रकार पैक्स में कुल 212.635 एमटी धान की मात्रा भंडारित रहनी चाहिए थी. लेकिन भौतिक सत्यापन के दौरान पैक्स के गोदाम में धान की मात्रा शून्य पाई गई. इस प्रकार पैक्स अध्यक्ष और प्रबंधक द्वारा कुल 212.635 एमटी सरकारी धान को खुले बाजार में बेचकर न्यूनतम समर्थन मूल्य की राशि 46 लाख 94 हजार 980 रुपये और 80 पैसे का गबन कर लिया गया है.

रात में सोती रही पत्नी और पति ने उसी कमरे में कर ली खुदकुशी

गोपालगंज । सिधवलिया थाना क्षेत्र के कल्याणपुर मधुबनी गांव में कर्ज से तंग आकर एक युवक ने शुक्रवार की देर रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. वहीं सुबह जब परिजन ने देखा तो चीख-पुकार मच गई. वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया और पूरे मामले की जांच में जुट गई है. मृतक की पहचान अमित सहनी के रूप में की गई. दरअसल, मृतक के ऊपर करीब चार लाख का कर्ज था. कर्जदाता अपने पैसे की मांग कर रहा था लेकिन पत्नी के बीमारी के कारण उसपर कर्ज बढ़ता जा रहा था.

अपराधियों ने नौ साल के बच्चे को गला काटकर मार डाला

बेगूसराय । बेगूसराय में अपराधियों ने नौ साल के मासूम की निर्मम हत्या कर दी है. अपराधियों ने बच्चे का सिर धड़ से अलग कर दिया है. शनिवार दोपहर उसकी लाश बहियार में मिली तो इलाके में सनसनी मच गई. इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. वहीं सिर कटी हुई लाश देख लोग दंग रह गए.

घटना मंसूरचक थाना क्षेत्र के बरकुरवा द्वारिकापुर साठा गांव के बहियार की है. मृत बालक की पहचान अनिल कुमार महतो के 9 वर्षीय पुत्र अंकुश कुमार के रूप में हुई है. परिजनों ने बताया कि एक गांव के ग्रामीण विजय महतो ने ही मेरे पुत्र को धारदार हथियार से काट कर मार डाला. जब ग्रामीण उसे पकड़ने के लिए गई तो उसके पिता अनिल कुमार महतो पर भी धारदार हथियार से हमला कर उसे भी लहूलुहान कर दिया है.

ग्रामीणों ने विजय महतो को पकड़कर मनसूरचक थाना पुलिस के हवाले कर दिया है. पुलिस का कहना है कि ग्रामीणों की मदद से हत्यारोपी विजय महतो को गिरफ्तार कर लिया गया है. उससे पूछताछ की जा रही है.

बदमाशों ने फेरी वाले को गोली मारकर 10 हजार रु लूट लिए

सुपौल । सुपौल में शनिवार को सनसनीखेज घटना सामने आई है. जदिया थाना क्षेत्र अंतर्गत नंदना में एक बर्तन व्यापारी को दिनदहाड़े बदमाशों ने गोली मार दी और उससे 10 हजार रुपये लूट की घटना को अंजाम दिया. बर्तन व्यापारी की पहचान 40 वर्षीय कुंदन साह के रूप में हुई है. बर्तन व्यापारी पर बदमाशों ने तीन गोलियां चलाईं, जिनमें से एक उसके दाएं कंधे में लगी है. घटना के बाद गंभीर रूप से घायल व्यापारी को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद मधेपुरा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया.

पटना । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा दो दिवसीय दौर पर बिहार आए हैं. शनिवार को उनका दूसरा दिन है. नड्डा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के संग शनिवार की सुबह पटना सिटी स्थित तख्त श्री हरमंदिर साहिब गुरुद्वारा पहुंचे. यहां जेपी नड्डा समेत सभी नेताओं ने मत्था टेका. इसके बाद नड्डा ने अनुसूचित जाति के परिवारों के बीच जाकर सदस्यता अभियान की शुरुआत की. मौके पर उन्होंने दलित परिवार के घर जाकर चाय की चुस्की ली. उनके साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद, नंदकिशोर यादव, विजय सिन्हा और सम्राट चौधरी आदि मौजूद थे.

कारोबार

वीवो टी3 अल्ट्रा अगले सप्ताह लॉन्च होगा

नयी दिल्ली । वीवो जल्द ही अपना नया स्मार्टफोन लॉन्च करने वाला है. कंपनी ने वीवो टी3 अल्ट्रा को टीज कर दिया है और ये फोन अगले हफ्ते लॉन्च होगा. इस हैंडसेट में हमें 5500एमएएच की बैटरी और 80 वॉट की चार्जिंग का सपोर्ट मिलेगा. वीवो टी3 अल्ट्रा में 3डी कर्व्ड एमोलेड डिस्प्ले दिया जाएगा. इसका डिजाइन वीवो वी40 सीरीज जैसा होगा. हैंडसेट 12जीबी तक रैम और कई स्टोरेज ऑप्शन में आ सकता है. कंपनी ने इसकी कीमत को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है, लेकिन ये फोन 30 हजार रुपये या उससे अधिक के बजट में आ सकता है.

टाटा संस के चेयरमैन की सैलरी 20% बढ़ी

मुंबई । टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को वित्त वर्ष 2023-2024 में 135 करोड़ रुपए वेतन मिले हैं. यह पिछले साल की तुलना में 20% अधिक है. वह कंपनी के सबसे बड़े अधिकारी हैं. टाटा संस के सीएफओ सौरभ अग्रवाल को वित्त वर्ष 2023-2024 में 30 करोड़ रुपए सैलरी मिली है. वह टाटा ग्रुप में सबसे अधिक सैलरी पाने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं. उनकी कमाई टाटा समूह की कंपनियों जैसे टीसीएस, टाटा स्टील और आईएचसीएल के प्रमुखों के वित्त वर्ष 24 के वेतन से ज्यादा थी.

डाईवा ने लॉन्च किए नए स्मार्ट टीवी रेंज

मुंबई । डाईवा ने भारतीय बाजार में अपने नए स्मार्ट टीवी रेंज को लॉन्च कर दिया है. कंपनी ने गुगल टीवी ओएस के साथ नई सीरीज को लॉन्च किया है, जो 32-इंच से 55-इंच स्क्रीन साइज में आती है. इस सीरीज में एलईडी और क्यूलेड डिस्प्ले दिया गया है, जो एचडी और 4के रेज्योलूशन के साथ आती है. नई स्मार्ट टीवी सीरीज को आप 32-इंच, 43-इंच और 55-इंच के साइज में खरीद सकते हैं. इन टीवी पर 10 हजार से ज्यादा टीवी ऐप्स का एक्सेस मिलेगा. आप इन्हें गुगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं. डाईवा गुगल टीवी की कीमत डाईवा के सबसे लेटेस्ट मॉडल स्मार्ट टीवी की कीमत 10,999 रुपये से शुरू होकर 34,990 रुपये तक जाती है.

सबसे ज्यादा टैक्स शाहरुख ने दिया

नेटवर्थ 7,300 करोड़

नयी दिल्ली । शाहरुख खान ने वित्त वर्ष 2024 के लिए 92 करोड़ रुपए का टैक्स पेमेंट किया है. वे सबसे ज्यादा टैक्स जमा करने वाले बन गए हैं. उनकी नेटवर्थ 7300 करोड़ रुपए है. दूसरे नंबर पर 80 करोड़ रुपए के टैक्स पेमेंट के साथ तमिल सुपरस्टार थलापति विजय हैं. उनकी नेटवर्थ 800 करोड़ रुपए है. लिस्ट के टॉप-5 में अमिताभ बच्चन, सलमान खान शामिल हैं. सबसे ज्यादा टैक्स जमा करने वाले क्रिकेटर विराट कोहली हैं. उन्होंने 66 करोड़ रुपए का टैक्स जमा किया है. उनके बाद महेंद्र सिंह धोनी हैं, जिन्होंने 38 करोड़ रुपए का टैक्स चुकाया है. शाहरुख खान दुनिया के तीसरे सबसे अमीर एक्टर बन चुके हैं. उनकी नेटवर्थ करीब 7,300 करोड़ रुपए है. शाहरुख ने 2023 में लगातार दो ब्लॉकबस्टर फिल्में, जवान और पठान दीं. दोनों ने दुनियाभर में 2000 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई का आंकड़ा पार किया. शाहरुख ने हॉलीवुड एक्टर टॉम क्रूज को भी पीछे कर दिया है. टॉम क्रूज की नेटवर्थ करीब 5,000 करोड़ रुपए है. 11,700 करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ टायलर पेरी दुनिया में पहले नंबर पर हैं. दूसरे नंबर पर 9,000 करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ जैरी सीनफील्ड हैं.

जीएसटी काउंसिल की बैठक सोमवार को, स्वास्थ्य बीमा पर फैसला संभव

एजेंसी । नई दिल्ली

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की बैठक सोमवार को राजधानी नई दिल्ली में होने वाली है. इस बैठक में स्वास्थ्य और जीवन बीमा कराने वाले लोगों को महंगे प्रीमियम (बीमा किस्त) से निजात मिलने की संभावना है. आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि 9 सितंबर, 2024 को राजधानी नई दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक में दोनों तरह के बीमा (स्वास्थ्य और जीवन बीमा) पर लगने वाली जीएसटी की दर को 18 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी किया जा सकता है. हालांकि, स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर लगने वाले जीएसटी की दर से सरकारी खजाने पर बोझ पड़ सकता है.

स्वास्थ्य और जीवन बीमा के प्रीमियम पर लगने वाली 18 फीसदी जीएसटी दर को हटाने का मुद्दा अब राजनीतिक मोड़ ले चुका है. इसकी शुरुआत केंद्रीय सड़क परिवहन और

राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के वित्त मंत्री सीतारमण को एक पत्र लिखने से हुई. इसके बाद पश्चिम बंगाल और अब कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मध्यम और निम्न आय वर्ग के पॉलिसीधारकों के लिए स्वास्थ्य बीमा पर 18 फीसदी जीएसटी दर में कटौती की मांग की. वित्तीय सेवाओं के विभाग के स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर मौजूदा जीएसटी कर की दर घटाने के अनुरोध के बाद जीएसटी परिषद के द्वारा नामित केंद्र और राज्यों के राजस्व अधिकारियों वाली फिटमेंट समिति ने इसका विस्तृत विश्लेषण किया है. फिटमेंट समिति इस बारे में अपनी विस्तृत रिपोर्ट 9 सितंबर को होने वाली जीएसटी परिषद की बैठक में सौंप सकती है. इससे सरकारी खजाने पर 6.5 अरब रुपये से 35 अरब रुपये तक का बोझ पड़ने की संभावना है.

उल्लेखनीय है कि बजट सत्र के दौरान 7 अगस्त को वित्त विधेयक 2024 में संशोधन पर चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा था कि मैं यहां दो महत्त्वपूर्ण बिंदुओं का उल्लेख करना चाहती हूं. उन्होंने कहा था कि स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी के लागू होने से पहले भी कर लगता था. यह कोई नया मुद्दा नहीं है, सभी राज्यों में यह पहले से ही था.

इस हफ्ते सोने-चांदी में रही गिरावट

चांदी 1,681 गिरकर 83,338 प्रति किलो पर आई, सोना 71,931 प्रति 10 ग्राम हुआ

मुंबई । इस हफ्ते सोने-चांदी के कीमतों में गिरावट देखने को मिली है. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार पिछले शनिवार यानी 31 अगस्त को सोना 71,958 रुपए पर था, जो अब (7 सितंबर) को 71,931 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है. यानी इस हफ्ते इसकी कीमत में 27 रुपए की गिरावट आई है. वहीं चांदी की बात करें तो ये पिछले शनिवार को ये 85,019 रुपए पर थी, जो अब 83,338 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है. इस हफ्ते इसकी कीमत 1,681 रुपए गिरी है. इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई थी. वहीं सोने ने 21 मई को 74,222 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था. बीजेए के अनुसार, इस साल अब तक सोने के दाम 8,579 रुपए बढ़ चुके हैं. 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 71,931 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है. वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 83,338 रुपए पर पहुंच गए हैं.

अभिनेत्री आलिया भट्ट शनिवार को मुंबई में अपनी आगामी फिल्म जिगरा के प्रचार कार्यक्रम के दौरान फोटो खिंचवाती हुईं.

एयर इंडिया ने अंतरराष्ट्रीय उड़ान के लिए समय और सीमा बढ़ाई

एजेंसी । नई दिल्ली

टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयरलाइंस ने शनिवार को अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ान के लिए चेक-इन की समय-सीमा को बढ़ाने की घोषणा की है. एयरलाइंस ने कहा है कि अब चेक-इन काउंटर अपने निर्धारित प्रस्थान समय से 75 मिनट पहले बंद हो जाएगा. ये नियम राजधानी नई दिल्ली से सभी अंतरराष्ट्रीय प्रस्थानों पर लागू होगा. ये नियम 10 सितंबर, 2024 से प्रभावी होगा. कंपनी ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि नई दिल्ली से अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान के लिए चेक-इन काउंटर अब आपके निर्धारित प्रस्थान समय से 75 मिनट पहले बंद हो जाएगा. एयर इंडिया ने बताया कि पिछले 60 मिनट के बंद होने से यह समायोजन सभी के लिए एक सहज और आरामदायक यात्रा अनुभव सुनिश्चित करता है, जिससे व्यस्त अवधि के दौरान भी चेक-इन प्रक्रियाओं और सुरक्षा मंजूरी के लिए पर्याप्त समय मिलता है. हम इस नए बंद समय से पहले हवाई अड्डे पर पहुंचने में आपके सहयोग की सराहना करते हैं.

आर्थिक संकट | कई मुद्दों से जूझ रही बायजू नए विवाद में फंस गई, कई मुद्दे हुए उजागर

एक साल में बायजू का दूसरा ऑडिटर हुआ बाहर

- प्रवक्ता ने बयान देते हुए ऑडिट फर्म द्वारा किए गए अनैतिक अनुरोधों और उचित प्रक्रियाओं का पालन करने में विफलता के बारे में गंभीर चिंता जताई.

नई दिल्ली । आईएएनएस

कई मुद्दों से जूझ रही बायजू नए विवाद में फंस गई है, क्योंकि इसके ऑडिटर बीडीओ ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने संकटग्रस्त एडटेक फर्म के साथ कई मुद्दों को उजागर किया है, जिसमें वित्तीय रिपोर्टिंग में देरी और अपर्याप्त प्रबंधन समर्थन शामिल है. पिछले साल बायजू के पूर्व ऑडिटर डेलोइट ने कंपनी में गवर्नेंस संबंधी मुद्दों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया था.

त्यागपत्र में, बीडीओ की सहायक कंपनी एमएसकेए ने कहा, वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए ऑडिट पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए हमें हमारे द्वारा मांगी गई खाता बही, सूचना और स्पष्टीकरण और पर्याप्त उचित ऑडिट साक्ष्य प्रदान करने में कंपनी के प्रबंधन से अपर्याप्त समर्थन मिला है. बायजू के प्रवक्ता ने बयान देते हुए ऑडिट फर्म द्वारा किए गए अनैतिक अनुरोधों और उचित प्रक्रियाओं का पालन करने में विफलता के बारे में गंभीर चिंता जताई.

एडटेक फर्म ने कहा, कई कॉल रिकॉर्डिंग मौजूद हैं, जिसमें बीडीओ के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट रूप से इन

दस्तावेजों को पिछली तारीख में बदलने का सुझाव दिया है, जिसे बायजू ने करने से इनकार कर दिया. बायजू का दृढ़ विश्वास है कि यह उनके इस्तीफे का मुख्य कारण है. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ कानूनी विवाद के कारण बायजू ने 16 जुलाई, 2024 को दिवालियापन की कार्यवाही में प्रवेश किया. इसके परिणामस्वरूप दिवाला समाधान पेशेवर (आईआरपी) की नियुक्ति की गई, जिसके परिणामस्वरूप कंपनी के बोर्ड को निलंबित कर दिया गया. एडटेक फर्म के अनुसार, 17 जुलाई को बीडीओ ने बायजू के निलंबित बोर्ड को एक ईमेल भेजा, जिसमें मध्य-पूर्व स्थित एक साझेदार के साथ बायजू द्वारा किए गए पुराने लेनदेन के बारे में कुछ स्पष्टीकरण मांगा गया था.

मध्य-पूर्व साझेदार के साथ लेनदेन के संबंध में एडटेक फर्म ने कहा, हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि बायजू के निलंबित बोर्ड और प्रबंधन ने, 17 जुलाई को उनके ईमेल से पहले यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई समस्या नहीं है, पूरी तरह से पारदर्शी और बीडीओ की निगरानी में फोरेंसिक ऑडिट की व्यवस्था करने का सक्रिय कदम उठाया था. हालांकि, 16 जुलाई को दिवालियापन कार्यवाही शुरू होने के कारण फोरेंसिक जांच पूरी नहीं हो सकी. बायजू की तरफ से कहा गया कि फोरेंसिक ऑडिट पूरी न हो पाने के लिए निलंबित बोर्ड को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता. कंपनी को उम्मीद है कि दिवालियापन संबंधी प्रवेश आदेश को सुप्रीम कोर्ट जल्द ही रद्द कर देगा. कभी 22 बिलियन डॉलर के मूल्य के साथ भारत का सबसे मूल्यवान स्टार्टअप रहा बायजू इस समय कई विवादों में घिरा हुआ है.

आरबीआई ने तीन फाइनेंस कंपनियों पर जुर्माना लगाया

निर्देशों का पालन न करने पर कार्रवाई

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक ने हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों पर आरबीआई के निर्देशों का पालन न करने के कारण कार्रवाई की है. इसके तहत तीन गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों पर मौद्रिक दंड लगाया है. आरबीआई के आधिकारिक बयान के अनुसार, उसने गोदरेज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड पर 5 लाख रुपये, आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड पर 5 लाख रुपये और हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड पर 3.5 लाख रुपये का मौद्रिक जुर्माना लगाया है. नियामक की ओर से यह कार्रवाई राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 की धारा 52ए के प्रावधानों के तहत आरबीआई को दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए की गई है. आरबीआई के अनुसार, इन कंपनियों का वैधानिक निरीक्षण राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) द्वारा 31 मार्च, 2022 तक उनकी वित्तीय स्थिति के संदर्भ में किया गया था. आरबीआई ने कहा कि केंद्रीय बैंक के निर्देशों का पालन न करने की बात सामने आने और उस संबंध में संबंधित पत्राचार के आधार पर, कंपनियों को एक नोटिस जारी किया गया था, जिसमें उन्हें कारण बताने की सलाह दी गई थी कि आरबीआई के निर्देशों का पालन न करने के लिए उन पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए.

न्यूज अपडेट

कन्हैयालाल हत्याकांड का आरोपी रिहा

अजमेर। उदयपुर में कन्हैयालाल हत्याकांड मामले में सहआरोपी जावेद जेल से बाहर आ गया है. शनिवार सुबह उसे अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल से जमानत पर रिहा कर दिया गया. जावेद मुंह छुपाते हुए जेल से बाहर आया और अपने भाई मोहम्मद शमशेर के साथ कार में बैठकर रवाना हो गया. राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ ने 5 सितंबर को मामले की सुनवाई की थी. उसे 2 लाख रुपये के जमानत मुचलके और 1 लाख रुपये की राशि पर जमानत की मंजूरी मिली.

भेड़िए के हमले में परिवार के 5 घायल

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में एक परिवार के पांच सदस्यों पर एक भेड़िए ने हमला कर दिया. परिवार के चीख-पुकार के बाद पड़ोसी और अन्य लोग मौके पर पहुंचे और भेड़िए को भगाया. हरसूद के अनुविभागीय पुलिस अधिकारी संदीप वास्कले ने बताया कि यह घटना जिला मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर आदिवासी बहुल खालवा तहसील के मालगांव गांव में शुक्रवार रात 2:30 बजे हुई.इस हमले में एक महिला के हाथ पर घाव हुआ है जबकि चार पुरुषों के हाथ पर भेड़िए ने काटा है.

एलिजाबेथ द्वितीय का राष्ट्रीय स्मारक

लंदन। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का एक नया राष्ट्रीय स्मारक लंदन के सेंट जेम्स पार्क में बनाया जाएगा. ब्रिटिश सरकार ने इसकी घोषणा की है. सरकार ने एक बयान में कहा कि स्मारक मार्लबोरो गेट स्थित मॉल के पास बनाया जाएगा. इसमें आसपास की भूमि और ब्लू ब्रिज सहित झील तक जाने वाला मार्ग शामिल होगा. बकिंघम पैलेस और राष्ट्रमंडल मुख्यालय सहित महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थलों के निकट होने के कारण चुना गया यह स्थल दिवंगत महारानी से व्यक्तिगत रूप से भी जुड़ा हुआ है.

वज्रपात की घटनाओं में 50 की मौत

नोम पेन्ह। कंबोडिया के आपदा प्रबंधन के प्रवक्ता ने बताया कि 2024 के पहले आठ महीनों में कंबोडिया में बिजली गिरने से 50 लोगों की मौत हो गई है. पिछले साल (2023) इसी अवधि में 64 लोगों की मौत हुई थी. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन समिति के प्रवक्ता ने बताया कि इस वर्ष जनवरी-अगस्त की अवधि में हुई मौतों के अलावा इसमें 43 अन्य लोग घायल भी हुए हैं. रिपोर्ट के अनुसार सबसे अधिक प्रभावित प्रांतों में सिएम रीप, बट्टामबांग, प्रे वेंग, त्बोंग खमम और बंटेय मींचे थे.

पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़

नोएडा। नोएडा पुलिस ने शुक्रवार देर रात मुठभेड़ के दौरान दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है. हालांकि, पकड़े गए बदमाशों के दो साथी मौके से फरार हो गए हैं, जिनको पकड़ने के लिए पुलिस कांबिंग कर रही है. बताया जा रहा है कि पकड़े गए शातिर बदमाशों के पास से गाड़ियों के कई पार्ट्स बरामद हुए हैं. यह सभी दिल्ली के रहने वाले हैं और इन पर दर्जनों मुकदमे अलग-अलग थानों में दर्ज हैं. पुलिस ने घायल बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है.

गाजियाबाद में मिला युवती का शव

गाजियाबाद। गाजियाबाद में एक युवती का अधजला शव मिला है. बताया जा रहा है कि युवती की हत्या कर शव को जलाने की कोशिश की गई, ताकि उसकी पहचान छिपाई जा सके. मामला लोनी बॉर्डर थाना इलाके का है. पुलिस के मुताबिक, गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में एक अज्ञात युवती की लाश मिलने की सूचना पुलिस को मिली थी. उसका शव बेहटा नहर रोड पर रेलवे अंडरपास के पास पड़ा मिला. एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि अब तक युवती की पहचान नहीं हो पाई है.

सवारियों से लूटपाट करने वाले धरे

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने ऑटो में सवारियों को बैठाकर उनके साथ लूटपाट करने वाले तीन शातिर बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है. इस दौरान दो बदमाश पुलिस की गोली से घायल हुए हैं और एक बदमाश को कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया है. कार्रवाई के दौरान गोली लगने से घायल हुए दोनों बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. सूचना थी कि सिद्धार्थ विहार इलाके में डंपिंग ग्राउंड के पास ऑटो में सवारियों को बैठाकर लूटपाट करने वाले कुछ बदमाश जमा हो रहे हैं.

अबू धाबी के क्राउन प्रिंस आएंगे भारत

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आमंत्रण पर अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालेद बिन मोहम्मद बिन ज़ायेद अल नाहयान दो दिन की भारत यात्रा पर आएंगे. उनके साथ संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सरकार के कुछ मंत्री और व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी होगा. भारतीय विदेश मंत्रालय ने शनिवार को इस यात्रा के संबंध में बयान जारी किया. विदेश मंत्रालय के मुताबिक़ अबू धाबी के क्राउन प्रिंस 9 और 10 सितंबर को भारत दौरे पर रहेंगे.

डोनाल्ड ट्रंप की सज़ा की तारीख़ टली

नयी दिल्ली। मैनहट्टन हश मनी आपराधिक मुक़दमे में डोनाल्ड ट्रंप की सज़ा को नवंबर में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों तक के लिए टाल दिया गया है. शुक्रवार को जज जुआवन मर्चेन ने ट्रंप की सज़ा को 26 नवंबर तक के लिए टालने का फ़ैसला सुनाया. डोनाल्ड ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी की तरफ़ से अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं. इस मामले में उनकी सज़ा की घोषणा की तारीख़ 18 सितंबर के लिए निर्धारित की गई थी, लेकिन ट्रंप ने उनकी सज़ा को टालने के लिए सारे क़ानूनी प्रयास किए थे.

अफ्रीका सीडीसी ने महाद्वीप में लगातार बढ़ते मामलों को लेकर दी चेतावनी

'मंकीपॉक्स' के केंद्र के रूप में उभरा कांगो, 20 हजार मामले

एजेंसी। किंशासा/अदीस अबाबा

डब्ल्यूएचओ ने वायरस को रोकने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण का किया आह्वान

अफ्रीका में एमपॉक्स के मामले लगातार बढ़ रहे हैं. अफ्रीका सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (अफ्रीका सीडीसी) ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ एक संयुक्त महाद्वीपीय प्रतिक्रिया योजना शुरू करते हुए चेतावनी दी है. सितंबर 2024 से फरवरी 2025 तक चलने वाली छह महीने की योजना का अनुमानित बजट लगभग 600 मिलियन डॉलर है. समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इसमें से 55 प्रतिशत राशि प्रभावित देशों में एमपॉक्स की रोकथाम प्रयासों के लिए आवंटित की गई है, जबकि शेष 45 प्रतिशत को भागीदार संगठनों के माध्यम से परिचालन और तकनीकी सहायता के लिए निर्देशित किया गया है.

शुक्रवार को एक ऑनलाइन प्रेस ब्रीफिंग के दौरान अफ्रीका सीडीसी के महानिदेशक जीन कासेया ने कहा कि 2024 के बाद से महाद्वीप में 24,851 संदिग्ध एमपॉक्स (मंकीपॉक्स) के मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 5,549 मामलों की पुष्टि और 643 लोगों की मौत शामिल हैं. कांगो इस वायरस के केंद्र के रूप में उभरा है, जहां से रिपोर्ट किए गए 90 प्रतिशत मामले सामने आए हैं. कांगो में 20,463 संदिग्ध मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 635 मौत शामिल हैं. कासेया ने कहा कि पूरे अफ्रीका में एमपॉक्स के मामलों में वृद्धि हुई है, विशेष रूप से मई 2024 के बाद से. कम से कम 14 देश इससे प्रभावित हुए हैं.

मंकीपॉक्स के लक्षण क्या हैं...

तेज बुखार आना, मांसपेशियों और पीठ में दर्द होना, तेज सिर दर्द और सूजन होने पर, बुखार कम होने पर शरीर में चकते हो जाना. इसके साथ ही एमपॉक्स के बने रहने की अवधि पांच से 21 दिनों तक हो सकती है. डब्ल्यूएचओ के अनुसार, बुखार आमतौर पर एक से तीन दिनों तक रहता है. इसके बाद शरीर पर दाने होने लगते हैं, जो दो से चार सप्ताह तक रह सकते हैं.

अमेरिका ने कसी कमर, एमपॉक्स के नए प्रकार के लिए जांच और निगरानी बढ़ाई

अफ्रीका, यूरोप और एशिया के साथ दुनियाभर में एमपॉक्स वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है. ऐसे में अमेरिका लगातार कड़े कदम उठा रहा. उसने एमपॉक्स के एक नए प्रकार के लिए परीक्षण और निगरानी को बढ़ा दिया है. साथ ही यह सुनिश्चित किया है कि स्थानीय फार्मेसियों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर टीके आसानी से उपलब्ध हों. वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका में वायरस के अधिक संक्रामक प्रकार के किसी भी मामले की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन विशेषज्ञ फिर भी आगे की संभावना को लेकर कमर कस रहे हैं. अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ आधिकारियों का कहना है कि कोई भी अमेरिकी डॉक्टर अब एमपॉक्स के जांच का आदेश दे सकता है, जिसे राष्ट्रीय प्रयोगशाला श्रृंखलाओं के माध्यम से संसाधित किया जा सकता है. सकारात्मक परीक्षण जो एमपॉक्स के पुराने स्ट्रेन नहीं हैं, उन्हें पुष्टि के लिए अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र को भेजा जाएगा.

क्या है एमपॉक्स? क्यों किया गया आपातकाल घोषित

डब्ल्यूएचओ की वेबसाइट के अनुसार, एमपॉक्स वायरस एक ऑर्थोपॉक्स वायरस है, जो चेचक के समान लक्षणों वाली बीमारी है, हालांकि कम गंभीर है. मंकीपॉक्स की शुरुआत अफ्रीका के कांगो से शुरू हुई. दरअसल, विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक ने 14 अगस्त को तेजी से फैल रहे एमपॉक्स वायरस (जिसे पहले मंकीपॉक्स के नाम से जाना जाता था) को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था. यह दो सालों में दूसरी ऐसी घोषणा है. क्लेड आईबी नाम के नए स्ट्रेन ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में मामलों में बड़ी वृद्धि की है. स्वीडन और थाईलैंड दोनों में यात्रा से संबंधित मामलों की पुष्टि हुई है.

एक नया और खतरनाक वैरिएंट सामने आया : डब्ल्यूएचओ के अफ्रीका के क्षेत्रीय निदेशक मतशीदिसो मोएती ने कांगो में एमपॉक्स वायरस को रोकने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण का आह्वान किया है. अगस्त के मध्य में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे बहुत गंभीर माना और कहा है कि यह दुनिया भर के लिए खतरा है. इसका कारण है एक नया और खतरनाक वैरिएंट, जिसे सितंबर 2023 में कोंगो में पहली बार देखा गया था. इस वेरिएंट को क्लेड 1बी कहा जाता है और यह अभी भी पूरी तरह से समझा नहीं गया है. इस क्लेड 1बी स्ट्रेन के मामले तब से कई देशों में सामने आए हैं, जिनमें स्वीडन और थाईलैंड शामिल हैं. कांगो को गुरुवार को 99,100 एमपॉक्स वैक्सीन का पहला बैच प्राप्त हुआ है. वह वर्तमान में एक वितरण और टीकाकरण रणनीति विकसित कर रहा है, खासकर देश के पूर्वी हिस्से में, जहां लंबे समय तक मानवीय संकट के बीच ज्यादातर मामले सामने आए हैं. हालांकि, स्वास्थ्य अधिकारियों ने अभी तक यह घोषणा नहीं की है कि टीकाकरण कब शुरू होगा.

भारतीय सेना को मिले 297 कैडेट अधिकारी

चेन्नई की अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी (ओटीए) में शनिवार को एक समारोह में 258 पुरुष कैडेट अधिकारियों और 39 महिला कैडेट अधिकारियों को भारतीय सेना की विभिन्न इकाइयों और सेवाओं में शामिल किया गया. ओटीए के परमेश्वरन ड्रिल स्क्वायर में आयोजित पासिंग आउट परेड की समीक्षा सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राज सुब्रमणि ने की. (आईएएनएस)

इजरायल ने गाजा पर बमबारी की, 10 फिलिस्तीनी मारे गए

एजेंसी। गाजा/रामल्लाह

मध्य और दक्षिणी गाजा पट्टी में दो आवासीय घरों को निशाना बनाकर किए गए इजरायली बम विस्फोटों में कम से कम 10 फिलिस्तीनी मारे गए. वहीं, उत्तरी वेस्ट बैंक में नब्लस के दक्षिण में करयुत गांव में इजरायली गोलीबारी में एक फिलिस्तीनी लड़की की मौत हो गई. इस बीच, इजरायली सेना 10 दिनों के ऑपरेशन के बाद जेनिन के वेस्ट बैंक शहर से हट गई, जहां ऑपरेशन के दौरान 21 लोगों के मारे जाने का दावा किया गया था. हालांकि, इजरायल के मुताबिक ऑपरेशन अभी खत्म नहीं हुआ है. वो जल्द ही जेनिन और अन्य स्थानों पर वापस लौटेंगे.

फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने शुक्रवार को समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि इजरायली विमानों ने मध्य गाजा में नुसीरात शरणार्थी शिविर के पश्चिम में स्थित एक घर पर हमला किया. समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि हवाई हमले में पांच लोगों की मौत हो गई और कई लोग अभी भी मलबे में फंसे हुए हैं. फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा ने एक बयान में कहा कि शुक्रवार को ही दक्षिणी गाजा के खान यूनिस स्थित एक घर पर इजरायली बमबारी में पांच लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए. इजरायली सेना ने इन घटनाओं पर कोई टिप्पणी नहीं की है. हमास ने सात अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमला किया था. इस हमले में लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 250 अन्य को बंधक बना लिया गया था. इसके बाद इजरायल ने हमास के लिखाफ बड़े पैमाने पर हमला शुरू किया. गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि गाजा पट्टी में जारी इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 40,878 हो गई है. गाजा पट्टी पर जारी नाकेबंदी के कारण भोजन, स्वच्छ जल और दवा की भारी कमी हो गई है, जिससे क्षेत्र का अधिकांश हिस्सा बर्बाद हो गया है. इजरायल पर गाजा में अपने कार्यों के लिए अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में नरसंहार का आरोप लगाया गया है.

वेस्ट बैंक में इजरायली गोलीबारी में फिलिस्तीनी लड़की की मौत : वहीं, उत्तरी वेस्ट बैंक में नब्लस के दक्षिण में करयुत गांव में इजरायली गोलीबारी में एक फिलिस्तीनी लड़की की मौत हो गई. चिकित्सा सूत्रों ने शुक्रवार को समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि 13 वर्षीय की सीने में गोली लगने से मौत हो गई. समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने एक बयान में कहा कि उनकी टीमों ने कैरयूट में सीने में गंभीर चोट लगने वाली एक लड़की का इलाज किया. घायल लड़की को नब्लस के रफीडिया सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. उनके पिता ने समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि बाना बेकर को इजरायली सेना की गोलीबारी में तब चोट लगी जब वह अपनी बहनों के साथ घर के कमरे में थीं.

10 दिन के ऑपरेशन के बाद इजरायली सेना जेनिन से हटी

वहीं फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन के दौरान, इजरायली बलों ने बुनियादी ढांचे और आवासीय भवनों को काफी नुकसान पहुंचाया, जिससे शहर के बड़े इलाकों में बिजली, संचार और इंटरनेट ठप हो गया. समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रारंभिक क्षति के आकलन के अनुसार, फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा ने घोषणा की कि जेनिन शहर और उसके शिविर में 25 किमी से अधिक सड़कें सेना के ऑपरेशन से पूरी तरह नष्ट हो गई. इस बीच, इजरायली सार्वजनिक प्रसारक कान ने बताया कि सेना ने ऑपरेशन के दौरान "आतंकवादियों" का सफाया कर दिया, 40 से अधिक संदिग्धों को गिरफ्तार किया, 24 हथियार जब्त किए और दर्जनों विस्फोटक उपकरणों को नष्ट कर दिया. गुरुवार को, रामल्ला स्थित फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि 28 अगस्त को इजरायली सैन्य अभियान शुरू होने के बाद से वेस्ट बैंक में 39 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और लगभग 150 अन्य घायल हो गए हैं.

इजरायली विमानों ने नुसीरात शरणार्थी शिविर के पास एक घर पर किया हमला

फ्रांस के नए प्रधानमंत्री मिशेल बार्निए के ख़िलाफ़ सड़कों पर उतर पड़े लोग

पेरिस। फ्रांस में दक्षिणपंथी नेता मिशेल बार्निए प्रधानमंत्री बनाए गए हैं. लेकिन शनिवार को फ्रांस के नीस और लेमॉन सहित देश के कई इलाकों में उनकी नियुक्ति के ख़िलाफ़ प्रदर्शन हो रहे हैं. बार्निए के ख़िलाफ़ यहां हजारों लोग सड़कों पर उतर आए हैं. अब देश में 100 जगहों पर विरोध प्रदर्शन की योजना बन रही है. फ्रांस के ट्रेड यूनियनों और वामपंथी दलों ने इनका आयोजन किया है. दरअसल, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने वामपंथी दलों के प्रधानमंत्री उम्मीदवार को पीएम नहीं बनाया.उनके इसी फैसले के ख़िलाफ़ प्रदर्शन हो रहे हैं. वहीं, दूसरी ओर यूरोपीय संघ के पूर्व ब्रेक्जिट वार्ताकार मिशेल बार्निए ने कहा कि वो सरकार बनाने के लिए लेफ्ट सहित अन्य दलों से बात करने को तैयार है.

अजरबैजान ने रूस व यूक्रेन के बीच संघर्ष को सुलझाने की इच्छा जताई

एजेंसी। बाकू

- राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कहा, उनका देश मदद करने के लिए तैयार

अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष को सुलझाने में हिस्सा लेने की इच्छा व्यक्त की है. समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने स्थानीय मीडिया एजेआरटीएसी के हवाले से बताया कि शुक्रवार को राष्ट्रपति ने एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कहा कि उनका देश दो देशों के बीच शांति बनाने में मदद करने के लिए तैयार है, क्योंकि अज़रबैजान दोनों देशों के साथ ऐतिहासिक और कूटनीतिक संबंध रखता है. उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन के साथ अजरबैजान 70 वर्षों तक सोवियत संघ का हिस्सा था, जिसके परिणामस्वरूप लोगों के बीच और राजनीतिक स्तर पर गहरे संबंध स्थापित हुए हैं. उन्होंने कहा, "हम रूस और यूक्रेन के साथ अपने संबंधों को बहुत अच्छा मानते हैं. हम यूक्रेन और सभी देशों की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का दृढ़ता से समर्थन करते हैं."

बांग्लादेश के राष्ट्रगान को बदलने की योजना नहीं: धार्मिक सलाहकार

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में धार्मिक मामलों के सलाहकार अबुल फैज़ मुहम्मद खालिद हुसैन ने शनिवार को एक बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के राष्ट्रगान को बदलने की कोई योजना नहीं है. पद्मा नदी के उत्तरी तट पर राजशाही में इस्लामिक फाउंडेशन का दौरा करने के बाद स्थानीय मीडिया ने हुसैन के हवाले से कहा, "अंतरिम सरकार विवाद पैदा करने के लिए कुछ नहीं करेगी, हम सभी के सहयोग से एक सुंदर बांग्लादेश का निर्माण करना चाहते हैं."

विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले कॉल सेंटर का भंडाफोड़

एजेंसी। नोएडा

पति-पत्नी समेत नौ गिरफ्तार

नोएडा के थाना सेक्टर-63 पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 6 महिला आरोपियों समेत 9 लोगों को गिरफ्तार किया है. इनके कब्जे से घटना में इस्तेमाल 24 लैपटॉप, टैब, कंप्यूटर, स्वाइप मशीन, 3 पेमेंट क्यूआर कोड व 10 मोबाइल फोन बरामद हुए हैं. इस फर्जी कॉल सेंटर को पति पत्नी मिलकर चला रहे थे. बियोंड स्पार्क ओवरसीज नाम की यह कंपनी विदेश (कनाडा, सर्बिया आदि) में नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों के साथ धोखाधड़ी कर रही थी.

पुलिस ने बताया कि थाना सेक्टर-63, नोएडा की साइबर हेल्प डेस्क पर कुछ समय से सूचना प्राप्त हो रही थी कि थाना इलाके के ई-ब्लॉक में बियोंड स्पार्क ओवरसीज नाम की एक कंपनी विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर आवेदकों के साथ धोखाधड़ी कर रही है. पुलिस के पास केरल समेत देश भर से कई पीड़ित आए थे. पुलिस ने सभी की शिकायत के आधार पर कंपनी में जाकर जांच की, तो वहां मौजूद सोनू कुमार ने बताया कि वह कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत है और डायरेक्टर पंकज व मनप्रीत कौर के कहने पर फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि से ऐसे लोगों की डिटेल निकालते हैं, जो विदेश में जाकर नौकरी करना चाहते हैं. उसके बाद कंपनी की सेल्स टीम में बैठे लोग कॉल व व्हाट्सएप चेटिंग के माध्यम से विभिन्न देशों जैसे कनाडा, सर्बिया आदि में स्टोर कीपर, स्टोर सुपरवाइजर, एडमिन आदि पदों पर नौकरी दिलाने की बात कहकर आवेदक को प्रलोभित करते हैं. पुलिस को मौके से ही एक कंप्यूटर के जरिए करीब 7 से 8 लोगों से ठगी के सबूत मिले. इसके अलावा पुलिस जब कार्रवाई कर रही थी, तभी एक पीड़ित वहां पहुंच गया.

जानिए कैसे ठगी को अंजाम देते थे अभियुक्त

डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि से ऐसे लोगों की डिटेल निकाल लेते थे, जो विदेश में जाकर नौकरी करना चाहते हैं. उसके बाद इनकी कंपनी की सेल्स टीम में कार्य करने वाले अन्य कर्मचारी द्वारा आवेदक को कॉल व व्हाट्सएप चैटिंग के माध्यम से कनाडा के अल्बर्टा, एडमंटन में स्टोर कीपर, स्टोर सुपरवाइजर एवं एडमिन आदि पदों पर वर्क वीजा के माध्यम से नौकरी दिलवाने के नाम पर प्रलोभित किया जाता था और उसे हर महीने 1.5 से 2 लाख रुपये सैलरी की बात कही जाती थी, इस पर आवेदक तैयार हो जाता था. ये लोग आवेदक से स्टोर कीपर के नाम पर 5 लाख रुपये, स्टोर सुपरवाइजर के नाम पर 15 लाख रुपये तथा इसी प्रकार से अन्य पदों के अनुसार पैसे मांगे जाते थे. इसमें कुल रकम का 10 प्रतिशत आवेदक से फाइल आगे बढ़ाने के लिये तुरंत ले लिया जाता था और बाकी उसे नौकरी पर जाने के बाद देने के लिये बोला जाता था. पैसे लेने के बाद आवेदक को इन लोगों पर शक न हो, इसलिए यह लोग उससे कागजात जैसे पासपोर्ट, आधार कार्ड आदि भेजने के लिये बोलते थे और फिर कागजात में कमी निकालकर उसको घुमाना शुरू कर देते थे. इन लोगों द्वारा ऐसे आवेदकों को सेलेक्ट किया जाता था, जो दूर-दराज (गैर राज्य) के होते थे, जिससे वह इनके ऑफिस में न आ सके. आवेदक का फोन आने पर उनको आगे का समय बताकर टालते रहते थे. इससे कई आवेदक थक-हार कर अपना पैसा वापस मांगना बंद कर देते थे.

संयुक्त राष्ट्र नीले आसमान के लिए स्वच्छ वायु का पांचवां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया गया

वायु प्रदूषण के समाधान के लिए निवेश की जरूरत

एजेंसी। नैरोबी

वायू प्रदूषण सार्वजनिक स्वास्थ्य, पर्यावरण और आर्थिक समस्याओं का कारण बन रहा है. इस समस्या के समाधान के लिए निवेश की जरूरत है. दरअसल, शनिवार को दुनिया में ''नीले आसमान के लिए स्वच्छ वायु का पांचवां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया गया''. इसमें स्वच्छ वायु के लिए निवेश का आह्वान किया गया. स्वच्छ वायु के अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर दुनिया भर में कार्यक्रम हुए.

दक्षिण अफ्रीका ने दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया और यूएनईपी ने एक वेबिनार के माध्यम से बताया कि अफ्रीकी शहर खुले में कचरे को जलाने से कैसे बच सकते हैं. आज 99 प्रतिशत से अधिक आबादी प्रदूषित हवा में सांस ले रही है. इसके कारण प्रतिवर्ष 80 लाख से अधिक लोगों की मृत्यु हो जाती है. इनमें पांच वर्ष से कम आयु के 700,000 से अधिक बच्चे भी शामिल हैं. प्रदूषित हवा, महिलाओं, बच्चों और वृद्ध लोगों को प्रभावित करती है. समय से पहले मृत्यु के लिए वायु प्रदूषण दूसरे सबसे बड़ा कारण बन गया है. वयस्कों की मृत्यु के लिए यह तंबाकू से आगे निकल गया है. पांच साल से कम उम्र के बच्चों के मौत के मामले में यह कुपोषण के बाद दूसरे स्थान पर है. वायु प्रदूषण से हर साल दुनिया को अकेले स्वास्थ्य क्षति के रूप में 8.1 ट्रिलियन का नुकसान होता है. प्रदूषण अर्थव्यवस्थाओं को भी प्रभावित कर रहा है.

एकीकृत प्रयायों से बदलाव संभव : संयुक्त राष्ट्र महासचिव

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने स्वच्छ वायु के लिए कुछ बिंदुओं पर ध्यान देने के लिए कहा है. जैसे जीवाश्म ईंधन की समाप्ति, वायु गुणवत्ता निगरानी को मजबूत करना, वायु गुणवत्ता मानकों को लागू करना, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना, स्वच्छ खाना पकाने में बदलाव, टिकाऊ परिवहन और टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों का निर्माण करना, मीथेन सहित हानिकारक उत्सर्जन को कम करने के लिए कार्रवाई की आवश्यकता है. उन्होंने कहा, अच्छी खबर यह है कि वायु प्रदूषण को रोका जा सकता है और दुनिया भर के लोग इस संकट से निपटने के लिए आगे आ रहे हैं. यह साबित करता है कि बदलाव संभव है, कुछ शहरों में वायु प्रदूषण का स्तर कम हुआ है. देशों ने वायु प्रदूषण से व्यापक रूप से निपटने के लिए एकीकृत योजनाएं विकसित की हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)